दिल्ली विश्वविद्यालय
(भारत की एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय)

दौलत राम कॉलेज
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
डी.बी.टी. स्टार कॉलेज
एनएएसी(NAAC)द्वारा मान्यता प्राप्त

दौलत राम कॉलेज

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

सूचना पुस्तिका

2026-2027

महिला सशक्तिकरण • ज्ञान संवर्धन • भविष्य नवनिर्माण

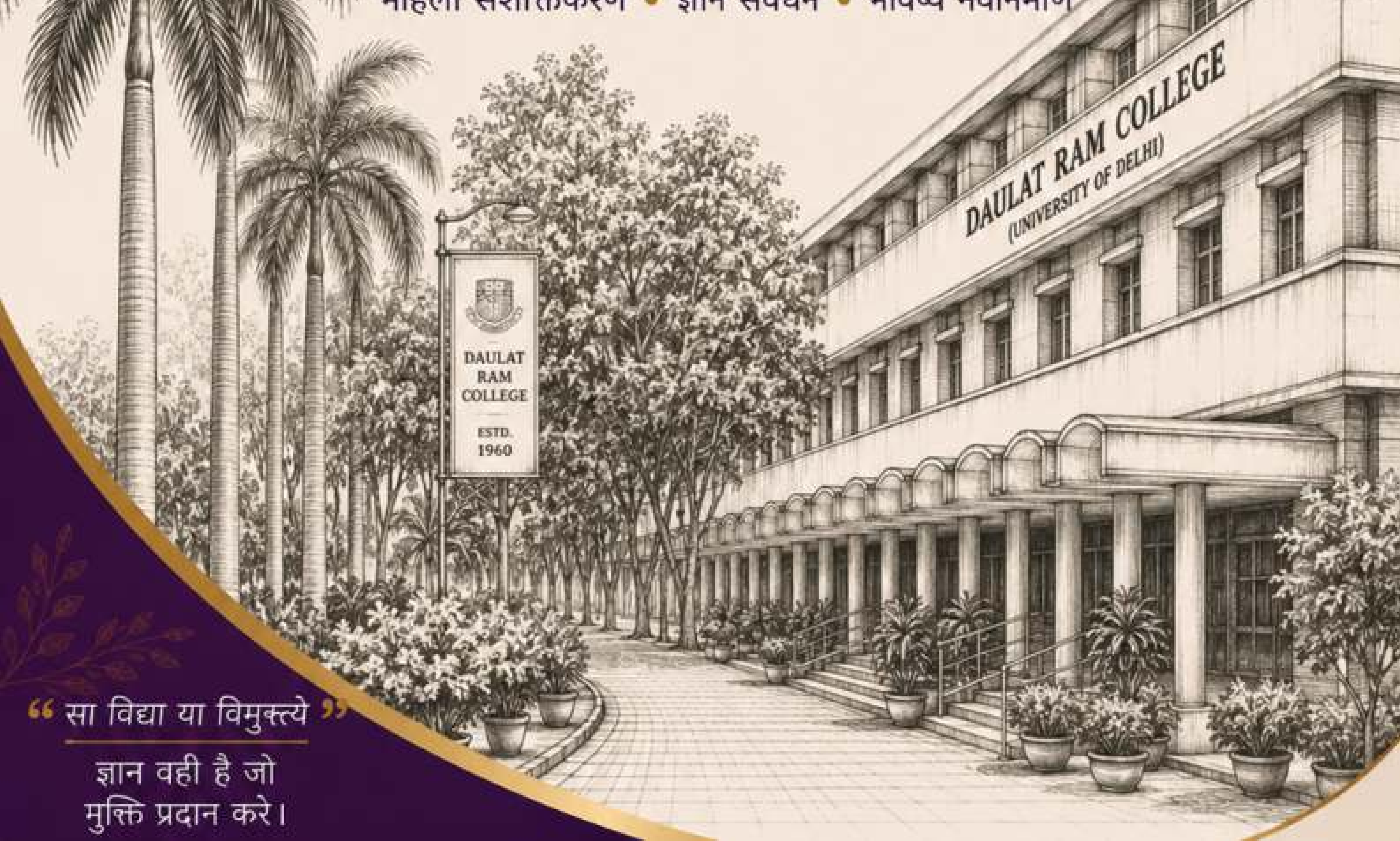

" सा विद्या या विमुक्त्ये "

ज्ञान वही है जो
मुक्ति प्रदान करे।

कॉलेज प्रार्थना

संगच्छध्वं संवदध्वं
सं वो मनांसि जानताम्
समानो मंत्रः समितिः समानी,
समानं मनः सह चित्तमेषाम्।

समानी व आकूति:
समाना हृदयानि वः।
समानमस्तु वो मनो यथा
वः सुसहासति । (ऋग्वेदः)

असतो मा सद् गमय
तमसो मा ज्योतिर्गमय
मृत्योर्मामृतं गमय।
(बृहदारण्यकोपनिषद्)

(एक पद गति, एक वाणी,
चित्त, मन सब एक हो,
ध्येय सबका एक हो,
संकल्प अविरोधी सदा,
परहित लक्ष्य हो जन का,
रहें सुख से सभी।)

हमें असत्य से सत्य की ओर,
अन्धकार से प्रकाश की ओर,
मृत्यु से अमरत्व की ओर,
ले चलें हे प्रभो!

अनुक्रमणिका

अध्यक्ष का संदेश 2
प्राचार्या का संदेश 3
उप-प्राचार्या का संदेश 4
महाविद्यालय परिचय 5
प्रशासनिक कर्मचारी 8
प्रवेश
क. प्रवेश समितियाँ 10
ख. शिक्षक-प्रभारी / प्रवेश-प्रभारी 11
ग. स्नातक (UG) सीट मैट्रिक्स 11
घ. स्नातकोत्तर (PG) सीट मैट्रिक्स 13
ङ. स्नातकोत्तर प्रवेश-प्रभारी 13
च. सह-पाठ्यक्रमीय गतिविधियाँ (ECA) हेतु सीटें 14
छ. खेलकूद कोटा सीटें 14
ज. पाठ्यक्रमवार शुल्क संरचना 15
झ. सम्बद्ध विश्वविद्यालय अध्यादेश 17
ञ. आंतरिक शिकायत समिति 20
स्नातक पाठ्यचर्या रूपरेखा 21
जीई (GE), एसईसी (SEC), वीएसी (VAC) एवं एईसी (AEC) समन्वयक 25
स्मार्टप्रोफ डीआरसी (ERP) 25
विद्यार्थी छात्रवृत्तियाँ एवं शुल्क रियायतें 26
वार्षिकोत्सव पुरस्कार 28
प्लेसमेंट प्रकोष्ठ 31
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ 33
विश्वविद्यालय कैलेंडर 34
विभाग 35
राष्ट्रीय सेवा योजना 54
राष्ट्रीय कैडेट कोर 55
राष्ट्रीय खेल संगठन 56
महाविद्यालय की सुविधाएँ 57
पुस्तकालय 61
छात्रावास 62
अनुसंधान सुविधाएँ एवं प्रयोगशालाएँ 63
केंद्र 68
ऐड-ऑन पाठ्यक्रम 77
कौशल विकास कार्यक्रम 78
समितियाँ एवं प्रकोष्ठ 79
छात्रसंघ की गतिविधियाँ 91
महाविद्यालय पत्रिका एवं समाचार-पत्रिकाएँ 93
पूर्व छात्र संघ 94
विशिष्ट पूर्व छात्राएँ 95
उपलब्धि प्राप्तकर्ता 96

संपादकीय समिति

डॉ. सुशीला कुमारी — संयोजिका (हिंदी)

डॉ. नीतू गुप्ता — सह-संयोजिका (हिंदी)

डॉ. पूजा जैन

डॉ. आस्था सकलानी — संयोजिका (अंग्रेज़ी)

डॉ. नितेश राय — सह-संयोजक (अंग्रेज़ी)

आवश्यक सूचना : इस सूचना पुस्तिका की सामग्री की प्रामाणिकता सुनिश्चित करने हेतु पूर्ण सावधानी बरती गई है। इस सूचना पुस्तिका को दिल्ली विश्वविद्यालय की स्नातक पाठ्यक्रमों हेतु सूचना पुस्तिका (2026–27) के साथ पढ़ा जाना चाहिए। विश्वविद्यालय के प्रासंगिक नियमों, विनियमों, अध्यादेशों एवं अधिनियमों से संबंधित जानकारी ही अंतिम एवं मान्य होगी। इस सूचना पुस्तिका में दी गई जानकारी केवल संकेतात्मक (Indicative) है तथा इसका उपयोग किसी भी प्रकार के विधिक उद्देश्य के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

अध्यक्ष संदेश

दौलत राम कॉलेज में आपका स्वागत करते हुए मुझे अत्यन्त प्रसन्नता एवं गौरव का अनुभव हो रहा है। वर्ष 1960 में दूरदर्शी शिक्षाविद् स्वर्गीय श्री दौलत राम गुप्ता द्वारा स्थापित यह महाविद्यालय पिछले छह दशकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से युवा महिलाओं के व्यक्तित्व निर्माण एवं सशक्तिकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। महाविद्यालय कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकायों में स्नातक स्तर तथा कला संकाय में स्नातकोत्तर स्तर पर उच्च शिक्षा प्रदान करता है।

अपनी स्थापना के आरम्भिक चरण से आज तक दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वाधिक प्रतिष्ठित सम्बद्ध महाविद्यालयों में अपना विशिष्ट स्थान स्थापित कर चुका है। वर्तमान में महाविद्यालय कला, वाणिज्य एवं विज्ञान के विविध स्नातक कार्यक्रमों तथा कला संकाय के स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का संचालन करता है। महाविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता का आधार केवल इसका बहुआयामी पाठ्यक्रम ही नहीं, बल्कि समर्पित एवं अनुभवी शिक्षकगण, आधुनिक अधोसंरचना, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ, समृद्ध पुस्तकालय तथा ऐसा शैक्षणिक वातावरण है जो विद्यार्थियों में जिज्ञासा, सृजनात्मकता और समालोचनात्मक चिंतन को प्रोत्साहित करता है।

महाविद्यालय विदेशी भाषाओं तथा विधिक साक्षरता, जागरूकता एवं सहायता विषयों में डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। वर्तमान में महाविद्यालय में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त 18 विभाग, लगभग 188 शिक्षकगण, 131 गैर-शैक्षणिक कर्मचारी, 5000 से अधिक स्नातक तथा लगभग 200 स्नातकोत्तर विद्यार्थी दौलत राम कॉलेज परिवार का अभिन्न अंग हैं। शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रम एवं पाठ्येतर गतिविधियों में भी महाविद्यालय अग्रणी स्थान रखता है। विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), खेलकूद तथा विभिन्न छात्र-समितियों एवं प्रकोष्ठों में सक्रिय सहभागिता करते हैं। महाविद्यालय द्वारा संचालित आंतरिक कौशल विकास कार्यक्रम तथा परामर्श सेवाएँ विद्यार्थियों को जीवन की दैनिक चुनौतियों का सामना करने तथा अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने में सहायक सिद्ध होती हैं। हमारे शिक्षकगण भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसीपीआर), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) तथा रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) जैसी राष्ट्रीय वित्तपोषण एजेंसियों द्वारा समर्थित शोध परियोजनाओं के माध्यम से शिक्षण, अनुसंधान एवं ज्ञान-सृजन में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। इन परियोजनाओं में विद्यार्थियों को भी सहभागिता, अनुभव प्राप्त करने तथा अनुसंधान कौशल विकसित करने का अवसर मिलता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के आलोक में उच्च शिक्षा के बदलते परिदृश्य के साथ सहभागिता करते हुए दौलत राम कॉलेज नवाचार, अंतर्विषयी अधिगम, समावेशिता तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति निरन्तर प्रतिबद्ध है। हम अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों को सुदृढ़ बनाने, अनुसंधान एवं कौशल विकास के अवसरों का विस्तार करने तथा ऐसा शिक्षण-अधिगम वातावरण विकसित करने के लिए सतत प्रयासरत हैं, जो विद्यार्थियों को समकालीन चुनौतियों का आत्मविश्वास, नैतिकता और उत्तरदायित्व के साथ सामना करने के लिए तैयार करे।

महाविद्यालय का चयन किसी भी विद्यार्थी के जीवन का एक अत्यन्त महत्त्वपूर्ण निर्णय होता है। दौलत राम कॉलेज में आप ऐसे शैक्षणिक समुदाय का हिस्सा बनेंगे जो ज्ञान को सर्वोच्च महत्व देता है, स्वतंत्र चिंतन को प्रोत्साहित करता है, विविधता का सम्मान करता है तथा उत्कृष्टता की भावना को प्रेरित करता है। मैं आपको इस जीवंत एवं प्रतिष्ठित संस्थान का हिस्सा बनने तथा इसकी गौरवशाली उपलब्धियों और सेवा-परंपरा को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देने हेतु हार्दिक आमंत्रण देता हूँ।

मैं प्रत्येक विद्यार्थी के लिए ज्ञानार्जन, आत्मअन्वेषण और सफलता से परिपूर्ण उज्ज्वल शैक्षणिक यात्रा की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

श्री मुकुल गुप्ता
अध्यक्ष, गवर्निंग बॉडी, दौलत राम कॉलेज

प्राचार्या संदेश

सादर अभिवादन!

दौलत राम कॉलेज में आपका हार्दिक स्वागत है। वर्ष 1960 से दिल्ली विश्वविद्यालय के एक अग्रणी सम्बद्ध महाविद्यालय के रूप में यह संस्थान शैक्षणिक उत्कृष्टता तथा महिला सशक्तिकरण के प्रति निरन्तर समर्पित रहा है। पिछले छह दशकों से महाविद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बौद्धिक जिज्ञासा, नेतृत्व क्षमता तथा विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास के माध्यम से अनेक पीढ़ियों का मार्गदर्शन करता आया है। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा प्रत्यायित तथा राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग रूपरेखा (एनआईआरएफ), इंडिया टुडे एवं अन्य प्रतिष्ठित रैंकिंग एजेंसियों द्वारा निरन्तर मान्यता प्राप्त दौलत राम कॉलेज ने भारत के अग्रणी महिला महाविद्यालयों में अपना विशिष्ट स्थान स्थापित किया है। विज्ञान शिक्षा एवं स्नातक स्तर पर अनुसंधान को प्रोत्साहन देने में उल्लेखनीय योगदान के लिए महाविद्यालय को जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा स्टार कॉलेज का दर्जा भी प्रदान किया गया है। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित शोध सहयोग तथा दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा समर्थित नवाचार परियोजनाएँ हमारे शैक्षणिक वातावरण को निरन्तर सुदृढ़ बना रही हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 (एनईपी–2020) तथा स्नातक पाठ्यचर्या रूपरेखा–2022 (यूजीसीएफ–2022) की परिकल्पना के अनुरूप महाविद्यालय आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के सहयोग से लचीली एवं बहुविषयी शिक्षण व्यवस्था उपलब्ध कराता है। 1,500 से अधिक स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रवेश क्षमता, मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रमों, छात्रवृत्तियों, पुरस्कारों तथा सक्रिय प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के माध्यम से विद्यार्थियों को शैक्षणिक उत्कृष्टता, इंटर्नशिप, अनुसंधान, उद्यमिता तथा व्यावसायिक विकास के व्यापक अवसर प्राप्त होते हैं। गत वर्ष 50 से अधिक संस्थानों एवं संगठनों ने 400 से अधिक विद्यार्थियों को इंटर्नशिप प्रदान की, जिनमें से अधिकांश राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप थीं। स्नातक पाठ्यचर्या रूपरेखा (यूजीसीएफ) के प्रथम चतुर्थ-वर्षीय बैच का सफल स्नातक होना महाविद्यालय के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस बैच के विद्यार्थियों ने देशभर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में आयोजित शोध-पत्र प्रस्तुतियों एवं प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट अनुसंधान के लिए विशेष सम्मान एवं पहचान अर्जित की है। हमारी प्रतिष्ठित पूर्व छात्राएँ सिविल सेवा, न्यायपालिका, शिक्षाजगत, अनुसंधान, मीडिया, खेल तथा सार्वजनिक जीवन के विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव निरन्तर बढ़ा रहे हैं।

दौलत राम कॉलेज आधुनिक अधोसंरचना, वाई-फाई सुविधा, सीसीटीवी निगरानी तथा सुरक्षित एवं समावेशी परिसर के साथ विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षण वातावरण प्रदान करता है। महाविद्यालय रैगिंग-मुक्त, तम्बाकू-मुक्त तथा शून्य-अपशिष्ट (ज़ीरो-वेस्ट) परिसर के निर्माण एवं संरक्षण के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

जैसे ही आप अपने जीवन के इस नए और उत्साहपूर्ण अध्याय की शुरुआत करते हैं, मैं आपको अन्वेषण, सहभागिता और उत्कृष्टता हेतु प्रेरित करती हूँ। दौलत राम कॉलेज में आपको ऐसा प्रेरणादायी वातावरण मिलेगा, जो अधिगम, नवाचार तथा व्यक्तिगत विकास को निरन्तर प्रोत्साहित करता है। मैं दौलत राम कॉलेज परिवार में आपका हार्दिक स्वागत करती हूँ तथा आपके उज्ज्वल, सफल और अविस्मरणीय शैक्षणिक जीवन की मंगलकामना करती हूँ।

शुभकामनाओं सहित।

प्रो. सविता रॉय
प्राचार्या

उप-प्राचार्या संदेश

प्रिय भावी विद्यार्थियों एवं आदरणीय अभिभावकगण,

हमारे महाविद्यालय परिवार में आपका हार्दिक स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है- एक ऐसा स्थान जहाँ शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार और मानवीय मूल्य मिलकर भविष्य के कर्णधारों को आकार देते हैं। सही संस्थान का चयन करना किसी भी विद्यार्थी के जीवन के सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक होता है, और हम गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं कि आप हमारे शैक्षणिक परिवार का हिस्सा बनने पर विचार कर रहे हैं।

हमारे महाविद्यालय में शिक्षा केवल कक्षाओं की सीमाओं तक ही सीमित नहीं है। हम जिज्ञासु प्रवृत्तियों को पोषित करने, रचनात्मकता को बढ़ावा देने, अनुसंधान को प्रोत्साहित करने और ऐसे सामाजिक रूप से उत्तरदायी व्यक्तियों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो निरंतर बदलते वैश्विक समाज में सार्थक योगदान देने के लिए तैयार हों। हमारा ध्येय विद्यार्थियों को न केवल ज्ञान और व्यावसायिक क्षमता से युक्त करना है, बल्कि उनमें सत्यनिष्ठा, करुणा, धैर्यशीलता तथा आजीवन सीखने की अभिरुचि पैदा करना भी है।

हमारे अत्यधिक योग्य एवं समर्पित शिक्षक गण, अत्याधुनिक आधारभूत संरचना, सुसज्जित प्रयोगशालाएं, आधुनिक शिक्षण संसाधन और एक जीवंत परिसर का वातावरण विद्यार्थियों को शैक्षणिक और व्यक्तिगत रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के अनगिनत अवसर प्रदान करते हैं। पाठ्यक्रम, सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों के समृद्ध समन्वय के माध्यम से, विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को खोजने, नेतृत्व कौशल विकसित करने और आत्मविश्वास पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जो उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के सिद्धांतों से प्रेरित होकर, हम अंत:विषय शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार, उद्यमिता और अनुभवात्मक शिक्षा पर विशेष बल देते हैं। हम एक समावेशी और शिक्षार्थी-केंद्रित परिवेश बनाने का प्रयास करते हैं जहाँ प्रत्येक विद्यार्थी को तार्किक रूप से सोचने, प्रभावी ढंग से संवाद करने और निरंतर विकास को अपनाने की प्रेरणा मिले।

हमारा संस्थान अनुसंधान, सामुदायिक सहभागिता, उद्योग जगत के साथ सहयोग, पर्यावरणीय चेतना और नैतिक मूल्यों के माध्यम से उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने में गर्व महसूस करता है। हमारा विश्वास है कि वास्तविक शिक्षा वही है जो विद्यार्थियों को जागरूक, उत्तरदायी एवं संवेदनशील नागरिक बनाकर समाज और राष्ट्र के विकास में सार्थक योगदान देने के लिए सक्षम बनाए।

जैसे ही आप हमारे महाविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले अवसरों का अवलोकन करते हैं, मैं आपको एक ऐसे जीवंत शैक्षणिक समुदाय का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करती हूँ, जहाँ आपकी आकांक्षाओं को प्रोत्साहन मिलता है, अंतर्निहित क्षमताओं को पहचाना जाता है और सपनों को उपलब्धियों में बदला जाता है। हम प्रत्येक विद्यार्थी की शैक्षणिक सफलता, व्यावसायिक उत्कृष्टता और व्यक्तिगत संतुष्टि की यात्रा में उनका संबल बनने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

मैं सीखने, खोजने और रूपांतरण की इस रोमांचक यात्रा में शामिल होने के लिए आप सभी का हार्दिक स्वागत करती हूँ। आइए मिलकर ज्ञान, नवाचार और असीम संभावनाओं से भरे भविष्य का निर्माण करें।

आपके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं सहित,

प्रो. प्रीति मल्होत्रा
उप-प्राचार्या

दौलत राम विद्यालय एक परिचय

ध्येय

दौलत राम महाविद्यालय का ध्येय विद्यार्थियों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हुए उनमें नैतिक मूल्यों का संवर्धन करना, उन्हें ज्ञानार्जन एवं रचनात्मक सहभागिता के लिए प्रेरित करना तथा उनके व्यक्तित्व और अंतरवैयक्तिक कौशल का समग्र विकास सुनिश्चित करना है।

दृष्टि

दौलत राम महाविद्यालय की दृष्टि उसके आदर्श वाक्य 'ऋते ज्ञानान्न मुक्ति:' में निहित है, जिसका अर्थ है-'ज्ञान के बिना मुक्ति नहीं।' यह संस्थान विज्ञान, वाणिज्य और मानविकी के क्षेत्र में ज्ञान का प्रसार कर छात्राओं को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम और सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

दौलत राम महाविद्यालय ने महिला उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता, नवाचार एवं समग्र विकास के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के बल पर एक अग्रणी शिक्षण संस्थान के रूप में विशिष्ट पहचान स्थापित की है। इसकी स्थापना वर्ष 1960 में दूरदर्शी शिक्षाविद् स्वर्गीय श्री दौलतराम गुप्ता द्वारा तिलक मार्ग स्थित प्रमिला कॉलेज के रूप में की गई थी। वर्ष 1964 में महाविद्यालय को दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तर परिसर में स्थानांतरित किया गया, जहाँ इसका नाम परिवर्तित कर दौलत राम महाविद्यालय रखा गया।

श्री दौलतराम गुप्ता की परिकल्पना एक ऐसे महिला शिक्षण संस्थान की थी, जो समावेशी, मूल्यपरक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का केंद्र बने। लगभग 350 छात्राओं, 13 अध्यापकों तथा 6 विभागों से आरम्भ हुआ यह महाविद्यालय आज एक समृद्ध एवं जीवंत शैक्षणिक संस्थान के रूप में विकसित हो चुका है। वर्तमान में यहाँ भारत तथा विदेशों से आए 5,000 से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। महाविद्यालय में लगभग 188 अध्यापक, 130 गैर-शिक्षण कर्मचारी तथा 19 विभाग कार्यरत हैं, जो स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर विविध विषयों में अध्ययन-अध्यापन का संचालन करते हैं। विज्ञान, वाणिज्य एवं मानविकी के क्षेत्रों में उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करते हुए महाविद्यालय विद्यार्थियों में शैक्षणिक उत्कृष्टता, समालोचनात्मक चिंतन, नैतिक मूल्यों तथा समग्र व्यक्तित्व विकास को निरंतर प्रोत्साहित करता है।

महाविद्यालय ने अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों तथा सशक्त सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों के माध्यम से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट प्रतिष्ठा अर्जित की है। विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान में नवोन्मेषी योगदान के लिए भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा महाविद्यालय को प्रतिष्ठित स्टार कॉलेज स्टेटस (Star College Status) प्रदान किया गया है। हरित एवं शांत वातावरण से आच्छादित परिसर आधुनिक आधारभूत संरचना तथा अनुभवी एवं समर्पित संकाय सदस्यों के सहयोग से विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षण, अधिगम एवं अनुसंधान का प्रेरक वातावरण उपलब्ध कराता है। महाविद्यालय में अत्याधुनिक ज़ेब्राफ़िश प्रयोगशाला , ड्रोसोफिला रिसोर्स सेंटर तथा साइकोलॉजी रिसोर्स सेंटर जैसी उन्नत शोध सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जिनके माध्यम से आईसीएसएसआर, आईसीपीआर, यूजीसी, सीएसआईआर तथा डीआरडीओसहित विभिन्न राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा वित्तपोषित महत्त्वपूर्ण शोध परियोजनाओं का संचालन किया जाता है।

महाविद्यालय निरंतर अपने शैक्षणिक अधोसंरचना का विस्तार कर रहा है। इसी क्रम में निर्मित नवीन शैक्षणिक भवन अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, विशाल एवं तकनीक-संपन्न कक्षाओं तथा आधुनिक सम्मेलन कक्ष से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, अधिगम एवं अनुसंधान के लिए उत्कृष्ट वातावरण प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त वाई-फाई सुविधा युक्त स्मार्ट कक्षाएँ, एलसीडी प्रोजेक्टर, आधुनिक कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) आधारित शिक्षण संसाधन शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी एवं सहभागितापूर्ण बनाते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्तपोषित इनोवेशन प्रोजेक्ट्स एवं स्टार

इनोवेशन प्रोजेक्ट्स, साथ ही संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, फ़िनलैंड तथा पोलैंड सहित विभिन्न देशों के शिक्षण एवं शोध संस्थानों के साथ स्थापित अंतरराष्ट्रीय सहयोगी अनुसंधान कार्यक्रम महाविद्यालय की अकादमिक एवं अनुसंधान संस्कृति को और अधिक समृद्ध बनाते हैं।

महाविद्यालय का आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) गुणवत्ता संवर्धन, शैक्षणिक नियोजन तथा संस्थागत उत्कृष्टता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके मार्गदर्शन में महाविद्यालय का शैक्षणिक कैलेंडर अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सम्मेलनों, संगोष्ठियों, परिसंवादों, व्याख्यानमालाओं तथा संकाय विकास कार्यक्रमों से समृद्ध रहता है, जिससे अनुसंधान, नवाचार एवं अंतर्विषयी संवाद की सशक्त संस्कृति विकसित होती है।

महाविद्यालय का समृद्ध पुस्तकालय विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए ज्ञान का प्रमुख केंद्र है। यहाँ एक लाख से अधिक पुस्तकों के साथ-साथ शोध पत्रिकाएँ, जर्नल, आवधिक प्रकाशन, समाचार-पत्र, ई-संसाधन तथा दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए सुसज्जित ब्रेल अनुभाग उपलब्ध है। शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महाविद्यालय प्रत्येक वर्ष विभिन्न दक्षता पुरस्कार, संस्थापित सम्मान तथा मेधावी छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है।

कौशल विकास (स्किल डेवलपमेंट) महाविद्यालय की शैक्षिक दृष्टि का अभिन्न अंग है। अंतर्विषयी कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों में जीवनोपयोगी कौशल, डिजिटल दक्षता तथा व्यावसायिक क्षमताओं का विकास किया जाता है। साइबर सेल विद्यार्थियों में सुरक्षित एवं उत्तरदायी डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूकता विकसित करने का कार्य करता है, जबकि प्लेसमेंट सेल देश की अग्रणी संस्थाओं एवं उद्योगों के सहयोग से गुणवत्तापूर्ण इंटर्नशिप तथा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु निरंतर सक्रिय रहता है।

महाविद्यालय की सशक्त शैक्षणिक एवं सृजनात्मक संस्कृति का प्रतिबिंब विभिन्न विभागों, समितियों एवं प्रकोष्ठों द्वारा प्रकाशित पत्रिकाओं और शोध प्रकाशनों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। इनमें Expressions (अंग्रेज़ी), मानसी (हिंदी), श्रेष्ठा (महिला विकास प्रकोष्ठ), Psytrack (मनोविज्ञान), Math Punch (गणित), Naissance (प्लेसमेंट सेल), Optima (अर्थशास्त्र) सहित अनेक विभागीय एवं संस्थागत प्रकाशन उल्लेखनीय हैं। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय प्रतिवर्ष अपनी वार्षिक पत्रिका 'प्रमिला' का प्रकाशन करता है, जिसमें अंग्रेज़ी, हिंदी एवं संस्कृत भाषाओं में विद्यार्थियों तथा शिक्षकों की रचनात्मक एवं अकादमिक अभिव्यक्तियों को स्थान दिया जाता है।

वर्ष 2005 में स्थापित विदेशी भाषा केंद्र (Centre for Foreign Languages) विद्यार्थियों को वैश्विक भाषाओं के अध्ययन का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। यह केंद्र दिल्ली विश्वविद्यालय के जर्मेनिक एवं रोमैंस अध्ययन विभाग तथा दक्षिण एशियाई अध्ययन विभाग के सहयोग से फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश, इतालवी, चीनी, जापानी तथा कोरियाई भाषाओं में प्रमाणपत्र, डिप्लोमा एवं एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करता है। इसके अतिरिक्त प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से संचालित विभिन्न मूल्यवर्धित (Value Added) प्रमाणपत्र कार्यक्रम विद्यार्थियों को अंतर्विषयी ज्ञान, व्यावसायिक दक्षता तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप कौशल विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं।

समावेशी एवं संवेदनशील शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप महाविद्यालय का छात्रावास, जिसकी स्थापना वर्ष 1974 में हुई, देश के विभिन्न राज्यों एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों से आने वाली छात्राओं को सुरक्षित, अनुशासित आवासीय वातावरण उपलब्ध कराता है। महाविद्यालय परिसर में स्थित सद्भावना भवन, जो दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट सभागारों में से एक है, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, नाट्य प्रस्तुतियों तथा महाविद्यालय के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'मंजरी' का प्रमुख आयोजन स्थल है। वहीं परिसर के मध्य स्थित खुला एम्फीथिएटर 'रंगशाला' नाट्य, साहित्यिक, संगीत एवं विविध सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए एक जीवंत मंच के रूप में प्रतिष्ठित है।

महाविद्यालय का बहुउद्देशीय खेल परिसर एवं आधुनिक फिटनेस केंद्र विद्यार्थियों को विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु उच्चस्तरीय सुविधाएँ प्रदान करता है। यहाँ प्रशिक्षित अनेक खिलाड़ियों ने राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित पैरालम्पिक प्रतियोगिताएँ समावेशी सहभागिता एवं समान अवसर के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। सुगम एवं दिव्यांगजन-अनुकूल अवसंरचना के साथ समान अवसर प्रकोष्ठ (इक्वल ऑपर्च्युनिटी सेल) एवं सक्षम इकाई (एनेबलिंग यूनिट) दिव्यांग छात्राओं के लिए सहयोगपूर्ण, सुलभ एवं समावेशी शिक्षण वातावरण सुनिश्चित करते हैं।

पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप दौलत राम महाविद्यालय एक शून्य-अपशिष्ट (ज़ीरो डिस्चार्ज) परिसर के रूप में विकसित किया गया है। महाविद्यालय की पुनर्चक्रण इकाई (रिसाइक्लिंग यूनिट), जिसमें कागज़ पुनर्चक्रण तथा पत्तियों के अपघटन की आधुनिक मशीनें स्थापित हैं, पर्यावरण क्लब 'धरा' परिसर में पर्यावरणीय जागरूकता, जैव विविधता संरक्षण तथा सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने हेतु समय-समय पर विविध कार्यक्रमों एवं अभियानों का आयोजन करता है।

दौलत राम महाविद्यालय का जीवंत छात्र जीवन उसकी सबसे विशिष्ट विशेषताओं में से एक है। महाविद्यालय की अतिरिक्त पाठ्यचर्या गतिविधि समिति (एक्स्ट्रा-करिक्युलर एक्टिविटीज़ कमेटी) के अंतर्गत संचालित अनेक छात्र समितियाँ विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा, नेतृत्व क्षमता तथा रचनात्मक अभिव्यक्ति के विकास के लिए व्यापक अवसर प्रदान करती हैं। इनमें वाद-विवाद समिति (डेबसॉक), नाट्य समिति (मेमेसिस), फाइन आर्ट समिति (स्पेक्ट्रा), फिल्म एवं फोटोग्राफी समिति (मैजिक लैंटर्न एवं सेपिया), संगीत एवं नृत्य समितियाँ (अल्हैया, अनहद, एन्कोर एवं ज़ेनिथ), क्विज़ (समिति तजग्ना), काव्य समिति (इमेज़िज़्म) तथा फैशन समिति (डेबोनेयर) प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त यूथ पार्लियामेंट, मॉडल यूनाइटेड नेशंस, कॉलेज प्ले तथा प्रतिष्ठित दौलतराम गुप्ता स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता जैसे आयोजन विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, नेतृत्व, संवाद कौशल, सामाजिक सहभागिता एवं बौद्धिक उत्कृष्टता का विकास करते हैं।

महाविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व, सांस्कृतिक विविधता एवं राष्ट्रीय मूल्यों के संवर्धन के लिए भी निरंतर कार्यरत है। गांधी अध्ययन मंडल, महिला विकास प्रकोष्ठ (प्रगति), जेंडर चैंपियन सेल, स्पिक मैके, तथा नॉर्थ ईस्ट सेल (पूर्वाशा) जैसी इकाइयाँ विद्यार्थियों में सामाजिक संवेदनशीलता, लैंगिक समानता, भारतीय सांस्कृतिक विरासत तथा उत्तर-पूर्व भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति सम्मान एवं जागरूकता विकसित करती हैं। वहीं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) , राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) एवं राष्ट्रीय खेल संगठन (एनएसओ) के माध्यम से छात्राएँ सामुदायिक सेवा, राष्ट्र निर्माण, अनुशासन, नेतृत्व एवं सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में सक्रिय सहभागिता निभाती हैं।

शैक्षणिक स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के आदर्शों पर आधारित दौलत राम महाविद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार तथा सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से छात्राओं को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। ज्ञान, नैतिकता, नेतृत्व क्षमता तथा मानवीय मूल्यों से समृद्ध यह संस्थान अपनी छात्राओं को उत्तरदायी वैश्विक नागरिक एवं भविष्य के सक्षम नेतृत्वकर्ता के रूप में विकसित करने की दिशा में सतत अग्रसर है।

प्रशासनिक कर्मचारी

बर्सर
प्रो. गुरमीत कौर

हॉस्टल वार्डन
डॉ. विधि चौधरी

पुस्तकालयाध्यक्ष
श्री पवन त्रिपाठी

ए.ओ. (प्रशासन)
श्रीमती विजेता राणा

ए.ओ. (लेखा)
श्री अतुल भास्कर

केयरटेकर
श्री एम. एस. देवन

प्रवेश

2026-27

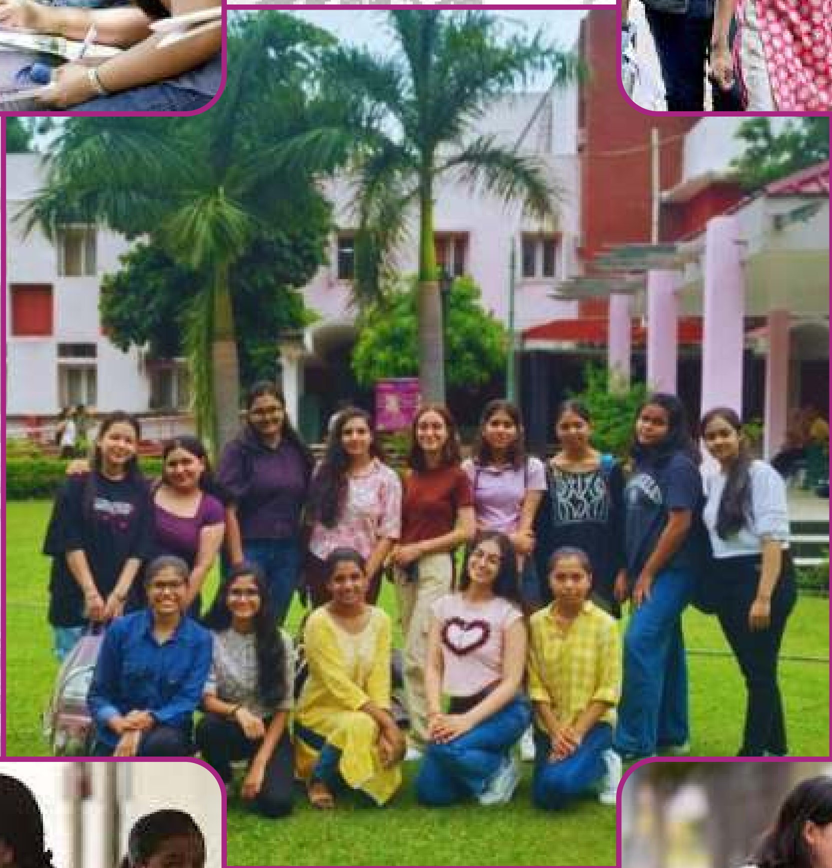

प्रवेश समिति 2026-27

प्रवेश समिति	संयोजक / सह-संयोजक / सदस्य
स्नातक (UG) प्रवेश समिति	**संयोजक:** प्रो. सोनिया मेहता (soniamehta@dr.du.ac.in) **सह-संयोजक:** डॉ. रीता रानी (ritarani@dr.du.ac.in)
हेल्पडेस्क समिति	**मुख्य संयोजक (समग्र):** डॉ. मीनाक्षी पालीवाल (minakshipaliwal@dr.du.ac.in) **संयोजक:** डॉ. नीरज दोहरे (neerajdohare@dr.du.ac.in) **सदस्य:** डॉ. रविन्द्र कुमार, डॉ. प्रियंका यादव, डॉ. जग्गू दान रतनू, डॉ. कुनाल कृष्णा, डॉ. संजीता रानी, सुश्री ईशा कुमारी भट्ट, सुश्री सपना कुमारी मीणा, डॉ. प्रगति बर्मन, डॉ. सुनीता जॉर्ज
शिकायत निवारण समिति	**मुख्य संयोजक एवं संयोजक (ST):** डॉ. अनीता मिन्ज़ (anitaminz@dr.du.ac.in) **संयोजक (SC):** डॉ. शगुन ढांडा (shagun@dr.du.ac.in) **संयोजक (OBC):** डॉ. विकास ढाका (vikasdhaka@dr.du.ac.in) **संयोजक (EWS):** डॉ. गिरा सिंह (girasingh@dr.du.ac.in) **संयोजक (PwBD):** डॉ. अंजलि बेनेट (anjali@dr.du.ac.in) **सदस्य:** डॉ. मनीषा मीणा, डॉ. मेनका, श्री नितेश राय, डॉ. राजेश प्रसाद
एंटी-रैगिंग समिति	**संयोजक:** डॉ. हेमेन्द्र कुमार तिवारी (hemandratiwari@dr.du.ac.in) **सदस्य:** डॉ. उमेश कुमारी, डॉ. कौशाम्बी त्यागी
खेल परिषद समिति	**संयोजक:** डॉ. आज़ाद सिंह (azad@dr.du.ac.in) **सदस्य:** डॉ. मीनाक्षी ठाकुर, डॉ. हेमेन्द्र कुमार तिवारी, डॉ. पीयूष कांत, डॉ. पूजा खन्ना, डॉ. कौशाम्बी त्यागी, डॉ. आराधना यादव
ECA समिति (अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियाँ)	**संयोजक:** डॉ. अनीता गर्ग मंगला (anitamangla@dr.du.ac.in) **सह-संयोजक:** डॉ. गिरा सिंह (girasingh@dr.du.ac.in) **सदस्य:** डॉ. गौरी आहूजा, डॉ. कमलेश कुमारी, डॉ. संतोष कुमार भारद्वाज, डॉ. क्षितिजा वासन,
कोर समिति	**सदस्य:** डॉ. रिचा कौर, डॉ. हिमांशु शेखर साहू, डॉ. अनीता गोयल, डॉ. संतोष, डॉ. आरती जैन, डॉ. पीयूष कांत
बी.ए. (प्रोग्राम) समिति	**संयोजक:** डॉ. आस्था चौहान (asthachauhan@dr.du.ac.in) **सह-संयोजक:** डॉ. शिखा सिंह (shikhasingh@dr.du.ac.in) **सदस्य:** डॉ. पूजा जैन, श्री सुरजीत कुमार, सुश्री हरिता पी., डॉ. सपना रैना काचरू, प्रो. सोनिया मेहता, डॉ. कौशाम्बी त्यागी, डॉ. जग्गू दान रतनू, प्रो. रजनी साहनी, डॉ. सुशीला कुमारी, डॉ. विद्या राम मीणा, डॉ. राजेश प्रसाद

विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों के शिक्षक-प्रभारी / प्रवेश-प्रभारी

विभाग	प्रवेश प्रभारी	ईमेल आईडी
बी.ए. (प्रोग्राम)	डॉ. आस्था चौहान	asthachauhan@dr.du.ac.in
बी.एससी. लाइफ साइंस	डॉ. ज्योति सिंह	jyotisingh@dr.du.ac.in
बी.कॉम. (प्रोग्राम)	डॉ. रेनू यादव	renuyadav@dr.du.ac.in
जैव रसायन (बायोकैमिस्ट्री)	डॉ. नरेंद्र कुमार	narendra@dr.du.ac.in
वनस्पति विज्ञान	डॉ. बसंता कुमार दास	basanta.das@dr.du.ac.in
रसायन विज्ञान	डॉ. अवनीत कौर	avneet@dr.du.ac.in
वाणिज्य	डॉ. शिवानी बंसल	shivanibansal@dr.du.ac.in
अर्थशास्त्र	डॉ. अहल्या रामनाथन	ahalya@dr.du.ac.in
अंग्रेज़ी	डॉ. प्रियंका अरोड़ा	priyankaarora@dr.du.ac.in
हिंदी	डॉ. संतोष सैन	santoshsain@dr.du.ac.in
इतिहास	श्री प्रवाश के. चौधरी	pravash@dr.du.ac.in
गणित	डॉ. ज्योति शर्मा	jyotisharma1@dr.du.ac.in
संगीत	डॉ. दीप्ति बंसल	deeptibansal@dr.du.ac.in
पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा (एनएचई)	डॉ. प्रियंका वर्मा	priyankaverma@dr.du.ac.in
दर्शनशास्त्र	डॉ. विधु जैन	vidhujain@dr.du.ac.in
शारीरिक शिक्षा	डॉ. कौशाम्बी त्यागी	kaushambi@dr.du.ac.in
भौतिक विज्ञान	डॉ. निशा बाला	nishabala@dr.du.ac.in
राजनीति विज्ञान	डॉ. स्मिता यादव	smita@dr.du.ac.in
मनोविज्ञान	डॉ. संध्या रानी हावबम	sandhyahawbam@dr.du.ac.in
संस्कृत	डॉ. शारदा गौतम	sharda@dr.du.ac.in
प्राणी विज्ञान	डॉ. ज्योत्सना सिंह	jyotsnasingh@dr.du.ac.in

स्नातक सीट मैट्रिक्स 2026-27

प्रस्तावित पाठ्यक्रम (स्नातक – CUET मेरिट आधारित प्रवेश)	**प्रस्तावित सीटों की संख्या***								
	कुल सीटें	**सामान्य (UR)**	**ओबीसी (OBC)**	**अनुसूचित जाति (SC)**	**अनुसूचित जनजाति (ST)**	**आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS)**	**दिव्यांग (PwD)**	**CW**	**KM**
बी.एससी.(ऑनर्स)जैव रसायन	29	12	8	4	2	3	1	2	1
बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान	58	23	16	9	4	6	3	3	3
बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान	29	12	8	4	2	3	1	2	1
बी.कॉम. (ऑनर्स)	139	56	38	21	10	14	7	8	6
बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	115	47	31	17	9	11	6	5	6
बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी	78	31	21	12	6	8	4	4	4
बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी	115	47	31	17	9	11	7	5	5
बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास	58	23	16	9	4	6	4	3	2
बी.एससी. (ऑनर्स) गणित	58	23	16	9	4	6	3	3	3
बी.ए. (ऑनर्स) संगीत	29	12	8	4	2	3	1	1	2
बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र	49	19	13	8	4	5	2	3	2
बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिक विज्ञान	58	23	16	9	4	6	2	4	3
बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	115	47	31	17	9	11	6	5	6
बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान	46	19	12	7	3	5	2	3	2
बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत	46	19	12	7	3	5	2	3	3
बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी विज्ञान	58	23	16	9	4	6	2	4	3
बी.कॉम. (प्रोग्राम)	96	39	26	14	7	10	5	5	4
बी.एससी. लाइफ साइंसेज़	78	31	21	12	6	8	4	4	4
बी.ए. (प्रोग्राम)	211	85	57	32	16	21	10	10	10

नोट: छात्रावास में प्रवेश की प्रक्रिया 28 जुलाई, 2026 से प्रारंभ होगी। इसके लिए पंजीकरण प्रपत्र (Registration Form) का लिंक महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा।

*महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार आरक्षण नीति का पालन करता है।

सूचना (Disclaimer): उपर्युक्त जानकारी में किसी प्रकार की त्रुटि, विसंगति अथवा विरोधाभास होने की स्थिति में वर्ष 2026 के स्नातक प्रवेश हेतु सूचना पुस्तिका (Bulletin of Information), दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रकाशित जानकारी को अंतिम एवं मान्य माना जाएगा।

बी.ए. प्रोग्राम कोर्स सीट मैट्रिक्स 2026-27

बी.ए. (प्रोग्राम) हेतु विषय-संयोजन	प्रस्तावित सीटों की संख्या*								
	कुल सीटें	सामान्य (UR)	ओबीसी (OBC)	अनुसूचित जाति (SC)	अनुसूचित जनजाति (ST)	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS)	दिव्यांग (PwBD)	CW	KM
बी.ए. (प्रोग्राम) – गणित + अर्थशास्त्र	22	10	6	3	1	2	1	1	1
बी.ए. (प्रोग्राम) – इतिहास + राजनीति विज्ञान	22	9	6	3	2	2	2	1	1
बी.ए. (प्रोग्राम) – कम्युनिटी साइंस + संगीत	22	9	6	3	2	2	1	2	2
बी.ए. (प्रोग्राम) – वाणिज्य + कम्युनिटी साइंस	22	9	6	3	2	2	1	1	1
बी.ए. (प्रोग्राम) – दर्शनशास्त्र + मनोविज्ञान	22	9	6	3	2	2	1	1	1
बी.ए. (प्रोग्राम) – शारीरिक शिक्षा + हिंदी	58	20	16	10	4	8	2	2	2
बी.ए. (प्रोग्राम) – संस्कृत + संगीत	22	9	6	3	2	2	1	1	1
बी.ए. (प्रोग्राम) – इतिहास + अंग्रेज़ी	21	10	5	4	1	1	1	1	1
कुल	**211**	**85**	**57**	**32**	**16**	**21**	**10**	**10**	**10**

*महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार आरक्षण नीति का पालन करता है।

सूचना (Disclaimer): उपर्युक्त जानकारी में किसी प्रकार की त्रुटि, विसंगति अथवा विरोधाभास होने की स्थिति में शैक्षणिक सत्र २०२६–२७ के स्नातक प्रवेश हेतु सूचना पुस्तिका (Bulletin of Information), दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रकाशित जानकारी को अंतिम एवं मान्य माना जाएगा।

बी.ए. (प्रोग्राम) हेतु मेजर (Major) एवं माइनर (Minor) विषय

अर्थशास्त्र (मेजर) + गणित (माइनर)

राजनीति विज्ञान (मेजर) + इतिहास (माइनर)

दर्शनशास्त्र (मेजर) + मनोविज्ञान (माइनर)

इतिहास (मेजर) + अंग्रेज़ी (माइनर)

संस्कृत (मेजर) + संगीत (माइनर)

संगीत (मेजर) + कम्युनिटी साइंस (माइनर)

वाणिज्य (मेजर) + कम्युनिटी साइंस (माइनर)

हिन्दी + शारीरिक शिक्षा*

नोट: आधारभूत अवसंरचना एवं संकाय (फैकल्टी) संबंधी सीमाओं के कारण प्रथम वर्ष में केवल निम्नलिखित मेजर (Major) एवं माइनर (Minor) विषय ही उपलब्ध होंगे।

*इस संयोजन के लिए महाविद्यालय विद्यार्थियों के दो समूह गठित करेगा। प्रथम समूह में हिन्दी प्रमुख (मेजर) विषय तथा शारीरिक शिक्षा गौण (माइनर) विषय होगी, जबकि द्वितीय समूह में शारीरिक शिक्षा प्रमुख (मेजर) विषय तथा हिन्दी गौण (माइनर) विषय होगी।

स्नातकोत्तर (PG) सीट मैट्रिक्स 2026–27

पाठ्यक्रम	श्रेणी 1					श्रेणी 2				
	सामान्य (UR)	SC	ST	OBC	EWS	सामान्य (UR)	SC	ST	OBC	EWS
अंग्रेज़ी	2	1	0	2	1	2	1	0	2	1
हिंदी	3	1	1	2	1	3	1	0	2	1
मनोविज्ञान	4	2	1	3	1	5	2	1	3	1
संस्कृत	4	1	1	2	1	4	1	1	2	1
संगीत	2	0	0	2	0	2	1	1	1	0
राजनीति विज्ञान	4	1	1	3	1	4	1	1	3	1
इतिहास	3	1	1	2	1	3	1	0	1	1
कुल	22	7	5	16	6	23	8	4	14	6

महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमों के अनुरूप आरक्षण व्यवस्था का पालन करता है।

सूचना (Disclaimer): * यदि यहाँ दी गई जानकारी में कोई विसंगति पाई जाती है, तो *विश्वविद्यालय सूचना पुस्तिका (पीजी-बीओआई 2026–27)* एवं उसके *शुद्धिपत्रों* में प्रकाशित जानकारी को अंतिम एवं मान्य माना जाएगा।

स्नातकोत्तर प्रवेश प्रभारी 2026-27

विभाग	प्रवेश प्रभारी	ईमेल आईडी
अंग्रेज़ी	डॉ. वायोलिना बोरा	violina@dr.du.ac.in
हिंदी	डॉ. कुसुम लता	kusumlata@dr.du.ac.in
संस्कृत	डॉ. शशी शर्मा	shashisharma@dr.du.ac.in
इतिहास	डॉ. प्रगति बर्मन	pragati@dr.du.ac.in
राजनीति विज्ञान	डॉ. नूपुर त्रिपाठी	nupur@dr.du.ac.in
मनोविज्ञान	डॉ. सुपर्णा जैन ठाकुर	suparnajain@dr.du.ac.in
संगीत	डॉ. सुमिता चक्रवर्ती	sumita@dr.du.ac.in

सह-पाठ्यक्रम गतिविधि (ECA) सीट मैट्रिक्स 2026–27

क्र. सं.	श्रेणी	उप-श्रेणी	प्रस्तावित सीटें
1	डिजिटल मीडिया	4a. फोटोग्राफी	1
2		4c. एनीमेशन	1
3		4b. फिल्म निर्माण	1
4	नृत्य	2a. भारतीय शास्त्रीय	5
5		2b. भारतीय लोक नृत्य	5
6		2d. कोरियोग्राफी	1
7	रचनात्मक लेखन	1a. रचनात्मक लेखन (हिंदी)	1
8		1b. रचनात्मक लेखन (अंग्रेज़ी)	1
9	ललित कला	5a. रेखांकन एवं चित्रकला	2
10	संगीत (गायन)	6a. भारतीय (शास्त्रीय एवं सुगम)	4
11	संगीत (वाद्य – भारतीय)	7a. तबला	1
12		7f. हारमोनियम	1
13	संगीत (वाद्य – पाश्चात्य)	8d. गिटार(लीड)	1
14		8g. कीबोर्ड	1
15	रंगमंच	9. रंगमंच	1
16	एनसीसी	12. एनसीसी	2

खेल प्रवेश 2026–27 हेतु खेल कोटा सीट मैट्रिक्स

क्र. सं.	खेल	सीटों की संख्या
1	बैडमिंटन	4
2	एथलेटिक्स	5
3	फेंसिंग (महिला)	3
4	जिम्नास्टिक	2
5	मुक्केबाज़ी	4
6	हैंडबॉल	3
7	कबड्डी	4
8	खो-खो	4
9	वॉलीबॉल	2

किसी भी विसंगति की स्थिति में, दिल्ली यूनिवर्सिटी के BOI में घोषित सीटें फाइनल होंगी।

स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों की पाठ्यक्रमानुसार शुल्क संरचना

पाठ्यक्रम	वार्षिक शुल्क भारतीय रुपये में					
	UR/OBC/EWS	SC	ST	CW	KM	PwD
बी.ए. (प्रोग्राम) – गणित + अर्थशास्त्र	35,900	35,900	35,900	35,900	35,900	2,850
बी.ए. (प्रोग्राम) – इतिहास + राजनीति विज्ञान	33,400	33,400	33,400	33,400	33,400	2,850
बी.ए. (प्रोग्राम) – कम्युनिटी साइंस + संगीत	34,400	34,400	34,400	34,400	34,400	2,850
बी.ए. (प्रोग्राम) – वाणिज्य + कम्युनिटी साइंस	34,400	34,400	34,400	34,400	34,400	2,850
बी.ए. (प्रोग्राम) – दर्शनशास्त्र + मनोविज्ञान	36,400	36,400	36,400	36,400	36,400	2,850
बी.ए. (प्रोग्राम) – शारीरिक शिक्षा + हिंदी	33,900	33,900	33,900	33,900	33,900	2,850
बी.ए. (प्रोग्राम) – संस्कृत + संगीत	34,400	34,400	34,400	34,400	34,400	2,850
बी.ए. (प्रोग्राम) – इतिहास + अंग्रेज़ी	33,400	33,400	33,400	33,400	33,400	2,850
बी.एससी. (ऑनर्स) जैव रसायन	38,400	38,400	38,400	38,400	38,400	2,850
बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान	38,400	38,400	38,400	38,400	38,400	2,850
बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान	38,400	38,400	38,400	38,400	38,400	2,850
बी.कॉम. (ऑनर्स)	35,900	35,900	35,900	35,900	35,900	2,850
बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	33,400	33,400	33,400	33,400	33,400	2,850
बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी	33,400	33,400	33,400	33,400	33,400	2,850
बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी	33,400	33,400	33,400	33,400	33,400	2,850
बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास	33,400	33,400	33,400	33,400	33,400	2,850
बी.एससी. (ऑनर्स) गणित	35,900	35,900	35,900	35,900	35,900	2,850
बी.ए. (ऑनर्स) संगीत	34,400	34,400	34,400	34,400	34,400	2,850
बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र	33,400	33,400	33,400	33,400	33,400	2,850
बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिक विज्ञान	38,400	38,400	38,400	38,400	38,400	2,850
बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	33,400	33,400	33,400	33,400	33,400	2,850
बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान	36,400	36,400	36,400	36,400	36,400	2,850
बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत	33,400	33,400	33,400	33,400	33,400	2,850
बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी विज्ञान	38,400	38,400	38,400	38,400	38,400	2,850
बी.कॉम. (प्रोग्राम)	35,900	35,900	35,900	35,900	35,900	2,850
बी.एससी. लाइफ साइंसेज़	35,900	35,900	35,900	35,900	35,900	2,850

नियम:

* सामान्य ऐच्छिक (GE) पाठ्यपत्रों के प्रायोगिक (Practical) घटक के आधार पर परीक्षा शुल्क में परिवर्तन हो सकता है।
* विदेशी विद्यार्थियों द्वारा उपरोक्त शुल्क के अतिरिक्त विदेशी छात्र पंजीकरण (फॉरेन स्टूडेंट्स रजिस्ट्री) द्वारा निर्धारित शुल्क भी देय होगा।
* शुल्क भुगतान के संबंध में शारीरिक अक्षमता वाले विद्यार्थियों को दिल्ली विश्वविद्यालय प्रवेश पुस्तिका 2026-27 का संदर्भ लेना चाहिए।
* सावधि निधि (कॉशन मनी) वापसी योग्य है, बशर्ते विद्यार्थी महाविद्यालय छोड़ने वाले वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पूर्व उसका दावा करें।
* सावधि निधि की वापसी आरटीजीएस (RTGS)/एनईएफटी (NEFT) के माध्यम से की जाएगी। इसके लिए विद्यार्थी का किसी भी बैंक में स्वयं का बैंक खाता होना आवश्यक है।
* विश्वविद्यालय/महाविद्यालय को वर्ष के दौरान किसी भी समय शुल्क एवं अन्य प्रभारों में संशोधन करने का अधिकार सुरक्षित है।

शुल्क का भुगतान-

शुल्क भुगतान की सभी रसीदों को सुरक्षित रखा जाना चाहिए। परीक्षा प्रपत्र भरते समय तथा सावधि निधि की वापसी के समय इन रसीदों को प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। महाविद्यालय एवं परीक्षा शुल्क के भुगतान संबंधी सूचना समय-समय पर महाविद्यालय के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित की जाएगी।

पहचान-पत्र (Identity Card)-

प्रत्येक विद्यार्थी को महाविद्यालय द्वारा एक पहचान-पत्र (आई-कार्ड) जारी किया जाता है। विद्यार्थियों के लिए प्रतिदिन इसे अपने साथ रखना अनिवार्य है। अनुशासनहीनता की किसी भी स्थिति में पहचान-पत्र जब्त किया जा सकता है। पहचान-पत्र खो जाने पर विद्यार्थी को तत्काल महाविद्यालय कार्यालय को सूचित करने की सलाह दी जाती है। 500 रुपये शुल्क के भुगतान पर डुप्लीकेट पहचान-पत्र जारी किया जाएगा। विद्यार्थी अपने पते अथवा दूरभाष संख्या में होने वाले किसी भी परिवर्तन की सूचना भी महाविद्यालय को अवश्य दें।

अनुशासन-

विद्यार्थियों पर दिल्ली विश्वविद्यालय कैलेंडर के अध्यादेश XV-B के प्रावधान लागू होंगे तथा वे उसी के अनुसार संचालित होंगे।

दिव्यांगजन (PwBD) हेतु शुल्क रियायत/छूट-

विश्वविद्यालय के संकायों, विभागों, केन्द्रों तथा संस्थानों/महाविद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांगजन विद्यार्थियों को प्रवेश शुल्क, दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ सदस्यता शुल्क तथा पहचान-पत्र शुल्क को छोड़कर परीक्षा शुल्क सहित विश्वविद्यालय के अन्य सभी शुल्कों से छूट प्रदान की जाएगी। (यह प्रावधान विश्वविद्यालय अध्यादेश X(4) में संशोधन के अनुसार लागू है।)

(क) वे दिव्यांगजन (PwBD) अभ्यर्थी जो अनारक्षित (UR) श्रेणी की कट-ऑफ के आधार पर प्रवेश प्राप्त करते हैं तथा अनारक्षित श्रेणी में ही प्रवेश लेते हैं, उनसे दिव्यांगजन (PwBD) विद्यार्थियों के लिए निर्धारित शुल्क ही लिया जाएगा।

(ख) कार्यकारी परिषद के प्रस्ताव संख्या 50, दिनांक 03.11.2012 के अनुसार विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों/हॉल में निवास करने वाले दिव्यांग विद्यार्थियों को वापसी योग्य सावधि निधि एवं मेस शुल्क को छोड़कर सभी छात्रावास शुल्कों से छूट प्राप्त होगी। ऐसे विद्यार्थियों से केवल 50% मेस शुल्क लिया जाएगा तथा शेष 50% मेस शुल्क का वहन दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा। महाविद्यालय के छात्रावास में निवासरत दिव्यांग (PwBD) विद्यार्थियों के लिए भी यही व्यवस्था लागू है।

(ग) जिन दिव्यांग (PwBD) विद्यार्थियों को फेलोशिप अथवा अन्य वित्तीय सहायता प्राप्त हो रही है, उन्हें निर्धारित शर्तों के अधीन शुल्क/प्रभार/मेस शुल्क से छूट प्रदान की जाएगी। महाविद्यालय में प्रवेशित सभी पात्र अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST), अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) तथा दिव्यांग PwBD विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति/फेलोशिप के समयबद्ध निस्तारण हेतु प्रत्येक वर्ष फ़रवरी माह तक अपने छात्रवृत्ति आवेदन-पत्र संबंधित कार्यालय में अनिवार्य रूप से जमा करने होंगे।

फेलोशिप की राशि	शुल्क एवं छात्रावास/मेस रियायत
₹3,000 प्रति माह तक	शुल्क में पूर्ण छूट + मेस शुल्क पर 50% अनुदान
₹3,001 से ₹8,000 प्रति माह तक	शुल्क में पूर्ण छूट, लेकिन मेस शुल्क पर कोई अनुदान नहीं
₹8,001 प्रति माह एवं उससे अधिक	शुल्क में कोई छूट नहीं तथा छात्रावास पर कोई अनुदान नहीं

सम्बद्ध विश्वविद्यालयी अध्यादेश

सफलतापूर्वक प्रवेश प्राप्त करने वाले सभी अभ्यर्थियों के लिए विश्वविद्यालय के अध्यादेशों का पालन करना अनिवार्य होगा। प्रवेश के समय उन्हें इस आशय का एक लिखित घोषणा-पत्र (Undertaking) प्रस्तुत करना होगा कि वे विश्वविद्यालय के सभी अध्यादेशों एवं नियमों का अनुपालन करेंगे। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण अध्यादेशों के चयनित अंश नीचे प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

अध्यादेश XV-B : विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच अनुशासन बनाये रखने के लिए

1. अनुशासन एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही से सम्बन्धित सभी शक्तियाँ उप-कुलपति के पास हैं।

2. उपकुलपति अपनी सभी अथवा जितनी शक्तियाँ वह चाहे, प्रॉक्टर को अथवा अपने द्वारा इस सम्बन्ध में चुने गए ऐसे अन्य व्यक्तियों को दे सकता है।

3. अध्यादेश के अन्तर्गत अनुशासन लागू करने की शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, निम्नलिखित कृत्यों को अनुशासनहीनता के अंतर्गत गिना जाएगा :

i) विश्वविद्यालय के किसी विभाग/संस्था के शिक्षक वर्ग, कर्मचारी वर्ग के सदस्य अथवा विश्वविद्यालय के किसी अन्य छात्रा के विरुद्ध शारीरिक आक्रमण/हाथापाई, शारीरिक बल प्रयोग की धमकी।

ii) किसी भी प्रकार के अस्त्र/शस्त्र को साथ रखना, प्रयोग करना अथवा प्रयोग करने की धमकी देना।

iii) नागरिक अधिकार संरक्षण नियम 1976 के प्रावधनों का किसी भी प्रकार का उल्लंघन।

iv) अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्रों के सम्मान, स्थिति और गरिमा का उल्लंघन ।

v) महिलाओं के प्रति अपमानजनक मौखिक टिप्पणी अथवा अन्य क्रियाएँ।

vi) किसी भी प्रकार की रिश्वत देने अथवा भ्रष्टाचार का प्रयास ।

vii) संस्थागत सम्पति को जान बूझ कर क्षति पहुँचाना ।

viii) धार्मिक अथवा साम्प्रदायिक आधार पर द्वेष अथवा असहिष्णुता फैलाना।

ix) विश्वविद्यालय प्रणाली की शैक्षणिक कार्यवाही में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था फैलाना।

x) अध्यादेश XV-C के अनुसार रैगिंग का निषेध।

4. अनुशासन लागू करने तथा अनुशासन बनाए रखने के उद्देश्य से कार्यवाही करने के सम्बन्ध में अपनी शक्ति की व्यापकता के प्रति पक्षपात किए बिना, उपकुलपति, जैसा उन्हें उचित लगे, अपनी शक्तियों का उपरोक्त क्रम से प्रयोग कर सकते है अथवा निर्देश दे सकते हैं कि छात्र/छात्राओं को-

(i) निष्कासित कर दिया जाए; अथवा

(ii) एक निश्चित अवधि के लिए बेदखल; अथवा

(iii) विश्वविद्यालय के किसी महाविद्यालय, विभाग, संस्था अथवा किसी पाठ्यक्रम में निश्चित अवधि तक प्रवेश न दिया जाए अथवा

(iv) निश्चित किए राशि के साथ जुर्माना लगाया जा सकता है; अथवा

(v) एक या अधिक वर्षों के लिए उस छात्र/छात्रा को विश्वविद्यालयी अथवा महाविद्यालयी अथवा विभागीय परीक्षा अथवा परीक्षाओं में उपस्थित होने अथवा जिन परीक्षाओं में वह उपस्थित हुए है, उनके परीक्षा परिणाम को रद्द करना।

5. संस्थाएँ, केन्द्र अथवा सम्बन्धित विभागों के शिक्षक अपने अधिकार का प्रयोग कर सकते है अथवा अपने महाविद्यालय, संस्थाओं अथवा विभागों में उस उद्देश्य के लिए अपनी अधिकारिता अपने विभाग के शिक्षकों को दे सकते हैं।

6. उपरोक्त प्रकार से उपकुलपति तथा प्रॉक्टर की शक्तियों के प्रति पक्षपात किये बिना अनुशासन एवं उचित आचरण सम्बन्धी विस्तृत नियम बनाए जाएँगे। ये नियम यदि आवश्यक हो, इस विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों के प्राचार्यों, केन्द्रों के प्रमुखों, संकायों के अधिष्ठाताओं, शिक्षण विभागों के प्रमुखों द्वारा पूरित किये जाएँगे। प्रत्येक छात्र/छात्रा स्वयं इन नियमों की एक प्रति प्राप्त करे। प्रवेश के समय पर प्रत्येक छात्रा एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करेगा कि वह प्रवेश के समय पर स्वयं को विश्वविद्यालय के उपकुलपति और अन्य अनेक अधिकारियों, जिन्हें नियमों अधिनियमों, अध्यादेशों तथा विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों के अन्तर्गत अनुशासन लागू करने का अधिकार प्राप्त है, के अनुशासनात्मक निर्णय क्षेत्रों में सौंपता है।

अध्यादेश XV-C : रैगिंग निषेध तथा दण्ड

1. दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालय/विभाग अथवा संस्था अथवा किसी भी भाग में तथा साथ ही सार्वजनिक यातायात व्यवस्था में किसी भी रुप में रैगिंग किया जाना निषिद्ध है।

2. रैगिंग करने वाला अथवा सामूहिक रुप से रैगिंग में शामिल होने वाला कोई भी व्यक्ति अति अनुशासनहीनता का दोषी होगा और उसे इस अध्यादेश के अन्तर्गत दण्डित किया जाएगा।

3. इस अध्यादेश के लिए रैगिंग का सामान्य अर्थ है कोई भी ऐसा कार्य, आचरण या व्यवहार, जिसके द्वारा नए प्रविष्ट अथवा कनिष्ठ अथवा कमजोर छात्रों को वरिष्ठ अथवा अन्य छात्रों की अधिकारपूर्ण शक्ति या स्तर का सामना करना पड़े, तथा इसमें वे व्यक्तिगत अथवा सामूहिक कार्य अथवा आचरण शामिल है, जिसमें

i) शारीरिक आक्रमण अथवा शारीरिक शक्ति का प्रयोग करने की धमकी शामिल हो।

ii) महिला छात्राओं के स्तर, प्रतिष्ठा और सम्मान का उल्लंघन होता है।

iii) अनुसूचित जाति और जनजातियों के छात्रों के स्तर, प्रतिष्ठा और सम्मान का उल्लंघन होता हो।

iv) छात्रों को अपमान एवं घृणा का सामना करना पड़े और उनके आत्मसम्मान की हानि हो,

v) मौखिक अपशब्द, क्रोध, अशिष्ट संकेत तथा अश्लील व्यवहार शामिल हो।

4. रैगिंग की घटना की सूचना मिलने पर महाविद्यालय प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, अथवा संस्थाध्यक्ष, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय छात्रावास अथवा छात्रावास केन्द्रों का प्रशासन तुरन्त कार्यवाही करेगा।

5. उपरोक्त अनुच्छेद (4) के अतिरिक्त, प्रॉक्टर सूमोटो आधर पर रैगिंग की किसी भी घटना में जाँच कर सकता है और घटना में शामिल व्यक्तियों की पहचान और घटना की प्रकृति की सूचना उपकुलपति को दे सकता है।

6. प्रॉक्टर रैगिंग को अंजाम देने वाले दोषियों की पहचान तथा रैगिंग की घटना की प्रकृति को स्थापित करते हुए एक अन्तरिम सूचना भी जमा कर सकता हैं।

7. यदि किसी महाविद्यालय के प्राचार्य या विभाग अथवा संस्था के अध्यक्ष किसी कारणवश सन्तुष्ट हो अथवा प्रॉक्टर को विश्वास हो, जो कि लिखित रूप में दिया जाएगा, किसी ऐसी किसी जाँच को करना अव्यवहारिक है, तो वह उपकुलपति को परामर्श दे सकता है।

8. यदि उपकुलपति को संतोष हो जाए कि ऐसी जाँच आवश्यक नहीं है, तो उनका निर्णय अन्तिम होगा।

9. अनुच्छेद (5) अथवा (6) के अन्तर्गत अथवा अनुच्छेद (7) के अंतर्गत संबंधित अधिकारी द्वारा निश्चित किए जाने पर यदि अनुच्छेद 3 (अ), (ब) और (स) में वर्णित प्रकार की रैगिंग पायी जाती है, तो उपकुलपति छात्रा/छात्रों को निर्धारित वर्षों के लिए निलम्बित कर सकता है।

10. रैगिंग की अन्य स्थितियों में उपकुलपति छात्रा/छात्रों के निष्कासन, निश्चित अवधि के लिए किसी महाविद्यालय के किसी पाठ्यक्रम में प्रवेश से रोक, एक या अधिक के वर्षों लिए किसी महाविद्यालय के किसी पाठ्यक्रम में प्रवेश से रोक, एक या अधिक वर्षों के लिए विभागीय परीक्षा के उपस्थित होन से रोक, परीक्षा, जिसमें वह उपस्थित हुए हैं, उसके परीक्षा परिणाम पर रोक का आदेश अथवा निर्देश दे सकता है।

11. यदि वे छात्र, जिन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय में डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त किया है, दोषी पाए जाते हैं, तो इस अध्यादेश के अनुसार अधिनियम 15 के अन्तर्गत विश्वविद्यालय द्वारा उनकी डिग्री/डिप्लोमा को वापिस लेने से संबंधित उपयुक्त कार्यवाही की जाएगी।

12. इस अध्यादेश के उद्देश्य से रैगिंग को उकसाने वाला कोई भी कार्य, व्यवहार अथवा प्रोत्साहन रैंगिंग के समान ही माना जाएगा।

13. दिल्ली विश्वविद्यालय व्यवस्था के अधीन सभी संस्थाएँ इस अध्यादेश के अन्तर्गत वर्णित आदेशों/ निर्देशों के लागू करने और इस अध्यादेश के प्रभावशाली रुप से लागू किये जाने से उपकुलपति को सहायता देने के लिए बाध्य हैं।

14. यूजीसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक वर्ष 12 अगस्त को रैगिंग-रोधी दिवस (Anti-Ragging Day) मनाया जाएगा तथा इसके उपरांत 12 अगस्त से 18 अगस्त तक रैगिंग-रोधी सप्ताह (Anti-Ragging Week) आयोजित किया जाएगा।

15. मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा रैगिंग की प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से 24×7 टोल-फ्री एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन 1800-180-5522 तथा ई-मेल सुविधा -helplines@antiragging.in प्रारंभ की गई है।

16.रैगिंग से संबंधित किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए दिल्ली पुलिस तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से संचालित एक संयुक्त नियंत्रण कक्ष (Joint Control Room), कक्ष संख्या 13, प्रथम तल, प्रॉक्टर कार्यालय, कॉन्फ्रेंस सेंटर, वनस्पति विज्ञान विभाग के सामने, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली–110007 में कार्यरत रहेगा। उत्तर परिसर स्थित संयुक्त नियंत्रण कक्ष का दूरभाष क्रमांक 27667221 तथा दक्षिण परिसर का दूरभाष क्रमांक 24119832 है।

17. छात्र-छात्राएँ रैगिंग की किसी भी घटना की सूचना देने के लिए एंटी-रैगिंग ऐप(Anti Ragging App) तथा हिम्मत ऐप (Himmat App) डाउनलोड कर सकते हैं। एंटी -रैगिंग ऐप को यूजीसी द्वारा तथा हिम्मत ऐप को दिल्ली पुलिस द्वारा विकसित किया गया है।

अध्यादेश XV-C के संदर्भ में उप-कुलपति का आदेश: किसी भी अधिकारी द्वारा उपकुलपति को रैगिंग की घटना / घटनाओं की सूचना प्राप्त होने पर इस अध्यादेश के अन्तर्गत क्रमानुसार एक निर्धारित अवधि के लिए दोषी छात्र / छात्रों को निष्कासित कर दिया जाएगा। सूचना में शामिल दोषी जो छात्र नहीं हैं, उन पर भारत की आपराधिक विधि के अन्तर्गत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय की किसी भी संस्था में अगले पाँच वर्षों तक प्रवेश के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। जिन छात्रों को इस आधार पर दण्डित किया जाएगा, उन्हें प्राकृतिक निर्णय के नियमों का सख्ती से पालन करते हुए, निर्णय पश्चात् सुनवाई का अवसर दिया जाएगा।

अध्यादेश XV-D : कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन शोषण (सुरक्षा, प्रतिरोध तथा समाधान) अधिनियम, 2013 (विधि एवं न्याय मंत्रालय)

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन शोषण के विरुद्ध सुरक्षा तथा यौन शोषण तथा इससे सम्बन्धित घटनाओं से संरक्षण तथा शिकायतों के समाधान हेतु अधिनियम।

जहाँ यौन शोषण महिलाओं के भारतीय संविधान के अधिनियमों 14 और 15 में वर्णित समानता में मूलाधिकार तथा संविधान के अधिनियम 21 में वर्णित अपने जीवन को जीने तथा सम्मान से जीने और किसी भी कार्य अथवा व्यवसाय अथवा व्यापार को करने के आधार, जिसमें यौन शोषण से मुक्त एक सुरक्षित वातावरण का अधिकार शामिल है, का उल्लंघन है;

और जैसा कि यौन शोषण के विरुद्ध सुरक्षा और सम्मानपूर्वक कार्य करने का अधिकार सार्वभौमिक रुप से अन्तर्राष्ट्रीय संविदा और इन्स्ट्रूमेन्ट्स, जैसे महिलाओं से सभी प्रकार के भेदभाव को दूर करने से सम्बन्धित संविदा जो 25 जून 1993 को भारतीय सरकार द्वारा अंगीकृत किया गया, के द्वारा स्वीकार किये गए हैं;

और जैसा कि कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन शोषण के विरुद्ध सुरक्षा के लिए कन्वेन्शन को प्रभावी करने के लिए प्रावधन बनाना अनिवार्य है।

आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी)

दौलत राम महाविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति भारत सरकार द्वारा राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षण संस्थानों में महिला कर्मचारियों एवं छात्राओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) विनियम, 2015 अधिसूचित किए गए हैं, जिनका पालन विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों के लिए अनिवार्य है।

भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा “कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न संबंधी पुस्तिका (Handbook on Sexual Harassment of Women at Workplace)” भी प्रकाशित की गई है। इस पुस्तिका में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की अवधारणा, उसकी रोकथाम, प्रतिषेध एवं प्रतितोष (निवारण), साथ ही इस संबंध में अपनाए जाने वाले वैश्विक मानदंडों (ग्लोबल नॉर्म्स) और सर्वोत्तम प्रथाओं (गुड प्रैक्टिसेज़) का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्र संख्या F.91/9/2015 (GS/MHRD) दिनांक 5 जुलाई, 2016 के अनुपालन में महाविद्यालय द्वारा उपर्युक्त विनियमों के अंतर्गत लिखित आदेश जारी कर आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) का गठन किया गया है।

आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) के सदस्य

1. **प्रो. वी. सुजाता राजू – संयोजक**
2. **प्रो. दर्शन**
3. **डॉ. देवेंद्र कुमार**
4. **श्री अतुल भास्कर (लेखा अनुभाग)**
5. **श्रीमती बबीता टिर्के (वरिष्ठ सहायक)**

स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा (यूजीसीएफ–2022)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के अंतर्निहित सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए, दिल्ली विश्वविद्यालय ने स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा–2022 (यूजीसीएफ–2022) तैयार की है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों में अनुसंधान (रिसर्च), नवाचार(इनोवेशन), शिक्षुता(अप्रेंटिसशिप), सामाजिक सहभागिता (सोशल आउटरीच), उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप) तथा ज्ञान एवं सृजनात्मकता (नॉलेज एंड क्रिएटिविटी) के अन्य विविध क्षेत्रों में अध्ययन एवं विकास के व्यापक अवसर प्रदान करना है।

प्रत्येक विषय में अध्ययन के पाँच प्रकार के पाठ्यक्रम निर्धारित किए गए हैं, जिनमें अनुशासन विशिष्ट मूल पाठ्यक्रम (डिसिप्लिन स्पेसिफिक कोर कोर्सेज़ – डीएससीज़), अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम (डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव्स – डीएसईज़), सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (जेनेरिक इलेक्टिव्स – जीईज़), कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल एन्हांसमेंट कोर्सेज़ – एसईसी) तथा मूल्य योजन पाठ्यक्रम (वैल्यू एडिशन कोर्सेज़ – वीएसी) सम्मिलित हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप इनमें बहु-निकास (Multiple Exit) के प्रावधान भी उपलब्ध हैं।

डिसिप्लिन स्पेसिफिक कोर (DSC) प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अनिवार्य है। एक विषय में विशिष्ट ऑनर्स डिग्री (single discipline specific Honours degree) प्राप्त करने के लिए उसी विषय के डीएससी पाठ्यक्रम उसके मुख्य (कोर) पाठ्यक्रम होंगे। बहुविषयी अध्ययन क्षेत्र (Field of Multidisciplinary Courses of Study) में ऑनर्स उपाधि प्राप्त करने के लिए डीएससी में एक से अधिक विषयों के मुख्य क्रेडिट पाठ्यक्रम सम्मिलित होंगे। ऐसे ऑनर्स उपाधि कार्यक्रमों के चतुर्थ वर्ष में विद्यार्थी केवल एक विषय का अध्ययन करेंगे। अतः सातवें एवं आठवें सेमेस्टर के डीएससी पाठ्यक्रम केवल एक ही विषय से संबंधित होंगे; वे पूर्ववर्ती तीन विषयों के संयोजन पर आधारित नहीं होंगे। इस संबंध में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 (NEP 2020) पर आधारित स्नातक पाठ्यचर्या रूपरेखा–2022 (UGCF 2022) की तालिका–6 में दिए गए दृष्टांत–I (Illustration–I) का अवलोकन करें।

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (GE) विभिन्न विषयों द्वारा प्रस्तुत ऐसे पाठ्यक्रमों का समूह है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को बहुविषयी एवं अंतर्विषयी शिक्षा उपलब्ध कराना है। ये पाठ्यक्रम विषम एवं सम सेमेस्टरों में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित किए जाते हैं, जिनमें से विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार चयन कर सकते हैं। मुख्य विभाग (Parent discipline) विषय द्वारा संचालित जीई पाठ्यक्रमों को छोड़कर अन्य विषयों के जीई पाठ्यक्रमों में से चयन किया जाएगा। यदि कोई विद्यार्थी अपने विषय-विशिष्ट अध्ययन से परे किसी अन्य विषय के विषय-विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम (डीएसई) का चयन करता है, तो वह उसके लिए सामान्य ऐच्छिक (जीई) के रूप में मान्य होगा।

क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स-AEC), कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल एन्हांसमेंट कोर्सेज़ – SEC) तथा मूल्य योजन पाठ्यक्रम (वैल्यू एडिशन कोर्सेज़ – VAC) विभिन्न विभागों द्वारा विषम एवं सम सेमेस्टरों में संचालित पाठ्यक्रमों का समूह हैं, जिनमें से विद्यार्थी अपनी रुचि एवं आवश्यकता के अनुसार चयन कर सकते हैं। जो विद्यार्थी शैक्षणिक परियोजना (Academic Project) अथवा उद्यमिता (Entrepreneurship) को माइनर के रूप में चुनना चाहते हैं, उन्हें जीई, एसईसी, वीएसी तथा इंटर्नशिप/शिक्षुता/परियोजना/सामुदायिकसहभागिता(Internship/Apprenticeship/Project/Community – IAPC) के उपयुक्त संयोजन का चयन करना होगा। ये विभिन्न मॉड्यूल के रूप में अध्ययन योजना (Scheme of Studies) के अनुसार उपलब्ध कराए जाते हैं।

किसी एक विशिष्ट विषय (कोर पाठ्यक्रम) में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम का अध्ययन करने वाले विद्यार्थी को आठवें सेमेस्टर की सफलतापूर्वक पूर्णता पर संबंधित विषय में मेजर सहित ऑनर्स उपाधि प्रदान की जाएगी, बशर्ते उसने उस विषय में कुल 176 क्रेडिट में से न्यूनतम 88 क्रेडिट (अर्थात् कुल क्रेडिट का कम-से-कम 50 प्रतिशत) अर्जित किए हों। इसके लिए विद्यार्थी को आठों सेमेस्टरों में 20 विषय-विशिष्ट मुख्य पाठ्यक्रम (डीएससी) तथा न्यूनतम 2 विषय-विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम (डीएसई) का अध्ययन करना होगा। यदि कोई विद्यार्थी किसी अन्य विषय में सामान्य ऐच्छिक (जीई) के अंतर्गत सात पाठ्यक्रमों से न्यूनतम 28 क्रेडिट अर्जित करता है, तो आठवें सेमेस्टर की सफलतापूर्वक पूर्णता पर उसे उस विषय को माइनर माना जाएगा। उदाहरणार्थ, यदि बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास का विद्यार्थी उपलब्ध दस सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रमों में से राजनीति विज्ञान के सात सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रमों का चयन करता है तथा शोध-प्रबंध (Dissertation) पूर्ण करता है, तो आठवें सेमेस्टर की सफलतापूर्वक पूर्णता पर उसे इतिहास में मेजर तथा राजनीति विज्ञान में माइनर की उपाधि प्रदान की जाएगी।

जो विद्यार्थी एक से अधिक विषयों को कोर पाठ्यक्रम के रूप में लेकर चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (जैसे— बी.ए. सोशल साइंसेज़/ह्यूमैनिटीज़, बी.एससी. लाइफ साइंसेज़, बी.एससी. फिजिकल साइंसेज़, बी.एससी. मैथमेटिकल साइंसेज़, बी.कॉम. तथा ऐसे अन्य प्रोग्राम) का अध्ययन करते हैं, उन्हें आठवें सेमेस्टर की सफलतापूर्वक पूर्णता पर संबंधित विषय में मेजर सहित ऑनर्स(Honours degree with Major in a Discipline उपाधि प्रदान की जाएगी, यदि उन्होंने उस विषय में कुल 176 क्रेडिट में से न्यूनतम 80 क्रेडिट अर्जित किए हों। ऐसे विद्यार्थी प्रथम छह सेमेस्टरों में संबंधित विषय के 6 विषय- अनुशासन विशिष्ट मूल (डीएससी) तथा न्यूनतम 3

अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) का अध्ययन करेंगे। सातवें एवं आठवें सेमेस्टर में वे उसी विषय के 2 डीएससी, 6 डीएसई का अध्ययन करेंगे तथा शोध-प्रबंध (Dissertation) प्रस्तुत करेंगे। यदि विद्यार्थी किसी अन्य विषय में 6 डीएससी एवं 1 डीएसई के माध्यम से न्यूनतम 28 क्रेडिट अर्जित करता है, तो आठवें सेमेस्टर की सफलतापूर्वक पूर्णता पर उसे उस विषय में माइनर प्रदान किया जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक विज्ञान/मानविकी का विद्यार्थी इतिहास विषय में न्यूनतम 80 क्रेडिट अर्जित कर इतिहास में मेजर प्राप्त करता है तथा छठे सेमेस्टर तक हिंदी विषय के 6 डीएससी एवं 1 डीएसई के माध्यम से 28 क्रेडिट अर्जित करता है, तो आठवें सेमेस्टर की सफलतापूर्वक पूर्णता पर उसे इतिहास में मेजर तथा हिंदी में माइनर प्रदान की जाएगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय की स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा (यूजीसीएफ–2022) का विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है: https://centenary.du.ac.in/?Documents-Documentaries/UGCF-2022-NEP-2020

TABLE – 3

Bachelor of (Field of Study/ Discipline) (Hons.)

Semester	Core (DSC)	Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	Internship/ Apprentice-ship/Project/ Community outreach (2)	Value addition course (VAC)	Total Credits
I	DSC - 1(4) DSC - 2(4) DSC - 3(4)		Choose one from a pool of courses GE-1 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits
II	DSC - 4(4) DSC - 5(4) DSC - 6(4)		Choose one from a pool of courses GE-2 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits
	Students on exit shall be awarded Undergraduate Certificate (in the Field of Study/ Discipline) after securing the requisite 44 credits in Semesters I and II							Total = 44
III	DSC - 7(4) DSC - 8(4) DSC -9 (4)	Choose one from pool of courses, DSE – 1 (4) OR Choose one from pool of courses, GE -3 (4)**		Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/Community Outreach (IAPC) (2)*		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits
IV	DSC - 10(4) DSC - 11(4) DSC – 12(4)	Choose one from pool of courses, DSE – 2 (4) OR in the alternative choose one from pool of courses GE - 4 (4)**		Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one SEC OR 'Internship/Apprenticeship/ Project/community outreach (IAPC) (2)*		Choose one from a pool of courses (2)	22 Credits
	Students on exit shall be awarded Undergraduate Diploma (in the Field of Study/ Discipline) after securing the requisite 88 credits on completion of Semester IV							Total = 88
V	DSC - 13(4) DSC – 14(4) DSC- 15(4)	Choose one from a pool of courses DSE - 3 (4)	Choose one from a pool of courses GE-5 (4)		Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/Community Outreach (IAPC) (2)***			22 credits
VI	DSC - 16(4) DSC -17 (4) DSC -18 (4)	Choose one from a pool of courses DSE – 4 (4)	Choose one from a pool of courses GE-6 (4)^		Choose one SEC OR 'Internship/Apprenticeship/ Project/Research/Community Outreach (2)***			22 credits
	Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Study/Discipline) Honours (3 years) after securing the requisite 132 credits on completion of Semester VI							Total = 132
VII	DSC-19 (4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two DSE- (2x4) and one GE (4)^ course OR Choose one DSE (4) and two GE (2x4) courses (total = 12)#					Dissertation on Major (6) OR Dissertation on Minor (6) OR Academic project/ Entrepreneurship (6)	22 credits
VIII	DSC -20 (4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two DSE- (2x4) and one GE (4) course OR Choose one DSE (4) and two GE (2x4) courses (total = 12)#					Dissertation on Major (6) OR Dissertation on Minor (6) OR Academic project/ Entrepreneurship (6)	22 credits
	Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Study/Discipline) (Honours with Research/Academic Projects/Entrepreneurship) or Honours with Research in Discipline-1 (Major) with Discipline-2 (Minor) after securing the requisite 176 credits on completion of Semester VIII							Total = 176

TABLE -6

Illustration - 1: Sample UGCF for Multidisciplinary Courses of Study @#

Semester	Core (DSC)	Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	Internship/ Apprenticeship/Project (2)	Value addition course (VAC)	Total Credits
I	Discipline A1- (4) Discipline B1- (4) Discipline C1- (4)		Choose one from a pool of courses GE-1 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits
II	Discipline A 2 (4) Discipline B 2 (4) Discipline C 2 (4)		Choose one from a pool of courses GE-2 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits
	Students on exit shall be awarded Undergraduate Certificate (in the Field of Multidisciplinary Study) after securing the requisite 44 credits in Semesters I and II							Total = 44
III	Discipline A 3 (4) Discipline B 3 (4) Discipline C 3 (4)	Choose from pool of courses, DSE A/B/C (4) OR Choose from pool of courses, GE -3 (4)		Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/community Outreach (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits
IV	Discipline A 4 (4) Discipline B 4 (4) Discipline C 4 (4)	Choose from pool of courses, DSE A/B/C (4) OR in the alternative GE - 4 (4)		Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one SEC OR 'Internship/Apprenticeship/ Project/community outreach (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 Credits
	Students on exit shall be awarded Undergraduate Diploma (in the Field of Multidisciplinary Study) after securing the requisite 88 credits on completion of Semester IV							Total = 88
V	Discipline A 5 (4) Discipline B 5 (4) Discipline C 5 (4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C - (4)	Choose one from a pool of courses GE-5 (4)		Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/Community outreach (2)			22 credits
VI	Discipline A 6 (4) Discipline B 6 (4) Discipline C 6 (4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C – (4)	Choose one from a pool of courses GE-6 (4)		Choose one SEC OR 'Internship/Apprenticeship/ Project/Research/Community Outreach (2)			22 credits
	Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary Study) after securing the requisite 132 credits on completion of Semester VI							Total= 132
VII	DSC-(4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two DSE- (2x4) and one GE (4) course OR Choose one DSE (4) and two GE (2x4) courses (total = 12)					Dissertation on Major (4+2) OR Dissertation on Minor (4+2) OR Academic project/ Entrepreneurship (4+2)	22 credits
VIII	D SC - (4)	Choose three DSE(3x4) courses OR Choose two D SE-(2x4) one GE (4) course OR Choose one DSE (4) and two GE (2x4) courses (total = 12)		Course (AEC)	Course (SEC)	ship/Project (2)	Dissertation on Major (4+2) OR Dissertation on Minor (4+2) OR Academic project/ Entrepreneurship (4+2)	22 credits
	Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary Study) (Honours or Honours with Academic Projects/Entrepreneurship) after securing the requisite 176 credits on completion of Semester VIII							Total = 176

@# The framework is based on the Common UGCF provided in Table-3 and is relevant for those programmes where more than one discipline is preferred as core courses, such as Bachelor in Life Sciences, Physical Sciences, and any other such multidisciplinary fields of study.

TABLE -7

Illustration - 2: Sample UGCF for Courses of Study with more than Core Discipline

Semester	Core (DSC)	Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement (AEC)	Skill Enhancement (SEC)	IAPC	Value Addition course (VAC)	Total Credits
I	DSC - 1 (A/B) Discipline - A1 Discipline- B1 (4)		Choose one from a pool of GE Languages Language -1* GE-1 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	
II	DSC -2 (A/B) Discipline -A2 Discipline- B2 (4)		Choose one from a pool of GE Languages Language-2* GE -2 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits
Students on exit shall be awarded Undergraduate Certificate (in the Field of Multidisciplinary Study) after securing the requisite 44 credits in Semesters I and II								Total = 44
III	DSC-3 (A/B) Discipline - A3 Discipline - B3 (4)		Choose one from pool of GE Languages, Language-3* GE - 3 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/Community Outreach (IAPC) (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits
IV	DSC – 4 (A/B) Discipline - A4 Discipline - B4 (4)		Choose one from pool of GE Languages, Language-4* GE - 4 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/community outreach (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 Credits
Students on exit shall be awarded Undergraduate Diploma (in the Field of Multidisciplinary Study) after securing the requisite 88 creditss on completion of Semester IV								Total = 88
V	DSC – 5 (A/B) Discipline – A5 Discipline – B5 (4)	Choose one from a pool of courses DSE-1 (A/B) (4)	Choose one from a pool of courses GE-5 (4)		Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/Research/Community Outreach (2)			22 credits
VI	DSC – 6 (A/B) Discipline – A6 Discipline – B6 (4)	Choose one from a pool of courses DSE-2 (A/B) (4)	Choose one from a pool of courses GE-6 (4)		Choose one SEC OR ' Internship/Apprenticeship/ Project/Research/Community Outreach (2)			22 credits
Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary Study) after securing the requisite 132 credits on completion of Semester VI								Total=132
VII	DSC-13 (4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two DSE- (2x4) and one GE course OR Choose one DSE (4) and two GE (2x4) courses (total = 12)					Dissertation on Major OR Dissertation on Minor OR Academic project/ Entrepreneurship (6)	22 credits
VIII	DSC -14 (4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two DSE- (2x4) and one GE course OR Choose one DSE (4) and two GE (2x4) courses (total = 12)					Dissertation on Major OR Dissertation on Minor OR Academic project/ Entrepreneurship (6)	22 credits
Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary Study) (Honours or Honours with Academic Project/Entrepreneurship) after securing the requisite 176 credits on completion of Semester VIII								Total= 176

* Languages 1, 2, 3 & 4 offered in semesters I, II, III & IV respectively are courses of two different Languages (one of which shall be an Indian Language) to be chosen from a pool of Languages offered as GE. A student shall study two courses of each language.

DSC-1 to DSC-6 shall be core courses of either Discipline A or B.

If a student wishes to Major in Discipline A, then he/she should earn at least 80 credits from DSCs and DSEs of Discipline A. If the sum total of the DSCs and DSEs of Discipline A is less than 80 credits, then the credits earned in the dissertation written on a topic of Discipline A shall also be taken into consideration to complete the requisite 80 credits.

नोट: सेमेस्टर VII एवं सेमेस्टर VIII (यूजीसीएफ) में किए गए परिवर्तनों के संबंध में विश्वविद्यालय द्वारा जारी नवीनतम अधिसूचना देखने हेतु इस लिंक पर क्लिक करें-

https://drive.google.com/file/d/1HTbT9OMI7hxehKIJ2HYO92fB0x87MD3-/view

सामान्य ऐच्छिक(GE), कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम(SEC), मूल्य योजन पाठ्यक्रम(VAC) तथा क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम(AEC) के समन्वयक - वर्ष 2026–27

ऐच्छिक पाठ्यक्रम समन्वयक (सेमेस्टर I एवं II)				
क्र. सं.	**नाम**	**विभाग**	**पाठ्यक्रम**	**ई-मेल आईडी**
1	डॉ. दीपक कुमार	रसायन विज्ञान	GE	deepakkumar@dr.du.ac.in
2	डॉ. गिरा सिंह	वाणिज्य	VAC	girasingh@dr.du.ac.in
3(i)	डॉ. दिव्या माथुर	रसायन विज्ञान	SEC	divyamathur@dr.du.ac.in
3(ii)	सुश्री रेनु वर्मा	वाणिज्य	SEC	renuverma@dr.du.ac.in
4	श्री रविन्दर कुमार	वाणिज्य	AEC	ravinder@dr.du.ac.in
5	डॉ. हेमेन्द्र कुमार तिवारी	रसायन विज्ञान	EVS	hemandratiwari@dr.du.ac.in
6	सुश्री हरिथा पी.	अंग्रेज़ी	GE (भाषा)	haritha@dr.du.ac.in
ऐच्छिक पाठ्यक्रम समन्वय समिति (सेमेस्टर III एवं IV)				
1	श्री सुरजीत कुमार	वाणिज्य	GE	surjit@dr.du.ac.in
2	डॉ. गिरा सिंह	वाणिज्य	VAC	girasingh@dr.du.ac.in
3(i)	डॉ. दिव्या माथुर	रसायन विज्ञान	SEC	divyamathur@dr.du.ac.in
3(ii)	सुश्री रेनु वर्मा	वाणिज्य	SEC	renuverma@dr.du.ac.in
4	श्री रविन्दर कुमार	वाणिज्य	AEC	ravinder@dr.du.ac.in
5	डॉ. हेमेन्द्र कुमार तिवारी	रसायन विज्ञान	EVS	hemandratiwari@dr.du.ac.in
6	सुश्री हरिथा पी.	अंग्रेज़ी	GE (भाषा)	haritha@dr.du.ac.in
ऐच्छिक पाठ्यक्रम समन्वय समिति (सेमेस्टर V एवं VI)				
1	डॉ. आराधना यादव	वनस्पति विज्ञान	GE	aradhana@dr.du.ac.in
2(i)	डॉ. दिव्या माथुर	रसायन विज्ञान	SEC	divyamathur@dr.du.ac.in
2(ii)	सुश्री रेनु वर्मा	वाणिज्य	SEC	renuverma@dr.du.ac.in
3	सुश्री आकृति सैनी	अर्थशास्त्र	DSE	aakritisaini@dr.du.ac.in
चतुर्थ वर्ष हेतु DSE समन्वयक				
1	सुश्री आकृति सैनी	अर्थशास्त्र	DSE	aakritisaini@dr.du.ac.in
क्लस्टर समिति				
1	डॉ. शिवानी अग्रवाल (संयोजक)	भौतिकी	क्लस्टर	shivaniagarwal@dr.du.ac.in
2	डॉ. आस्था चौहान	गणित	क्लस्टर	asthachauhan@dr.du.ac.in

स्मार्टप्रोफ डीआरसी (ERP):

महाविद्यालय ने छात्राओं की शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का अभिलेख सुरक्षित रखने के लिए "स्मार्टप्रोफ डीआरसी (SmartProf DRC)" नामक एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया है। प्रत्येक छात्रा को इस पोर्टल तक पहुँच के लिए एक विशिष्ट लॉग-इन आईडी प्रदान की जाएगी। इस पोर्टल का उपयोग प्रत्येक सेमेस्टर में AEC, GE, VAC तथा SEC वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के चयन हेतु किया जाता है। इसके अतिरिक्त, छात्राएँ इस पोर्टल पर अपनी समय-सारिणी (Time Table), आंतरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) के अंक तथा अध्ययन सामग्री (Study Material) भी देख सकेंगी। यह पोर्टल स्नातक अध्ययन के दौरान प्रत्येक छात्रा की शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रमीय प्रगति का समग्र विवरण उपलब्ध कराता है। छात्राओं के लिए आवश्यक है कि वे प्रत्येक सेमेस्टर की अंकतालिकाएँ, शुल्क रसीदें, विभिन्न गतिविधियों में प्राप्त प्रमाण-पत्र तथा अपनी शैक्षणिक एवं अन्य उपलब्धियों से संबंधित विवरण समय-समय पर इस पोर्टल पर अद्यतन (Update) करती रहें।

शैक्षणिक सत्र 2025–2026 के दौरान प्रदान की गई छात्रवृत्तियाँ एवं शुल्क-रियायतें

क्र.सं.	छात्रवृत्तिध्योजना का नाम	कुल राशि (₹)	छात्राओं की संख्या
1	आर्मी वार्ड वेलफेयर छात्रवृत्ति	61,150	3
2	AWES छात्रवृत्ति	7,000	1
3	बिहार CCS	1,61,550	6
4	बिहार सरकार छात्रवृत्ति	40,000	2
5	BSF छात्रवृत्ति	25,000	2
6	BSP (SAIL) छात्रवृत्ति	18,000	1
7	CAPF केंद्रीय शिक्षा निधि से वित्तीय सहायता	29,100	1
8	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति	5,85,000	39
9	चेन्नई छात्रवृत्ति	10,000	1
10	छात्रवृत्ति योजना	15,000	1
11	CRPF छात्रवृत्ति	49,000	3
12	दिल्ली पुलिस छात्रवृत्ति	2,42,350	14
13	दिल्ली विश्वविद्यालय वित्तीय सहायता योजना	2,55,000	17
14	DSBFC	18,549	1
15	ई–डिस्ट्रिक्ट छात्रवृत्ति	10,000	1
16	ई–ग्रांट्ज	8,000	1
17	ई–कल्याण	1,00,000	5
18	EWS छात्रवृत्ति	1,02,600	4
19	भूतपूर्व सैनिक जिला सैनिक कल्याण छात्रवृत्ति	10,000	1
20	शुल्क रियायत (Fee Concession)	10,89,470	226
21	सरकारी सेवा (दिल्ली जल बोर्ड)	20,000	1
22	हरियाणा पुलिस छात्रवृत्ति	34,600	1
23	भारतीय नौसेना छात्रवृत्ति	20,000	1
24	भारतीय रेल छात्रवृत्ति	18,000	1
25	INSPIRE छात्रवृत्ति	10,80,000	18
26	झारखंड पुलिस छात्रवृत्ति	22,000	2
27	श्रमिक कार्ड योजना	1,32,000	10
28	लाड़ली लक्ष्मी योजना	75,000	3
29	LIC छात्रवृत्ति	1,60,000	8
30	मध्य प्रदेश छात्रवृत्ति	1,00,000	4
31	मध्य प्रदेश श्रम कल्याण मंडल छात्रवृत्ति	12,000	1
32	मनोहर मेरिट–कम–मीन्स छात्रवृत्ति	50,000	1
33	मुस्लिम एजुकेशन फाउंडेशन छात्रवृत्ति	32,100	1
34	NCL छात्रवृत्ति	13,560	1
35	NDMC निधि योजना	15,000	1
36	NSP – कॉलेज एवं विश्वविद्यालय विद्यार्थियों हेतु केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना	11,04,000	90
37	NSP – मणिपुर के अनुसूचित जाति विद्यार्थियों हेतु केंद्र प्रायोजित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति	19,300	1
38	NSP – हिमाचल प्रदेश के अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों हेतु केंद्र प्रायोजित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति	79,750	2

क्र.सं.	छात्रवृत्तिध्योजना का नाम	कुल राशि (₹)	छात्राओं की संख्या
39	NSP – लद्दाख के अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों हेतु केंद्र प्रायोजित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति	2,20,200	6
40	NSP – पूर्वोत्तर क्षेत्र के विद्यार्थियों हेतु उच्च व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता (छम्ब मेरिट छात्रवृत्ति)	24,000	2
41	NSP – ईशान उदय विशेष छात्रवृत्ति योजना (पूर्वोत्तर क्षेत्र)	21,60,000	27
42	NSP – कल्पना चावला छात्रवृत्ति योजना (हिमाचल प्रदेश)	12,000	1
43	NSP – स्नातकोत्तर अध्ययन हेतु राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	16,50,000	11
44	NSP – PM यशस्वी पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (व्ठ), मणिपुर	12,000	1
45	NSP – PM यशस्वी पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना (व्ठब्म्ठब्क्छज), दिल्ली	84,000	7
46	NSP – PM यशस्वी पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना (व्ठब्म्ठब्क्छज), जम्मू एवं कश्मीर	12,000	1
47	NSP – अनुसूचित जाति विद्यार्थियों हेतु पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (दिल्ली)	72,000	6
48	NSP – अनुसूचित जाति विद्यार्थियों हेतु पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (हरियाणा)	16,060	1
49	NSP – अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों हेतु पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (मणिपुर)	74,240	5
50	NSP – दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति	1,91,312	12
51	NSP – अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों हेतु पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (नागालैंड)	12,000	1
52	NSP – अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों हेतु अम्ब्रेला योजना दृ पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (मेघालय)	19,300	1
53	NSP – अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों हेतु अम्ब्रेला योजना दृ पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (अरुणाचल प्रदेश)	3,34,500	17
54	PMSSS	18,60,000	62
55	PM–यशस्वी (व्ठब्म्ठ) पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति	20,000	1
56	प्रखर छात्रवृत्ति कार्यक्रम	8,000	1
57	प्रमोद गोयल छात्रवृत्ति	28,396	1
58	राजस्थान पुलिस छात्रवृत्ति	8,000	1
59	रमण कांत मुंजाल छात्रवृत्ति	25,000	1
60	रिलायंस फाउंडेशन छात्रवृत्ति	12,00,000	24
61	सन्तूर छात्रवृत्ति	20,000	1
62	SBI आशा छात्रवृत्ति 2024–25 (नवीनीकरण)	50,000	1
63	सीताराम जिंदल छात्रवृत्ति योजना	10,000	1
64	सुमेधा छात्रवृत्ति	25,000	1
65	स्वामी दयानन्द छात्रवृत्ति	10,000	1
66	टाटा कैपिटल पंख छात्रवृत्ति	70,000	2
67	उत्तराखंड भूतपूर्व सैनिक छात्रवृत्ति	60,000	1
68	BSF सेवारत कर्मियों के आश्रितों हेतु शिक्षा निधि से वित्तीय सहायता	15,000	1
69	यंग विमेन्स एसोसिएशन	3,45,000	23
70	यंग विमेन्स एसोसिएशन छात्रवृत्ति	10,000	1
71	Z-Scholars Program	20,000	1
72	निर्माण श्रमिक शिक्षा एवं कौशल विकास योजना	10,000	1

वार्षिकोत्सव पुरस्कार

महाविद्यालय अपने मेधावी छात्रों में शैक्षणिक उत्कृष्टता भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर साल निम्नलिखित पुरस्कार प्रदान करता है:

योग्यता (प्रोफ़िशिएन्सी) पुरस्कार

1. प्रोफ़ेसर मदन मोहन प्रसाद मेमोरियल पुरस्कार उस छात्र को दिया जाता है जिसने अध्ययन/ पाठ्येतर गतिविधियों या खेलकूद में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई हो।
2. मानविकी के क्षेत्र में कॉलेज की सबसे बेहतरीन छात्रा
3. विज्ञान के क्षेत्र में कॉलेज की सबसे बेहतरीन छात्रा
4. वाणिज्य के क्षेत्र में कॉलेज की सबसे बेहतरीन छात्रा
5. खेल-कूद के क्षेत्र में कॉलेज की सबसे बेहतरीन छात्रा
6. एन सी सी के क्षेत्र में कॉलेज की सर्वश्रेष्ठ छात्रा
7. एन एस एस के क्षेत्र में कॉलेज की सर्वश्रेष्ठ छात्रा
8. अभिनय के क्षेत्र में कॉलेज की सर्वश्रेष्ठ छात्रा

संस्थापित (इंस्टिट्यूटेड) पुरस्कार

1. श्री कृष्ण मोहन मेमोरियल पुरस्कार - श्रीमती शांता मोहन द्वारा संस्थापित 'सर्वांगीण सर्वश्रेष्ठ छात्र' के लिए
2. श्रीमती राम प्यारी गुप्ता मेमोरियल पुरस्कार- श्रीमती शांता मोहन द्वारा संस्थापित 'सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी' के लिए'
3. 'श्रीमती सुनीता सुदर्शन मेमोरियल अवॉर्ड'- B.A. प्रोग्राम/ऑनर्स, B.Sc. ऑनर्स/B.Sc. लाइफ़ साइंस, B.Com प्रोग्राम/ऑनर्स के प्रथम वर्ष में सर्वाधिक अंक CGPA प्राप्त करने हेतु ।
4. ज्योति स्वरूप गुप्ता मेमोरियल पुरस्कार-डॉ. सरोज गुप्ता द्वारा संस्थापित बी.ए प्रोग्राम (तीनों वर्ष संयुक्त) में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने हेतु
5. जय देवी कुब्बा मेमोरियल पुरस्कार-श्रीमती डॉ. आर.के. कुब्बा द्वारा संस्थापित संस्कृत (ऑनर्स) तृतीय वर्ष में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने हेतु
6. 'श्रीमती चंद्रवती देवी मेमोरियल प्राइज़'-डॉ. दीप्ति बंसल द्वारा संस्थापित B.A. (प्रोग्राम) तीसरे वर्ष में 'म्यूज़िक वोकल' (गायन) में सबसे ज़्यादा अंक प्राप्त करने हेतु
7. श्री तिलक राज विज मेमोरियल पुरस्कार - डॉ.एम.खेत्रपाल द्वारा संस्थापित बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान प्रथम और द्वितीय वर्ष के कुल मिलाकर बी.ए. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के छात्र को उच्चतम अंक प्राप्त करने हेतु।
8. श्री आर.सी. मुरारका मेमोरियल पुरस्कार- डॉ.(श्रीमती) इंदु गुप्ता द्वारा संस्थापित संयुक्त प्रथम और द्वितीय वर्ष मनोविज्ञान(ऑनर्स)(कुल मिलाकर न्यूनतम 50%) में उच्चतम अंक प्राप्त करने हेतु।
9. 'डॉ. एल. चंद्रन मेमोरियल प्राइज़' - डॉ. (श्रीमती) एस. पोन्नुस्वामी द्वारा संस्थापित साइकोलॉजी (ऑनर्स) के तीसरे वर्ष या सेमेस्टर IV के UPD पेपर में 'एबनॉर्मल साइकोलॉजी' विषय में सबसे ज़्यादा अंक प्राप्त करने हेतु।
10. श्रीमती राम पियारी आहूजा मेमोरियल पुरस्कार- डॉ. (श्रीमती) नरगिस वर्मा द्वारा संस्थापित तृतीय वर्ष संस्कृत (ऑनर्स) में वेद (पेपर V) में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने हेतु।
11. डॉ. कानन नंदा पुरस्कार- डॉ. कानन नंदा द्वारा संस्थापित बॉटनी ऑनर्स तृतीय वर्ष के छात्र को प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष

(संयुक्त) परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त करने हेतु।

12. श्रीमती सुंदरा अयंगर मेमोरियल अवार्ड -डॉ० मालती सुब्रमण्यम द्वारा उनकी माँ की स्मृति में संस्थापित, तृतीय वर्ष की 'ऑल-राउंड सर्वश्रेष्ठ छात्रा ' को दिया जाएगा। मानविकी के क्षेत्र में (प्रथम और द्वितीय वर्ष के संयुक्तांक कम से कम 60% मार्क्स) और पाठ्येतर गतिविधियों के आधार पर दिया जाएगा।

13. श्रीमती सुंदरा अयंगर मेमोरियल अवार्ड -डॉ० मालती सुब्रमण्यम द्वारा उनकी माँ की स्मृति में संस्थापित, तृतीय वर्ष की 'ऑल-राउंड सर्वश्रेष्ठ छात्रा ' को दिया जाएगा। विज्ञान के क्षेत्र में (प्रथम और द्वितीय वर्ष के संयुक्तांक कम से कम 60% मार्क्स) और पाठ्येतर गतिविधियों के आधार पर दिया जाएगा।

14. श्रीमती सुंदरा अयंगर मेमोरियल अवार्ड -डॉ० मालती सुब्रमण्यम द्वारा उनकी माँ की स्मृति में संस्थापित, तृतीय वर्ष की 'ऑल-राउंड सर्वश्रेष्ठ छात्रा ' को दिया जाएगा। वाणिज्य के क्षेत्र में (प्रथम और द्वितीय वर्ष के संयुक्तांक कम से कम 60% मार्क्स) और पाठ्येतर गतिविधियों के आधार पर दिया जाएगा।

15. सरदारनी पुष्पेंदर कौर मेमोरियल अवार्ड- डॉ. गुरपिंदर चोपड़ा द्वारा संस्थापित बी.कॉ म (ऑनर्स/प्रोग्राम),तृतीय वर्ष में (प्रथम और द्वितीय वर्ष के संयुक्तांक कम से कम 60 प्रतिशत) एवं नियमितता और पाठ्येतर गतिविधियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने हेतु

16. डॉ.रेनू सक्सेना द्वारा संस्थापित-प्राणी विज्ञान (ऑनर्स) तृतीय वर्ष की छात्रा को, प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में संयुक्त रूप से अधिकतम अंक प्राप्त करने हेतु।

17. डॉ. रमा सराफ मेमोरियल अवार्ड- श्री सुनील सराफ द्वारा संस्थापित, बी.ए (प्रोग्राम), प्रथम एवं द्वितीय वर्ष (दो पुरस्कार) संगीत विषय में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने हेतु।

18. श्री शिवान देवी शर्मा मेमोरियल अवार्ड- डॉ. निर्मल त्रिखा द्वारा संस्थापित, संस्कृत (ऑनर्स), प्रथम वर्ष में अधिकतम अंक प्राप्त करने हेतु।

19. श्री देवी लाल शर्मा मेमोरियल पुरस्कार- डॉ. निर्मल त्रिखा द्वारा संस्थापित, संस्कृत (ऑनर्स), द्वितीय वर्ष में अधिकतम अंक प्राप्त करने हेतु।

20. श्री करन सिंह गौतम मेमोरियल अवार्ड- डॉ. निर्मल त्रिखा द्वारा संस्थापित, संस्कृत (ऑनर्स), संयुक्त रूप से तीनों वर्षों में अधिकतम अंक प्राप्त करने हेतु ।

21. श्रीमती शिवान देवी मेमोरियल अवार्ड- डॉ. निर्मल त्रिखा द्वारा संस्थापित, बी.ए. (प्रोग्राम) संस्कृत, प्रथम वर्ष में अधिकतम अंक प्राप्त करने हेतु।

22. श्री देवी लाल शर्मा मेमोरियल अवार्ड- डॉ. निर्मल त्रिखा द्वारा संस्थापित, बी.ए. (प्रोग्राम) संस्कृत, द्वितीय वर्ष में अधिकतम अंक प्राप्त करने हेतु।

23. श्री करन सिंह गौतम मेमोरियल अवार्ड- डॉ. निर्मल त्रिखा द्वारा संस्थापित, बी.ए. (प्रोग्राम) संस्कृत, तृतीय वर्ष में अधिकतम अंक प्राप्त करने हेतु।

24. डॉ. इंदु गुप्ता मेमोरियल अवार्ड- मनोविज्ञान (ऑनर्स) में महाविद्यालय में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने पर।

25. शिक्षक स्मृति अवार्ड-विश्वविद्यालय स्तर पर बी.ए. (ऑनर्स और प्रोग्राम), बी.कॉम (ऑनर्स और प्रोग्राम), बी.एससी (ऑनर्स और लाइफ साइंस) में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने के लिए, दौलतराम महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा महाविद्यालय में शैक्षणिक सेवा के दौरान निधन होने वाले शिक्षक की स्मृति में संस्थापित।

26. डॉ. पुष्पा शर्मा मेमोरियल अवार्ड- बी.एस.सी. रसायन (ऑनर्स), प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में वार्षिकी परीक्षा के दौरान ऑर्गेनिक रसायन में अधिकतम अंक प्राप्त करने हेतु।

27. श्रीमती उषा बजाज मेमोरियल अवार्ड- श्रीमान एस.सी. बजाज द्वारा संस्थापित,अंग्रेजी (ऑनर्स), तृतीय वर्ष की छात्रा को उसके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने हेतु।

28. 'लीला गुप्ता मेमोरियल प्राइज़' - डॉ. निर्मल त्रिखा द्वारा संस्थापित, एम.ए. संस्कृत (प्रथम वर्ष) की विश्वविद्यालय परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने हेतु।

29. 'लखपति मेमोरियल अवार्ड - डॉ. निर्मल त्रिखा द्वारा संस्थापित, एम.ए. संस्कृत (प्रथम वर्ष और अंतिम वर्ष) की संयुक्त विश्वविद्यालय परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने हेतु।

30. डॉ. वी. बी. बंसल मेमोरियल अवार्ड - डॉ. दीप्ति बंसल द्वारा संस्थापित, बी.ए. प्रोग्राम (संगीत गायन) के दृष्टि-बाधित छात्रों के लिए आरम्भ किया गया है। बी.ए. प्रोग्राम के प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष(कुल तीन पुरस्कार) संगीत गायन विषय (कम से कम 60% अंक)में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने हेतु।

31. डॉ. वीणा बंसल मेमोरियल अवार्ड - डॉ. दीप्ति बंसल द्वारा संस्थापित, बी.ए. (ऑनर्स) संगीत (गायन) के प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष (तीन पुरस्कार)में संगीत (गायन) विषय में(कम से कम 60% अंक) सर्वाधिक अंक प्राप्त करने हेतु।

मेरिट स्कॉलरशिप

(क) महाविद्यालय द्वारा प्रदत्त

रजत जयंती उत्कृष्टता छात्रवृत्ति - पिछले वर्ष की (उत्तरी परिसर) विश्वविद्यालय परीक्षा में प्रथम तीन स्थानों में से किसी एक स्थान को प्राप्त करने हेतु द्वितीय और तृतीय वर्ष की छात्राओं को प्रदान की जाने वाली।

(ख) संस्थापित (इंस्टिट्यूटेड) छात्रवृत्ति

1. श्रीमती विद्यावती कपूर छात्रवृत्ति - श्रीमती निर्मल सेठी द्वारा संस्थापित, दृष्टि बाधित छात्रा को द्वितीय वर्ष में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने हेतु।

2. कुमारी कांता शर्मा मेमोरियल छात्रवृत्ति - डॉ. एस.डी . त्रिवेदी द्वारा संस्थापित, उस छात्रा को दिया जाएगा जो वर्तमान में एम.ए पूर्व में हो और हिन्दी (विशेष) तीनों वर्षों में संयुक्त रूप से (न्यूनतम 60% अंक हो) और किसी भी विषय में पुनरावृत्ति न हो एवं सहायक विषयों में भी उर्तीण हो।

3. श्री सुल्तान चंद छात्रवृत्ति -श्री सुल्तान चंद ट्रस्ट द्वारा संस्थापित, बी.कॉम (विशेष), द्वितीय वर्ष की छात्रा को दी जाएगी, पहले प्रयास में प्रथम वर्ष में 75% से अधिक अंक (आंतरिक मूल्यांकन और बाह्य प्रश्नपत्र के आधार पर) प्राप्त करने हेतु।

4. श्री सुल्तान चंद छात्रवृत्ति - श्री सुल्तान चंद ट्रस्ट द्वारा संस्थापित, बी.कॉम (विशेष) तृतीय वर्ष की छात्रा को दी जाएगी जिसने विश्वविद्यालय परीक्षा में प्रथम प्रयास में द्वितीय वर्ष में 75%से अधिक अंक (आंतरिक और बाह्य प्रश्नपत्र के आधर पर) प्राप्त करने हेतु।

5. डॉ. उषा अग्रवाल 'तेजस्विता ' छात्रवृत्ति -डॉ. उषा अग्रवाल ट्रस्ट द्वारा संस्थापित, बी.कॉम (प्रोग्राम), द्वितीय वर्ष की छात्रा को दी जाएगी, जिसने विश्वविद्यालय परीक्षा में प्रथम प्रयास में बी.कॉम (प्रोग्राम), प्रथम वर्ष में 70%से अधिक अंक (आंतरिक और बाह्य प्रश्न पत्रों के आधार पर) प्राप्त किए हों।

6. डॉ. उषा अग्रवाल 'तेजस्विता' छात्रवृत्ति - डॉ. उषा अग्रवाल ट्रस्ट द्वारा संस्थापित, बी.कॉम (प्रोग्राम) तृतीय वर्ष की छात्रा को दी जाएगी, जिसने विश्वविद्यालय परीक्षा में प्रथम प्रयास में बी.कॉम (प्रोग्राम), द्वितीय वर्ष में 70%से अधिक अंक (आंतरिक मूल्यांकन और बाह्य प्रश्नपत्र के आधार पर) प्राप्त किए हों।

महाविद्यालयी पत्रिका का सर्वश्रेष्ठ लेख

महाविद्यालय अपनी वार्षिक पत्रिका प्रमिला में भेजी गई प्रविष्टियों में से चुने गए सर्वश्रेष्ठ तीन लेखों को तीनों भाषाओं - अंग्रेजी, हिंदी और संस्कृत में पुरस्कार प्रदान करता है।

प्लेसमेंट सेल–वृद्धि

वृद्धि, दौलत राम कॉलेज की प्लेसमेंट सेल, छात्रों और शिक्षकों का एक समर्पित और परिश्रमी समूह है, जो शैक्षणिक ज्ञान को व्यावसायिक अवसरों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह सेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और प्लेसमेंट, इंटर्नशिप, करियर मार्गदर्शन एवं कौशल विकास की विभिन्न पहलों के माध्यम से उन्हें सफल और संतोषजनक करियर की ओर अग्रसर करता है।

शैक्षणिक वर्ष 2025–26 में, कॉलेज परिसर में 40 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों ने दौरा किया, जिनमें PwC, KPMG, Urban Company, Accenture, Nestle, WTW जैसी कंपनियाँ शामिल थीं। इन कंपनियों ने कुल मिलाकर 60 से अधिक नौकरियों के अवसर प्रदान किए, जिसमें उच्चतम पैकेज ₹10.6 लाख प्रति वर्ष था और कुल ₹3.44 करोड़ का CTC प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, 50 से अधिक संस्थानों ने 400 से अधिक छात्रों को इंटर्नशिप प्रदान की, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के अनुरूप व्यावहारिक अनुभव को बढ़ावा देती है।

वृद्धि का प्रमुख वार्षिक कार्यक्रम Incrementum 9.0 – द एनुअल इंटर्नशिप एंड करियर फेयर में 40+ कंपनियों की भागीदारी रही और दिल्ली-एनसीआर से 2400+ छात्रों ने इसमें भाग लिया। इस मेले में विभिन्न क्षेत्रों में इंटर्नशिप और नौकरी के ढेरों अवसर प्रस्तुत किए गए।

छात्रों को उद्योग के प्रति जागरूक और आजीविका के लिए तैयार करने हेतु, वृद्धि वर्ष भर सेमिनार, वेबिनार, कार्यशालाएँ तथा एलुमनाई टॉक्स का आयोजन करती है। साथ ही, डिजिटल पहलों जैसे Guesstimate Series और Career Spotlight Series के माध्यम से छात्रों को महत्वपूर्ण संसाधन प्रदान किए जाते हैं, जो उनके करियर विकास में सहायक हैं।

अधिक और अद्यतन जानकारी के लिए हमें फॉलो करें:
फेसबुक: Placementcelldrcdu
लिंक्डइन: The Placement Cell, Daulat Ram College
इंस्टाग्राम: pcelldrc
लिंक्ट्री: https://linktr.ee/PlacementCellDRC

संयोजक: सुश्री दीपिका जिंदल
सह-संयोजक (सेमिनार/वर्कशॉप): सुश्री ऋचा कौर
सह-संयोजक (इंटर्नशिप): सुश्री साची भूटानी भगत

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

दौलत राम कॉलेज का आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) महाविद्यालय में गुणवत्ता आश्वासन (Quality Assurance - QA) तथा गुणवत्ता संवर्धन (Quality Enhancement - QE) से संबंधित गतिविधियों की योजना बनाने, उनका मार्गदर्शन करने और उनकी निरंतर निगरानी करने के उद्देश्य से कार्य करता है। आईक्यूएसी का लक्ष्य संस्थान के सभी प्रयासों को सुव्यवस्थित एवं समन्वित करते हुए शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में अग्रसर करना है।

आईक्यूएसी निरंतर शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने, सतत एवं गुणवत्तापूर्ण आधारभूत संरचना के विकास, अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने, प्रभावी प्रलेखन (Documentation), सुदृढ़ निगरानी एवं मूल्यांकन प्रणाली विकसित करने तथा शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के लिए ऐसा शैक्षणिक वातावरण निर्मित करने का प्रयास करता है, जिससे वे अपनी क्षमताओं का सर्वोत्तम विकास कर अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें।

प्रत्येक नए शैक्षणिक सत्र का कार्य-एजेंडा शैक्षणिक कैलेंडर के माध्यम से निर्धारित किया जाता है, जिसमें शिक्षण कार्य, परीक्षाओं तथा शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के लिए आयोजित विभिन्न गतिविधियों का समयबद्ध कार्यक्रम निर्धारित किया जाता है। आईक्यूएसी शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के लिए क्षमता निर्माण (Capacity Building) कार्यशालाओं का आयोजन करता है। इसके अतिरिक्त, शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (Refresher Courses), संकाय विकास कार्यक्रम (Faculty Development Programmes - FDPs) तथा विद्यार्थियों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम एवं कार्यशालाएँ (Skill Development Programmes/Workshops) भी आयोजित की जाती हैं।

आईक्यूएसी संस्थान के अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक विकास की योजनाएँ निर्धारित करता है, जो राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रत्यायन (Accreditation) मानकों तथा संस्थान की सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों (Best Institutional Practices) के अनुरूप परिवर्तनकारी विकास हेतु रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करती हैं।\

विश्वविद्यालय शैक्षणिक कैलेंडर

सेमेस्टर II / IV / VI / VIII	
कक्षाओं का प्रारम्भ	28 जुलाई, 2026 (मंगलवार)
शरदावकाश	18 अक्टूबर, 2026 (रविवार) से 25 अक्टूबर, 2026 (रविवार) तक
शरदावकाश के पश्चात् कक्षाओं का पुनः प्रारम्भ	26 अक्टूबर, 2026 (सोमवार)
कक्षाओं का समापन, तैयारी अवकाश एवं प्रायोगिक परीक्षाओं का प्रारम्भ	20 नवम्बर, 2026 (शुक्रवार)
सैद्धान्तिक परीक्षाओं का प्रारम्भ	4 दिसम्बर, 2026 (शुक्रवार)
शीतकालीन अवकाश	25 दिसम्बर, 2026 (शुक्रवार) से 31 दिसम्बर, 2026 (गुरुवार) तक
सेमेस्टर II / IV / VI / VIII	
गतिविधि	तिथि
कक्षाओं का प्रारम्भ	1 जनवरी, 2027 (शुक्रवार)
मध्य सेमेस्टर अवकाश	21 मार्च, 2027 (रविवार) से 28 मार्च, 2027 (रविवार) तक
मध्य सेमेस्टर अवकाश के पश्चात् कक्षाओं का पुनः प्रारम्भ	29 मार्च, 2027 (सोमवार)
कक्षाओं का समापन, तैयारी अवकाश एवं प्रायोगिक परीक्षाओं का प्रारम्भ	30 अप्रैल, 2027 (शुक्रवार)
सैद्धान्तिक परीक्षाओं का प्रारम्भ	13 मई, 2027 (गुरुवार)
ग्रीष्मकालीन अवकाश	3 जून, 2027 (गुरुवार) से 20 जुलाई, 2027 (मंगलवार) तक

नोट: प्रत्येक सेमेस्टर में मध्य सेमेस्टर परीक्षा (Mid-Semester Examination) मध्य सेमेस्टर अवकाश से पूर्व आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा संभवतया रूप से मार्च तथा अक्टूबर के द्वितीय सप्ताह में आयोजित की जाएगी।

विभाग

के

मानविकी संकाय

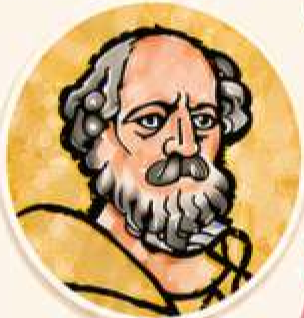

- अर्थशास्त्र
- अंग्रेज़ी
- हिन्दी
- इतिहास
- संगीत
- पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा (एन.एच.ई.)
- दर्शनशास्त्र
- शारीरिक शिक्षा
- राजनीति विज्ञान
- मनोविज्ञान
- संस्कृत

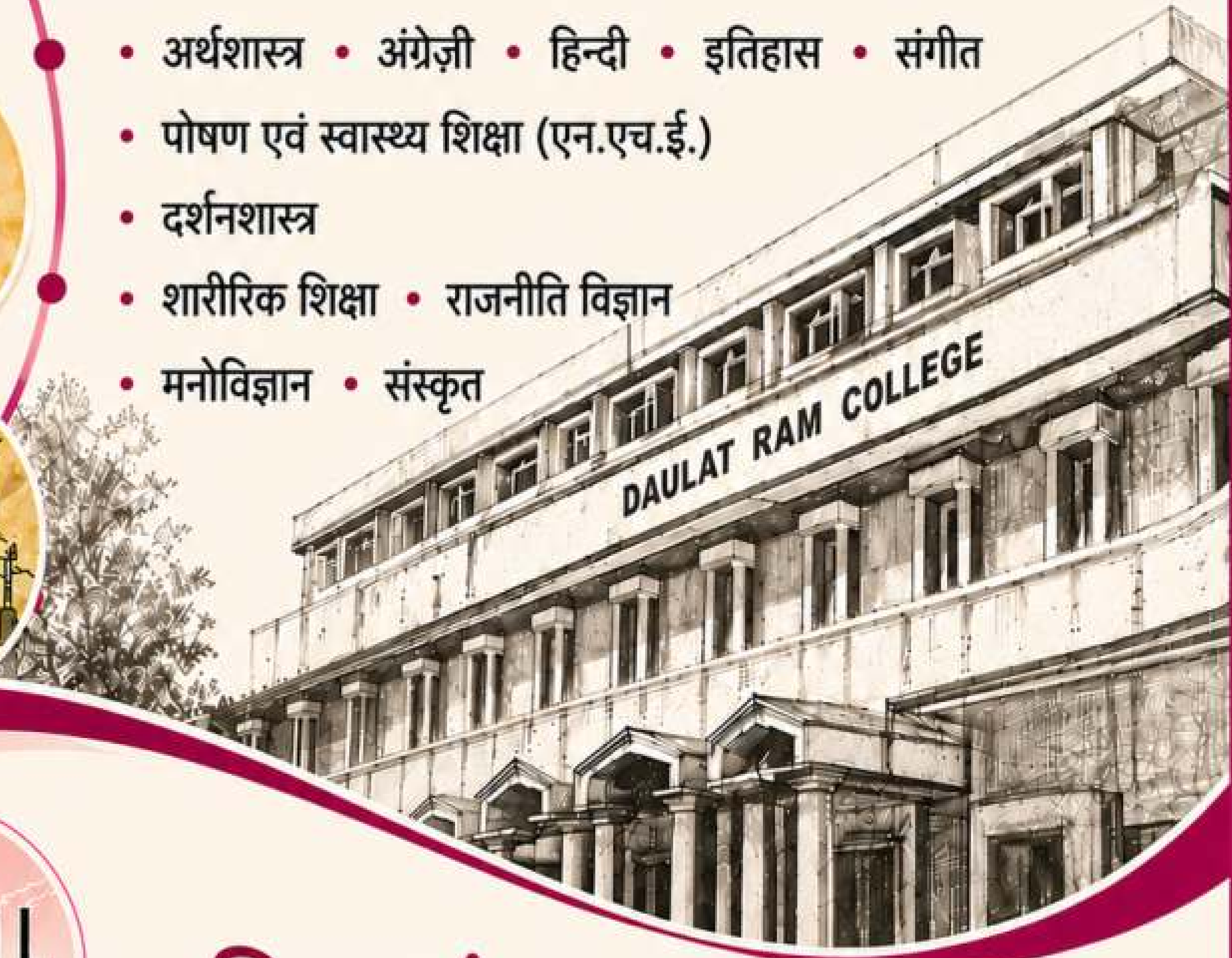

वाणिज्य संकाय

विज्ञान संकाय

- जैवरसायन
- वनस्पति विज्ञान
- रसायन विज्ञान
- गणित
- भौतिकी
- प्राणी विज्ञान

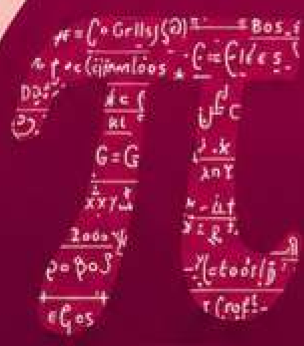

अर्थशास्त्र विभाग

शिक्षक संकाय: डॉ. मालिनी शर्मा, डॉ. पूजा खन्ना, सुश्री ऋतु खन्ना, डॉ. पूजा शर्मा, डॉ. रीता रानी, सुश्री देवांगना झा, डॉ. शिखा सिंह, सुश्री साची भूटानी भगत, डॉ. अहल्या रामनाथन, डॉ. देवेंद्र कुमार, डॉ. सृष्टि कसाना, डॉ. प्रियंका यादव, सुश्री आकृति सैनी एवं सुश्री आकांक्षा।

उपलब्धियाँ: अर्थशास्त्र विभाग ने इंडिया टुडे रैंकिंग 2024 में अखिल भारतीय स्तर पर 10वाँ स्थान प्राप्त किया है। वर्षभर एलुमनाई संवाद, स्पीकर सेशन, करियर मार्गदर्शन एवं नीति-चर्चाओं का सफल आयोजन किया। एसोसिएशन ने मॉडल यूनाइटेड नेशंस, वार्षिक इकोनॉमिक कॉन्फ्रेंस 'मुतासिर' तथा अकादमिक फेस्ट 'इकोनोमेनिया'26 जैसे प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए।

अर्थशास्त्र विभाग एक गतिशील, नवोन्मेषी एवं बौद्धिक रूप से समृद्ध शिक्षण वातावरण प्रदान करता है, जहाँ विद्यार्थियों को आर्थिक सिद्धांतों, मात्रात्मक तकनीकों तथा उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों की व्यापक समझ विकसित करने का अवसर प्राप्त होता है। स्नातक स्तर पर ऑनर्स एवं प्रोग्राम पाठ्यक्रमों के साथ-साथ सामान्य वैकल्पिक (Generic Electives), कौशल-वर्धन (Skill Enhancement) तथा मूल्यवर्धित (Value Added) पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं।

विभाग में अनुभवी, समर्पित एवं शोधोन्मुख शिक्षक कार्यरत हैं, जिनका उत्कृष्ट शोध एवं प्रकाशन रिकॉर्ड है। करियर परामर्श, पूर्व छात्रों तथा उद्योग विशेषज्ञों के साथ संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों को विविध व्यावसायिक क्षेत्रों के लिए मार्गदर्शन एवं परामर्श प्राप्त होता है। विभाग के विद्यार्थी शिक्षा, उद्योग, वित्त, डेटा विश्लेषण, उद्यमिता, प्रशासनिक सेवाओं तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर रहे हैं।

डॉ. रीता रानी, शिक्षक-प्रभारी
इंस्टाग्राम: https://www.instagram.com/eclat_drc/
फेसबुक: https://www.facebook.com/eclatdrc/

English Department

Faculty: Prof. Deepshikha Mahanta Bortamuly, Dr. Astha Saklani, Ms. Saneya, Ms. Priyanka Arora, Dr. Pawan Kumar, Ms. Haritha P., Ms. Vandana, Dr. Violina Borah, Ms. Nivedita Sharma, Ms. Nishtha Kishore, Ms. Prajna Tanwar, Ms. Shilpa Vashisht, Dr. R. Rajeshwari, Ms. Suman

Highlight: *Departmental Magazine, Expressions | International Seminar on Career Development in Films and Media Industry | International Research Conclave on Research Methodology and Publishing with Digital, Interactive and Synthetic Media | National Student Seminar | Visits to Partition Museum and Dara Shukoh Library, Dr B.R. Ambedkar University, Delhi | Lecture on Editing and Publishing | Lecture on Translating a Classic: Theory and Praxis | Workshop on Technical Writing for stronger SOPs | Lecture on navigating AI in Academia: Ethics, Tools and Integrity | Film Screenings|*

The Department of English at Dauat Ram College fosters an intellectually stimulating and creatively immersive environment where literature, language, and critical theory intersect. Our NEP-aligned four-year undergraduate program offers an in-depth exploration of English literature, linguistics, and cultural studies, equipping students with analytical, creative, and communication skills that are highly valued in the global arena.

The curriculum encompasses a diverse range of literary periods, genres, and theoretical perspectives. Our English Honours program offers a diverse range of courses in African Literature, South Asian Literature, European Literature, Indian Literature, American Literature, Film Studies, Graphic Narratives, Disability Studies, Marginality Studies, Translation Studies, Gender Studies, Environmental Humanities, Literary Theory and Criticism, Research Methodology, and Dalit Studies, to name a few. This comprehensive approach ensures students are well-versed in a multitude of literary traditions and critical perspectives.

The English Literary Association, Literati, is a dynamic and active organisation that regularly organises conferences, seminars and workshops. In addition to the joy of exploring literature in all its facets, the Department equips its students for diverse career paths, including academia, creative writing, mass communication, journalism, civil services, editing and publishing, theatre, career counselling, and many other emerging fields. This year, the department has an array of academically engaging activities planned. We eagerly anticipate a vibrant and productive year with the addition of a new batch of brilliant young enthusiasts.

Ms Priyanka Arora, Teacher-in-charge
Instagram Link: https://www.instagram.com/literati.drc

हिन्दी विभाग

शिक्षक संकाय : प्रो.सीमा रानी, डॉ. सुनीता दुरंगल, डॉ. अनीता मिंज, डॉ. ज्योति शर्मा, डॉ. कुसुम लता, डॉ. संतोष सैन, डॉ. नीतू गुप्ता, डॉ. विद्याराम मीणा, डॉ. मनीष कुमार चौधरी, डॉ. शीतल कुमारी, डॉ. समला देवी, डॉ. संजीता, डॉ. विजय कुमार, डॉ. संतोष, डॉ. अविनाश कुमार मिश्रा, डॉ. संतोष कुमार भारद्वाज

प्रमुख विशेषताएँ: हिन्दी विभाग भाषा, साहित्य, संस्कृति और रचनात्मकता का सुन्दर समन्वय है। हस्तलिखित पत्रिका 'मानसी' छात्राओं की सुन्दर भावनाओं की अभिव्यक्ति और सृजनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करती है। विभाग की गौरवशाली परंपरा 'आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी स्मारक भाषणमाला' का विगत 45 वर्षों से निरंतर आयोजित की जाती है, जिसके माध्यम से छात्राओं को प्रतिष्ठित साहित्यकारों और चिंतकों से संवाद का अवसर मिलता है।

महाविद्यालय में हिन्दी ऑनर्स पाठ्यक्रम का विधिवत शुभारंभ सन् 1964 में हुआ। इससे पूर्व वर्ष 1960 से 1963 तक हिन्दी विषय पासकोर्स के रूप में अध्ययन का महत्वपूर्ण अंग रहा। आरंभ से ही हिन्दी विभाग का उद्देश्य केवल भाषा और साहित्य के अध्ययन तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों में साहित्यिक चेतना, सामाजिक समझ और रचनात्मक दृष्टि का विकास करना रहा है। समय के साथ हिन्दी ऑनर्स पाठ्यक्रम में बदलते युग की आवश्यकताओं के अनुरूप विविध रोजगारपरक और बौद्धिक रूप से उपयोगी विषयों को समाहित किया जाता रहा है। यह पाठ्यक्रम छात्राओं को साहित्य, भाषा, संस्कृति, समाज और संप्रेषण के विभिन्न आयामों से परिचित कराते हुए उन्हें व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है। हिन्दी ऑनर्स के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थियों के लिए अध्यापन, शोध, अनुवाद, पत्रकारिता, जनसंचार, रेडियो-टेलीविजन, रंगमंच, विज्ञापन, हिन्दी कम्प्यूटिंग, जनसंपर्क, रचनात्मक लेखन और प्रशासनिक सेवाओं जैसे अनेक क्षेत्रों में उज्ज्वल अवसर उपलब्ध हैं। 'हिन्दी साहित्य परिषद' के माध्यम से प्रतिवर्ष विभिन्न साहित्यिक प्रतियोगिताओं, व्याख्यान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। परिषद की हस्तलिखित पत्रिका 'मानसी' छात्राओं की कल्पनाशीलता, अभिव्यक्ति और सृजनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करती है। वर्तमान में हिन्दी केवल ऑनर्स विषय के रूप में ही नहीं, बल्कि क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (AEC), सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम (GE), कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC) और मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (VAC) के रूप में भी विद्यार्थियों के अध्ययन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बी.ए. प्रोग्राम और बी.कॉम. प्रोग्राम में विद्यार्थियों के भाषा-स्तर के अनुसार हिन्दी 'क', 'ख' और 'ग' के रूप में पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। इस प्रकार हिन्दी (विशेष) पाठ्यक्रम केवल एक शैक्षणिक पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, स्वतंत्र चिंतन, शोध-दृष्टि और रचनात्मक अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है।

डॉ. संतोष सैन, विभागाध्यक्ष

Inatagram: https://www.instagram.com/hindi_sahitya_dhara_drc?igsh=MWlsd3NqeW9yeXR6Mw

इतिहास विभाग

शिक्षक संकाय : स्नेह लता, डॉ. उपासना तिवारी, मेनका सिंह, प्रवाश कुमार चौधरी, डॉ. दीपक नाओरेम, डॉ. राजेश प्रसाद, डॉ. निखिल गंगवार, डॉ. प्रगति बर्मन

उपलब्धियाँ : पुस्तकालय में अंग्रेज़ी, हिंदी तथा ब्रेल लिपि की पुस्तकों का समृद्ध संग्रह उपलब्ध है। इंटैक, आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, नेशनल म्यूज़ियम तथा नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया के साथ शैक्षणिक सहयोग, न्यूज़लेटर – इतिवृत्त , बुक बार्टर, एआईआर-66, यूपीएससी 2024 (सुश्री सिमरन)

इतिहास विभाग B.A. (ऑनर्स) इतिहास और B.A. (प्रोग्राम) इतिहास में कोर्स कराता है। यहाँ सभी के लिए इंटरडिसिप्लिनरी (अलग-अलग विषयों से जुड़े) जेनेरिक इलेक्टिव, स्किल एनहांसमेंट कोर्स और वैल्यू एडिशन कोर्स भी उपलब्ध हैं। सिलेबस में प्राचीन या शुरुआती ऐतिहासिक काल से लेकर समकालीन समय तक के कोर्स शामिल हैं, जिनमें भारतीय और विश्व इतिहास दोनों की पढ़ाई होती है।

विभाग के शिक्षक समर्पित, योग्य और उत्साही हैं। वे अलग-अलग विषयों के मेल, चर्चाओं, द्विभाषी एवं अंतर्विषयी शिक्षण पद्धति, फील्ड ट्रिप, मूवी स्क्रीनिंग और प्रोजेक्ट्स के ज़रिए पढ़ाने-सीखने का एक सकारात्मक माहौल बनाने की कोशिश करते हैं।

इतिहास एसोसिएशन "इतिवृत्त" (Itivritta) जाने-माने इतिहासकारों और विशेषज्ञों को बुलाता है और पूरे साल कई तरह के इवेंट और प्रतियोगिताएं आयोजित करता है।

प्रवाश कुमार चौधरी, शिक्षक प्रभारी

इंस्टाग्राम: : https://www.instagram/historyhonsdrc

संगीत विभाग

शिक्षक संकाय : डॉ. दीप्ति बंसल , डॉ. सपना रैना काचरू, डॉ. सुमिता चक्रवर्ती

उपलब्धियाँ: विभाग के विद्यार्थियों ने समय-समय पर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा विभिन्न अंतर-महाविद्यालयी सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर विभाग का गौरव बढ़ाया है। विभाग अपनी शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के सांगीतिक कौशल, रचनात्मकता एवं व्यक्तित्व विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है।

संगीत विभाग की स्थापना वर्ष 1971 में हुई। अपनी स्थापना के बाद से ही विभाग के समर्पित शिक्षकों ने महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को समृद्ध बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। विभाग बी.ए. प्रोग्राम के अंतर्गत संगीत विषय का अध्ययन-अध्यापन कराता है, जिसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की दो प्रमुख विधाओं—शास्त्रीय गायन (वोकल) तथा शास्त्रीय वादन (सितार)—का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। विभाग पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न रागों के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्ष, भारतीय संगीत का इतिहास तथा महान संगीतज्ञों एवं संगीतशास्त्रियों के जीवन एवं योगदान का अध्ययन कराता है। यह अध्ययन विद्यार्थियों की संगीत प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उन्हें स्नातकोत्तर, एम.फिल., पीएच.डी. तथा संगीत शिक्षण एवं अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित एवं सक्षम बनाता है।

विभाग कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Course) के अंतर्गत हारमोनियम का प्रशिक्षण भी प्रदान करता है, जिससे विद्यार्थियों को इस वाद्य यंत्र के मूलभूत सिद्धांतों एवं वादन-कौशल का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होता है।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से विभाग समय-समय पर व्याख्यान, संगीत प्रतियोगिताएँ, प्रश्नोत्तरी, कार्यशालाएँ तथा मेंटर-मेंटी कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति, सांगीतिक दक्षता तथा सांस्कृतिक चेतना को निरंतर प्रोत्साहित किया जाता है।

डॉ. दीप्ति बंसल, शिक्षक प्रभारी

पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा (NHE) विभाग

शिक्षक संकाय : डॉ. पूजा जैन, डॉ. प्रियंका वर्मा

लैब स्टाफ: श्री आदित्य नारायण सिंह, श्री अमरनाथ पाल

उपलब्धियाँ: विश्वविद्यालय का सबसे पुराना NHE विभाग (स्थापना वर्ष 1984)।

NEP 2020 पर आधारित UGCF-2022 के अंतर्गत विभाग द्वारा पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा (NHE) विषय के साथ बी.ए. प्रोग्राम संचालित किया जा रहा था। तथापि, वर्ष 2026 सत्र से विभाग सामुदायिक विज्ञान (Community Science) विषय के साथ बी.ए. प्रोग्राम संचालित करेगा। विभाग विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SECs) भी प्रदान करता है। वर्तमान में विभाग के पास एक अस्थायी प्रयोगशाला है तथा शीघ्र ही एक पूर्णतः सुसज्जित प्रयोगशाला उपलब्ध होगी।

सामुदायिक विज्ञान के पाठ्यक्रमों तथा उनके कार्यक्षेत्र की जानकारी दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अधिसूचित की जाएगी।

NHE एसोसिएशन 'न्यूट्रिकोर' प्रत्येक वर्ष पोषण माह (Poshan Maah) मनाती है तथा पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए व्याख्यान एवं शिविर आयोजित करती है।

डॉ. प्रियंका वर्मा, शिक्षक-प्रभारी

सोशल मीडिया https://www.instagram.com/nhe_drc?igsh=MThrdTIyeW9nNGRtaQ%3D%3D

दर्शनशास्त्र विभाग

शिक्षक संकाय : डॉ. वी. सुजाता राजू, डॉ. सोनिया मेहता, डॉ. मोनिका प्रभाकर, डॉ. विधु जैन, डॉ. श्वेता सत्यम, डॉ. श्यामलिमा बोरगोहैन, डॉ. चन्दन कुमार पाण्डेय, डॉ. पुरुषोत्तमन आर.

उपलब्धियाँ: सेंटर फॉर फिलॉसॉफिकल काउंसलिंग, वैल्यूज़ एंड वेल-बीइंग।

"आपका समाज या आपके माता-पिता और शिक्षक जो कहते हैं, उसे मान लेना बहुत आसान है। यह जीने का एक सुरक्षित और आसान तरीका है; लेकिन यह असल में 'जीना' नहीं है... जीने का मतलब है खुद सच का पता लगाना।" जे. कृष्णमूर्ति का यह कथन दर्शनशास्त्र के मूल सार को दर्शाता है, जो सच की एक कभी न खत्म होने वाली खोज है। इसी नज़रिए से, विभाग शैक्षणिक उत्कृष्टता बनाए रखने और युवा मस्तिष्कों को सोचने-समझने और तर्क करने की क्षमताओं से युक्त करने का प्रयास करता है। चार साल के दर्शनशास्त्र ऑनर्स कोर्स का पाठ्यक्रम इस तरह से तैयार किया गया है कि जीवन के बारे में सोच-विचार, तर्क और चिंतन कर सकें। यह खोज उनके लिए कई संभावनाओं के द्वार खोलेगी, जिससे वे इंसानों और सजीव, निर्जीव व अस्पष्ट दुनिया के बीच के संबंधों को जान, समझ और उनसे जुड़ सकेंगे।

इस अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम के दौरान, छात्रों को कई तरह के विषय पढ़ाते हैं जो युवा विद्वानों की सोच को विकसित करने के लिए तैयार किए गए हैं। इन विषयों में तर्कशास्त्र, भारतीय दर्शन, नीतिशास्त्र, पश्चिमी दर्शन, सामाजिक और राजनीतिक दर्शन, ज्ञानमीमांसा, भाषा का दर्शन, मन का दर्शन, कानून का दर्शन, आलोचनात्मक सोच और निर्णय लेना, धर्म का दर्शन, नारीवाद, मीडिया और सौंदर्यशास्त्र, कला और फिल्म की समझ, तकनीक और नीतिशास्त्र, चेतना के सिद्धांत आदि शामिल हैं। दर्शनशास्त्र का अध्ययन दर्शन, कानून, शिक्षा, पत्रकारिता और मीडिया, समाज कार्य और कई अन्य क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के रास्ते खोलता है। हमें यह बताते हुए गर्व होता है कि हमारे छात्र प्रशासनिक और सिविल सेवाओं, कॉर्पोरेट नौकरियों, NGOs, शिक्षा, अनुसंधान, न्यायपालिका तथा अन्य प्रतिष्ठित पेशों में शामिल हुए हैं।

दर्शनशास्त्र संघ "स्केप्टिक्स" (Skeptics) कौशल विकास कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सेमिनार, पैनल चर्चाएं, बातचीत और सम्मेलन आयोजित करता है ताकि छात्रों को इस विषय के व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराया जा सके। इसका उद्देश्य कौशल को बेहतर बनाना, क्षमताओं को बढ़ाना और उन्हें व्यक्तिगत व सामाजिक संघर्षों को सुलझाने की क्षमता से सशक्त बनाना है, जिससे वे बेहतर नैतिक और तार्किक निर्णय लेने वाले बन सकें।

डॉ. विधु जैन, शिक्षक-प्रभारी
सोशल मीडिया - www.instagram.com/skepticsdrc

शारीरिक शिक्षा विभाग

शिक्षक संकाय : डॉ. कौशाम्बी त्यागी , डॉ. आज़ाद सिंह

उपलब्धियाँ : बड़ा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और जिम | वेलनेस, पर्सनैलिटी, जिम और फ़िटनेस सेंटर | फ़िज़ियोथेरेपी सेंटर

शारीरिक शिक्षा (Physical Education) शिक्षा प्रणाली का एक अहम हिस्सा है। यह हमारे प्राचीन और आधुनिक समाज का भी हिस्सा रही है। शारीरिक शिक्षा की जड़ें वैदिक काल, महाकाव्य काल, नालंदा महाविहार आदि में देखी जा सकती हैं और अब यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति का एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है।

हमारे कॉलेज में, शारीरिक शिक्षा विभाग BA प्रोग्राम के लिए डिसिप्लिन स्पेसिफ़िक कोर्स (DSC) और डिसिप्लिन स्पेसिफ़िक इलेक्टिव (DSE), ऑनर्स और प्रोग्राम के लिए जेनेरिक इलेक्टिव, वैल्यू एडेड कोर्स (VAC) और स्किल एनहांसमेंट कोर्स (SEC) ऑफ़र करता है। इन कोर्स में थ्योरेटिकल और प्रैक्टिकल जानकारी शामिल है ताकि छात्र कॉन्सेप्ट्स को समझ सकें और अपनी पर्सनैलिटी को बेहतर बना सकें। विभाग छात्रों के लिए अलग-अलग लेक्चर, वर्कशॉप और स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम भी आयोजित करता है।

नेशनल स्पोर्ट्स ऑर्गनाइज़ेशन (NSO) भी शारीरिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत काम करता है। यह कॉलेज के सभी छात्रों को अलग-अलग खेल गतिविधियों को सीखने के भरपूर मौके देता है। छात्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में नियमित रूप से होने वाले सुबह और दोपहर के प्रैक्टिस सेशन में अपनी सेहत और फ़िटनेस के लिए जिम और फ़्री-हैंड एक्सरसाइज़ कर सकते हैं। इससे उन्हें बेहतर बनने और इंटर-कॉलेज, यूनिवर्सिटी लेवल और इंटरनेशनल लेवल पर अलग-अलग खेलों में हिस्सा लेने के लिए तैयार होने में मदद मिलती है।

डॉ. कौशाम्बी त्यागी, शिक्षक-प्रभारी
इंस्टाग्राम: @sportsdepartment.drc

राजनीति विज्ञान विभाग

शिक्षक संकाय : डॉ. सुरंजिता राय, श्रीमती गीतांजलि, डॉ. मोइत्री भट्टाचार्य, डॉ. शची चावला, वंदना त्रिपाठी, मंजुला राठ, डॉ. मालविका सिंह, डॉ. शिवाली अग्रवाल, श्री नितेश राय, नूपुर त्रिपाठी, डॉ. स्मिता यादव, डॉ. जग्गू दान रत्नू, डॉ. पीयूष कांत, डॉ. चन्द्र प्रकाश, डॉ. कुनाल कृष्णा

उपलब्धियाँ: अनुसंधान, अध्यापन, सिविल सेवाओं, विधि, सामाजिक कार्य, पत्रकारिता तथा अन्य सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं में कार्यरत विशिष्ट पूर्व छात्राएँ, जो जेंडर स्टडीज़, मानवाधिकार, ग्रामीण-शहरी विकास, सुशासन तथा लोक नीति के क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं।

राजनीति विज्ञान का विषय छात्रों को राजनीतिक सिद्धांत, भारतीय राजनीति, तुलनात्मक राजनीति, लोक प्रशासन, अंतरराष्ट्रीय संबंध और राजनीतिक चिंतन जैसे मुख्य क्षेत्रों की अवधारणाओं का गहराई से विश्लेषण करना सिखाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मुख्य सिद्धांतों और उद्देश्यों के आधार पर ऐसा पाठ्यक्रम तैयार किया गया है जो अवधारणाओं, सिद्धांतों, दृष्टिकोणों, तरीकों और प्रक्रियाओं की समग्र समझ विकसित करता है। साथ ही, यह छात्रों को विश्लेषण करने, आलोचनात्मक व रचनात्मक सोच विकसित करने में सक्षम बनाता है। हमारे बेहतरीन और समर्पित शिक्षक एक मेंटरशिप प्रोग्राम के ज़रिए व्यवस्थित मार्गदर्शन देते हैं। यह प्रोग्राम छात्रों को सेमिनार, वर्कशॉप, स्किल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट, एजुकेशनल ट्रिप, इंटर्नशिप, फील्ड विज़िट और रिसर्च में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे समावेशी, विविध और मल्टी-डिसिप्लिनरी स्कॉलरशिप को बढ़ावा मिलता है।

पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन, "रिपब्लिका", कॉलेज के सालाना फेस्टिवल "मेटामॉर्फोसिस" के दौरान कई तरह की अकादमिक गतिविधिओं में शामिल होने का मौका देता है। हमारे ग्रेजुएट और पोस्ट-ग्रेजुएट छात्रों ने रिसर्च, टीचिंग, सिविल सर्विस, लॉ, सोशल वर्क और जर्नलिज्म जैसे कई करियर क्षेत्रों में बेहतरीन काम किया है। उन्होंने जेंडर स्टडीज़, मानवाधिकार, ग्रामीण और शहरी विकास, गवर्नेंस, पब्लिक पॉलिसी और समकालीन वैश्विक मामलों पर काम करने वाली सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं में भी अहम पद संभाले हैं।

डॉ. स्मिता यादव, शिक्षक-प्रभारी

मनोविज्ञान विभाग

शिक्षक संकाय: प्रो. रजनी साहनी, प्रो. मीतू खोसला, प्रो. पूजा वी. आनंद, लेफ्टिनेंट डॉ. सुपर्णा जैन ठाकुर, डॉ. संध्यारानी हौबाम,डॉ. क्षितिजा वासन, डॉ. राखी सिंह

उपलब्धियाँ: मनोविज्ञान विभाग ने इंडिया टुडे रैंकिंग 2024 में अखिल भारतीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। विभाग की प्रमुख विशेषताओं में विश्वविद्यालय का अपनी तरह का प्रथम मनोविज्ञान संसाधन केन्द्र तथा महाविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए समर्पित परामर्श केन्द्र शामिल हैं।

मनोविज्ञान विभाग ने इंडिया टुडे रैंकिंग 2024 में अखिल भारतीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय दिया है। विभाग की विशिष्ट पहचान विश्वविद्यालय के प्रथम "मनोविज्ञान संसाधन केन्द्र" के रूप में है। यह केन्द्र विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए एक समर्पित परामर्श केन्द्र के रूप में कार्य करता है। इसके अंतर्गत मूल्य सहभागिता केन्द्र, मानसिक स्वास्थ्य केन्द्र, समृद्धि एवं कल्याण केन्द्र तथा क्षमता निर्माण केन्द्र) जैसे विभिन्न विशेषीकृत केन्द्र भी संचालित होते हैं, जो विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास एवं मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विभाग मनोविज्ञान के मूलभूत एवं उन्नत क्षेत्रों का गहन अध्ययन कराते हुए विद्यार्थियों को समग्र एवं समावेशी शिक्षा प्रदान करता है। विभाग में आधुनिक उपकरणों एवं नवीनतम सॉफ्टवेयर से युक्त अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ स्थापित हैं, जिनके माध्यम से विभिन्न मनोवैज्ञानिक प्रयोगों तथा मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का संचालन किया जाता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप विभाग के पाठ्यक्रम में संज्ञानात्मक मनोविज्ञान जैव-मनोविज्ञान, परामर्श मनोविज्ञान, सकारात्मक मनोविज्ञान, अनुमानात्मक सांख्यिकी स्वास्थ्य मनोविज्ञान तथा संगठनात्मक व्यवहार जैसे समकालीन एवं उन्नत विषयों को सम्मिलित किया गया है। समर्पित एवं अनुभवी संकाय सदस्य नवीन शिक्षण-पद्धतियों के माध्यम से इन विषयों का अध्यापन करते हैं।

विभाग की सक्रिय मनोविज्ञान परिषद् द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ तथा कौशल विकास कार्यक्रम तथा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का नियमित आयोजन। विद्यार्थियों द्वारा प्रकाशित वार्षिक पत्रिका 'साइट्रैक' अनुसंधान, शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति का सशक्त मंच।

मनोविज्ञान का अध्ययन विद्यार्थियों के लिए परामर्श मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, नैदानिक मनोविज्ञान, संगठनात्मक मनोविज्ञान, अनुसंधान, शिक्षण, सिविल सेवा, मानव संसाधन प्रबंधन, सामाजिक कार्य, विज्ञापन तथा मीडिया जैसे विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कैरियर की संभावनाएँ उपलब्ध कराता है।

डॉ. संध्यारानी हौबाम, शिक्षक-प्रभारी

संस्कृत विभाग

शिक्षक संकाय : डॉ. शशि शर्मा, डॉ. कामना विमल, डॉ. शारदा गौतम, डॉ. कल्पना आर्य, डॉ. सुशीला कुमारी

उपलब्धियाँ: संस्कृत विभाग को 'इंडिया टुडे' द्वारा लगातार दो वर्षों (2023 और 2024) तक भारत के शीर्ष 10 संस्कृत विभागों में गौरवपूर्ण स्थान दिया गया है। अकादमिक और व्यावहारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया, जिनमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति और संस्कृत: संभावनाएँ और अवसर तथा संस्कृतक्षेत्रे शोधप्रविधि: (भारतीय ज्ञान-परम्परा के ज्ञान-भण्डार की ओर – संस्कृत के लिए शोध-पद्धति), समग्र कल्याण हेतु ज्योतिष विषय पर एस.डी.पी. तथा संस्कृत संभाषण शिविर।

1964 में स्थापित संस्कृत विभाग बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत तथा संस्कृत में बहुविषयक पाठ्यक्रम संचालित करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप विभाग अन्य विषयों के विद्यार्थियों के लिए VAC, GE, SEC तथा AEC पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। विभाग का पाठ्यक्रम संस्कृत भाषा, साहित्य, दर्शन, वैदिक अध्ययन,धर्मशास्त्र, गीता, नीतिसाहित्य एवं व्याकरण की समृद्ध परम्परा को आयुर्वेद, कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स, वेब एप्लीकेशन्स, पर्यावरण अध्ययन तथा भारतीय ज्ञान परम्परा जैसे अंतर्विषयी एवं कौशल-आधारित क्षेत्रों से जोड़ता है। NEP 2020 के अंतर्गत चतुर्थ वर्ष में शोध घटक के प्रारम्भ के साथ बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत के ग्यारह तथा बी.ए. प्रोग्राम के दो छात्राओं ने सफलतापूर्वक अपने शोध-प्रबंध प्रस्तुत किए, जो विभाग में अनुसंधान अभिरुचि, समालोचनात्मक चिंतन तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।

इस विभाग से स्नातक करने वाले छात्रों के लिए सिविल सेवा, पत्रकारिता, कानून, मानव संसाधन प्रबंधन, अनुवाद, वास्तुकला, ज्योतिष, पुरालेखशास्त्र, पांडुलिपि विज्ञान, अनुसंधान, बैंक ,नाटक और सामाजिक कार्य में करियर के विविध अवसर उपलब्ध हैं।

संस्कृत परिषद, "श्रेयस्", शैक्षणिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से छात्रों के बीच टीम वर्क, नेतृत्व क्षमता और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में अत्यधिक सक्रिय रहती है।

डॉ. शारदा गौतम, शिक्षक- प्रभारी

इंस्टाग्राम : shreyas_drcdu, फेसबुक : Shreyas DRC, ट्विटर: @DrcShreyas

वाणिज्य विभाग

शिक्षक संकाय : डॉ. सुनीता, डॉ. गुरमीत कौर, डॉ. रीमा दहल, डॉ. मनीषा जायसवाल, डॉ. शिवानी बंसल, डॉ. मीनाक्षी पालीवाल, डॉ. गीता चौहान, डॉ. रेनू यादव, डॉ. अंजलि बेनेट, दीपिका जिंदल, ऋचा कौर, हिमांशु शेखर साहू, रितु रानी, ईशा कुमारी भट्ट, डॉ. गिरा सिंह, सुरजीत कुमार, रेनू वर्मा, श्री रविन्द्र कुमार, डॉ. कनिका वर्मा, ईशा गोयल, मानसी कनोजिया, डॉ टोनिका राणा

उपलब्धियाँ: शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को इंडिया टुडे रैंकिंग 2025 में भी मान्यता प्राप्त हुई, जहाँ वाणिज्य विभाग ने देशभर के 251 महाविद्यालयों में 15वाँ स्थान प्राप्त किया। विभाग महाविद्यालय का सबसे बड़ा विभाग है, जिसमें समर्पित, अनुभवी तथा अनुसंधानोन्मुख शिक्षक कार्यरत हैं। संकाय सदस्यों की विशेषज्ञता वाणिज्य के विविध क्षेत्रों में है।

वाणिज्य विभाग अपनी बौद्धिक उत्कृष्टता, व्यावहारिक दृष्टिकोण तथा यथार्थपरक शिक्षण-पद्धति के कारण सदैव प्रतिष्ठित, प्रशंसित एवं विद्यार्थियों की प्रथम पसंद रहा है। वर्ष 2019 में विभाग ने अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण किए। विभाग ने वर्ष 1969 में बी.कॉम. पाठ्यक्रम तथा वर्ष 1976 में बी.कॉम. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया। इसके अतिरिक्त विभाग कम्युनिटी साइंस विकल्प सहित बी.ए. प्रोग्राम के अंतर्गत भी विकल्प प्रदान करता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अंतर्गत निर्धारित पाठ्यक्रम संरचना विद्यार्थियों को वित्त, बैंकिंग, निवेश, विपणन, मानव संसाधन प्रबंधन, विधि, लेखांकन, कराधान आदि विविध क्षेत्रों का व्यापक एवं समग्र ज्ञान प्रदान करती है।

विभाग की पूर्व छात्राएँ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं तथा वर्तमान विद्यार्थियों के मार्गदर्शन एवं व्यावसायिक उन्नयन में सक्रिय भूमिका निभाती हैं।

वाणिज्य विभाग में विद्यार्थियों के लिए एक समर्पित कम्प्यूटर प्रयोगशाला उपलब्ध है। अत्यंत सक्रिय एवं प्रभावी प्लेसमेंट प्रकोष्ठ प्रतिष्ठित कंपनियों—जैसे डी. ई. शॉ, डेलॉइट, अर्न्स्ट एंड यंग, जेनपैक्ट आदि में कैंपस प्लेसमेंट की सुविधा प्रदान करता है।

विभाग द्वारा समय-समय पर आयोजित कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता विकसित करने तथा प्रबंधकीय दक्षताओं को सुदृढ़ करने के अवसर प्रदान किए जाते हैं। विभाग की वाणिज्य परिषद् 'कॉमन्यूर (Comneur)' द्वारा कार्यबल 4.0, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित व्यवसाय, विदेश अध्ययन,औद्योगिक भ्रमण तथा अन्य समसामयिक विषयों पर संगोष्ठियों, व्याख्यानों एवं विद्यार्थी-केंद्रित गतिविधियों का नियमित आयोजन किया जाता है।

डॉ. शिवानी बंसल, शिक्षक-प्रभारी

इंस्टाग्राम: @comneur.drc, फेसबुक: @ComSocDRC

जैव रसायन विभाग

शिक्षक संकाय : डॉ. पद्मश्री मुद्गल, डॉ. अनीता गर्ग मंगला, डॉ. राधिका गुप्ता, डॉ. नरेन्द्र कुमार, डॉ. नीरू धमिजा, डॉ. अनीता गोयल, डॉ. नीरज दोहरे।

लैब स्टाफ: श्री आशीष मिश्रा, श्री चमन शर्मा, श्री ललित शर्मा तथा श्री विकास

उपलब्धियाँ: ड्रोसोफिला रिसोर्स सेंटर | ज़ेब्राफिश लैब सुविधा | सी. एलेगन्स रिसर्च लैबोरेटरी (CERL) | न्यूरोफार्माकोलॉजी, ड्रग डिलीवरी और कैंसर रिसर्च लैबोरेटरी (NDCRL)| बायोइनफॉर्मेटिक्स लैब | बायोटेक्नॉलॉजी विभाग, भारत सरकार द्वारा स्टार स्टेटस | DST इंस्पायर साइंस कैंप | रिसाइकलिंग यूनिट |

जैव रसायन विभाग, एक स्टार स्टेटस विभाग, जिसे भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा सम्मानित किया गया है, वर्ष 1988 में शुरू किया गया था और यह बीएससी (ऑनर्स) पाठ्यक्रम प्रदान करता है जो भारत में केवल कुछ कॉलेजों के लिए अद्वितीय है। इसमें बायोमोलेक्यूल्स, प्रोटीन, एंजाइमोलॉजी और इंटरमीडिएटरी मेटाबॉलिज्म जैसे क्षेत्रों के साथ-साथ जीव विज्ञान में उन्नत क्षेत्र जैसे सेल बायोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, बायोइनफॉरमैटिक्स, प्रोटिओमिक्स, जीनोमिक्स, फिजियोलॉजी, हार्मोन बायोकेमिस्ट्री, पोषण संबंधी बायोकेमिस्ट्री, रोगों की बायोकेमिस्ट्री, इम्यूनोलॉजी, आणविक जीव विज्ञान, जेनेटिक्स और जेनेटिक इंजीनियरिंग शामिल हैं। विभाग कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) भी प्रदान करता है: "जैविक अध्ययन में ड्रोसोफिला और ज़ेब्राफ़िश मॉडल जीव" और "सार्वजनिक स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण" छात्राओं को प्रशिक्षित करने और उनके करियर को बढ़ाने के लिए उनके कौशल को निखारने के लिए।

विभाग के पास छात्र-छात्राओं को व्यावहारिक अनुभव देने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं। पीएच.डी. शोधकर्ता, एम.एससी. और चौथी साल के स्नातक छात्राओं को न्यूरोफार्माकोलॉजी, ड्रग डिलीवरी और कैंसर रिसर्च लैबोरेटरी (NDCRL) एवं ज़ेब्रा फ़िश सुविधा में प्रशिक्षित किया जाता है। छात्रों को AIIMS New Delhi, IISER पुणे, IISER मोहाली, NBRC, NIN हैदराबाद, CDFD, RCB, BHU और IGIB जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में किए गए वैज्ञानिक शोध से अवगत कराया जाता है। "वैज्ञानिकों से मिलिए" के तत्वावधान में प्रख्यात वैज्ञानिकों को बातचीत के लिए आमंत्रित किया जाता है। विभाग को विश्वविद्यालय स्तर पर स्थान, KVPY फेलोशिप, DRC रजत जयंती मेरिट छात्रवृत्ति, हर साल ऑल-राउंडर पुरस्कार और प्रवीणता पुरस्कार भी प्राप्त होते हैं। हमारा विभाग विदेशी छात्रों की मेजबानी करता रहा है। विभाग के स्नातकों को आईआईएससी (बेंगलुरु), टीआईएफआर-एनसीबीएस, आईआईएसईआर, एम्स, जेएनयू, यूडीएससी के साथ-साथ कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय और अमेरिका और जर्मनी के विश्वविद्यालयों जैसे प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों में जैव रसायन, जैव प्रौद्योगिकी, आणविक जीव विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, आनुवंशिकी और अन्य जीवन विज्ञान पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से एकीकृत पीएचडी और एमएससी कार्यक्रमों के लिए चुना गया है। विभाग को अपने पूर्व छात्रों पर गर्व है जो जेएनयू, डीआरडीओ, दिल्ली विश्वविद्यालय, एनसीबीएस, आरसीबी, टीएचएसटीआई, अमेरिका और जर्मनी के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और उद्योग में उच्च पदों पर संकाय/वैज्ञानिक पदों पर हैं।

डॉ. नरेन्द्र कुमार, शिक्षक-प्रभारी

वनस्पति विज्ञान विभाग

शिक्षक संकाय : प्रो. रेखा कथल, डॉ. मीनम भाटिया, डॉ. मीनाक्षी शर्मा, डॉ. बसंता कुमार दास, डॉ. सुनीता जॉर्ज, डॉ. विधि चौधरी, डॉ. प्रियंका राठौर, डॉ. रेम्या कृष्णन, डॉ. आराधना यादव, डॉ. अस्मिता गुप्ता, डॉ. प्रतिभा कुमारी, डॉ. शगुन ढाडा एवं डॉ. कमलेश कुमारी

लैब स्टाफ: श्री सुरेश कुमार, श्री रमेश नागर, श्री सतीश चौहान, श्री महेंद्र पाल, श्री रामबीर मान, श्री नीरज तथा सुश्री गीतांजलि।

उपलब्धियाँ: इंडिया टुडे रैंकिंग 2025 में अखिल भारतीय 7वाँ स्थान, समृद्ध वनस्पति उद्यान,| भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) द्वारा स्टार स्टेटस (2013) से सम्मानित।

सन् 1968 में स्थापित दौलत राम महाविद्यालय का वनस्पति विज्ञान विभाग पादप विज्ञान के शिक्षण एवं अनुसंधान के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के अग्रणी विभागों में से एक है। विभाग के सभी शिक्षक उच्च शिक्षित, अनुभवी एवं अपने विषय के प्रति समर्पित हैं। वे विद्यार्थियों को पादप विज्ञान के विभिन्न आयामों के साथ-साथ जैव-सांख्यिकी (Biostatistics) का गुणवत्तापूर्ण एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करते हैं। विभाग में आधुनिक सुविधाओं से युक्त कक्षाएँ, व्याख्यान कक्ष, सुसज्जित प्रयोगशालाएँ, समृद्ध नमूना-संग्रहालय (Museum), ऊतक संवर्धन (Tissue Culture) प्रयोगशाला तथा जैव-सूचनाविज्ञान (Bioinformatics) प्रयोगशाला उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं व्यावसायिक कौशल के विकास के लिए विभाग समय-समय पर कौशल विकास कार्यक्रम (SDPs), संकाय विकास कार्यक्रम (FDPs), कार्यशालाएँ, संगोष्ठियाँ तथा प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के व्याख्यान आयोजित करता है।

विभाग का वनस्पति उद्यान इसकी प्रमुख विशेषता है। यह विद्यार्थियों को पादप वर्गिकी (Taxonomy), औषधीय पादपों तथा पादप जगत के अनुकूलनात्मक लक्षणों (Adaptive Features) का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, विभाग अनुसंधान संस्थानों, जैव-विविधता उद्यानों तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों के शैक्षणिक भ्रमण भी नियमित रूप से आयोजित करता है।

विभाग की 'वसुन्धरा' (Vasundhara) वनस्पति सोसाइटी वर्षभर विविध शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का आयोजन करती है। इनमें विशिष्ट वक्ताओं के व्याख्यान, कार्यशालाएँ, संगोष्ठियाँ, प्रतियोगिताएँ तथा करियर परामर्श सत्र प्रमुख हैं, जो विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, नेतृत्व क्षमता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विभाग में संचालित बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान तथा बी.एससी. (प्रोग्राम) लाइफ साइंस के चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को पादप विज्ञान का गहन एवं समग्र ज्ञान प्रदान करते हैं तथा उन्हें इस क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का आत्मविश्वासपूर्वक सामना करने के लिए तैयार करते हैं।

डॉ. बसंता कुमार दास, शिक्षक-प्रभारी

रसायन विज्ञान विभाग

शिक्षक संकाय : डॉ. अर्चना गुप्ता, प्रो. प्रीति मल्होत्रा, डॉ. ऋतु गुप्ता, प्रो. दर्शन सिंह, डॉ. हेमेन्द्र कुमार, डॉ. अवनीत कौर, डॉ. आरती जैन, डॉ. दिव्या माथुर, डॉ. अनामिका देबनाथ, डॉ. मनोज त्रिवेदी, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. प्रीति चड्ढा, डॉ. गौरी आहूजा एवं डॉ. अनुराधा

लैब स्टाफ: श्री राज कुमार, श्रीमती सरला पाण्डेय, श्री राजीव कुमार, श्री शशि भूषण अत्री, श्री भुवनेश्वर, श्री अनूप सिंह, श्री दिनेश कुमार, श्री अनुज कुमार, श्री मिश्वान शेरगिल, श्री मनीष कुमार, श्री सचिन गिरि

उपलब्धियाँ: भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) द्वारा स्टार स्टेटस से सम्मानित। नैनोप्रौद्योगिकी, कार्बनिक संश्लेषण एवं पर्यावरणीय शोधन विषयों पर पाँच अंतर्विषयी नवधारा परियोजनाएँ | प्राणी विज्ञान विभाग के सहयोग से सीएसआईआर-एस्पायर (CSIR-ASPIRE) द्वारा वित्तपोषित प्रमुख अनुसंधान परियोजना

रसायन विज्ञान विभाग रासायनिक विज्ञान एवं रसायन-आधारित अनुप्रयुक्त विज्ञानों के अध्ययन हेतु विद्यार्थियों को समग्र एवं उत्कृष्ट शिक्षण वातावरण प्रदान करता है। विभाग विद्यार्थियों को परमाणुओं एवं अणुओं की रोचक तथा व्यापक वैज्ञानिक दुनिया का अन्वेषण करने के विविध अवसर उपलब्ध कराता है। यहाँ एनालिटिकल केमिस्ट्री, पॉलिमर साइंस, फॉरेंसिक साइंस, मैटेरियल साइंस, बायोटेक्नोलॉजी, बायोइन्फॉर्मेटिक्स तथा नैनोटेक्नोलॉजी जैसे उभरते एवं बहुआयामी विषय स्नातकोत्तर अध्ययन एवं अनुसंधान के लिए सुदृढ़ आधार प्राप्त करते हैं। इसके अतिरिक्त वे एम.बी.ए., एम.सी.ए., बी.एड., सिविल सेवा तथा अन्य प्रशासनिक एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में भी अपने लिए उत्कृष्ट करियर के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

विभाग के शिक्षक उच्च शिक्षित, अनुभवी एवं अपने विषय के प्रति पूर्णतः समर्पित हैं, जो विद्यार्थियों को सुदृढ़ सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल भी प्रदान करते हैं। पाठ्यक्रम आधारित शिक्षण के अतिरिक्त विभाग विद्यार्थियों को अनुसंधान एवं नवाचार के प्रति निरन्तर प्रेरित करता है। विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं, समर स्कूलों तथा इंटर्नशिप कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को वैज्ञानिक अनुसंधान की आधुनिक विधियों एवं तकनीकों से परिचित कराया जाता है।

विभाग में नियमित प्रयोगात्मक शिक्षण एवं अनुसंधान कार्यों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त प्रयोगशालाएँ उपलब्ध हैं। विभाग की 'केम्फोरिया' रसायन विज्ञान सोसाइटी समय-समय पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों, संगोष्ठियों तथा वैज्ञानिक व्याख्यानों का आयोजन करती है। इन आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को नवीन वैज्ञानिक उपलब्धियों से परिचित होने, प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित करने, विचारों का आदान-प्रदान करने तथा अनुसंधान सहयोग के अवसर प्राप्त होते हैं।

डॉ. अवनीत कौर, शिक्षक-प्रभारी

गणित विभाग

शिक्षक संकाय : डॉ. सीमा खुराना, डॉ. पूनम लखोटिया, डॉ. ज्योति शर्मा, डॉ. विकास ढाका, डॉ. उमेश कुमारी, डॉ. शैली वर्मा, डॉ. आस्था चौहान, वीरेन्द्र कुमार, सपना कुमारी मीणा

उपलब्धियाँ: पुरस्कार (शैक्षणिक) एवं छात्रवृत्तियाँ (स्नातक एवं स्नातकोत्तर): एनबीएचएम(NBHM) छात्रवृत्ति तथा इंस्पायर (INSPIRE) कार्यक्रम का हिस्सा

"गणित कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) की आधारशिला है, क्योंकि यह मशीनों को एक बुद्धिमान प्राणी की तरह सीखने, भविष्यवाणी करने और निर्णय लेने में सक्षम बनाता है।"

गणित विभाग को कॉलेज में वर्ष 1964 में स्थापित किया गया था। प्रारंभ में, गणित को बी.ए. (प्रोग्राम) में आरम्भ किया गया था तथा 2006 में बी. एस. सी. गणित(ऑनर्स) शुरू किया गया। वर्तमान में, गणित विभाग बी. एस. सी. (ऑनर्स) एनईपी 2020 के आधार पर यूजीसीएफ -2022 के तहत सभी स्ट्रीम की छात्राओं के लिए ऑफर करता है। बी. एस. सी. गणित ऑनर्स कोर्स के अलावा, इसे बी.ए. (प्रोग्राम) और अन्य बी.ए. (ऑनर्स) और बी.एस. सी. के लिए जेनेरिक पेपर, एस.ई.सी. (स्किल एन्हांसमेंट कोर्स) और वी.ए.सी. (वैल्यू एडिशन कोर्स) जैसे विभिन्न पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है।

पाठ्यक्रम संरचना छात्राओं को उन्नत सॉफ्टवेयर्स जैसे कि मैथेमेटिका, आर, लेटेक्स, टोरा आदि के उपयोग के माध्यम से वैचारिक समझ विकसित करने का प्रयास करता है। शैक्षणिक सत्र 2025–26 में विभाग के 16 विद्यार्थियों ने स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रम के चतुर्थ वर्ष में प्रवेश लेकर उत्साहपूर्वक शोध कार्य में भाग लिया।

"एफाइन", जो कि गणित की छात्राओं की एक एसोसिएशन है, पूरे वर्ष प्रख्यात प्रोफेसरों द्वारा विभिन्न व्याख्यान का आयोजन करता है। एक अंतर-कॉलेज वार्षिक त्योहार "शून्य" का आयोजन किया जाता है जिसमें कई शैक्षणिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, वार्षिक समाचार पत्र "मैथ पंच" लॉन्च किया जाता है, जो छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा को सामने लाता है।

छात्राओं को शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने के लिए, कॉलेज विभिन्न पुरस्कारों को पुरस्कृत करता है। इसके अलावा, छात्राएं विभिन्न छात्रवृत्ति जैसे एनबीएचएम छात्रवृत्ति, इंस्पायर प्रोग्राम आदि के लिए भी आवेदन कर सकती हैं। गणित में स्नातक छात्राएं गणित, स्टेटिस्टिक्स, ऑपरेशन रिसर्च, इकोनॉमिक्स इत्यादि विषयों में स्नातकोत्तर डिग्री के साथ साथ एम बी ए, एम सी ए, फाइनेंस इत्यादि के लिए भी सक्षम बनती हैं। इन सबके अलावा भी मशीन लर्निंग, डाटा साइंस, एकाउंटेंसी, वित्त, बीमा, बैंकिंग इत्यादि में करियर के अवसर बढ़ जाते हैं।

विद्यार्थियों में बौद्धिक जिज्ञासा और समालोचनात्मक चिंतन की भावना का विकास करना तथा उनमें नवाचार की इच्छा को प्रोत्साहित करना गणित विभाग का प्रमुख उद्देश्य है।

डॉ. ज्योति शर्मा, शिक्षक-प्रभारी

इंस्टाग्राम:

https://www.instagram.com/affine_drc?utm_source=ig_web_button_share_sheet&igsh=ZDNlZDc0MzIxNw==

भौतिकी विभाग

संकाय सदस्य: प्रो. सविता रॉय (प्राचार्या), डॉ. ओंकार मंगला, डॉ. रेणु, डॉ. ओमवती राणा, डॉ. निशा बाला, डॉ. मनोज गिरी, डॉ. शिवानी अग्रवाल, डॉ. मनीषा मीणा, डॉ. नीरू सहदेव

लैब स्टाफ : श्री दिनेश कुमार, श्री देविंदर कुमार पाल, श्री संतोष कुमार, श्री विवेक कश्यप, सुश्री प्रेमलता, श्री अनिल कुमार।

उपलब्धियाँ: अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शोध-पत्रिकाओं में अनेक शोध-पत्र प्रकाशित। 'डिज़ाइनिंग एन आर्डुइनो-पावर्ड मोशन डिटेक्शन सिस्टम' विषय पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सहित कौशल विकास कार्यक्रम का सफल आयोजन।

दौलत राम महाविद्यालय का भौतिकी विभाग अपनी स्थापना के लगभग 47 वर्षों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, अनुसंधान तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के संवर्धन के लिए समर्पित है। विभाग में आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ तथा समृद्ध पुस्तकालय उपलब्ध है, जो विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षण-अधिगम वातावरण प्रदान करते हैं।

विभाग में भौतिकी (ऑनर्स) स्नातक पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। यह पाठ्यक्रम भौतिकी के मूलभूत सिद्धान्तों का गहन अध्ययन कराते हुए गणित एवं रसायन विज्ञान के साथ उनके अंतर्संबंधों को भी समाहित करता है। पाठ्यक्रम की संरचना विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक क्षमता, मात्रात्मक चिंतन, तार्किक दृष्टि तथा समस्या-समाधान कौशल का विकास करने के उद्देश्य से तैयार की गई है। इसके माध्यम से विद्यार्थी विशाल आँकड़ों का वैज्ञानिक विश्लेषण करने तथा उन्हें प्रभावी एवं सुगम रूप में प्रस्तुत करने की दक्षता अर्जित करते हैं।

भौतिकी का अध्ययन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जिज्ञासा, तर्कशीलता तथा यह समझ विकसित करता है कि प्राकृतिक घटनाएँ किस प्रकार कार्य करती हैं। यही गुण उन्हें अनुसंधान, शिक्षा, उद्योग, डेटा विश्लेषण, सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान तथा अन्य विविध व्यावसायिक क्षेत्रों में सफलतापूर्वक कार्य करने के लिए सक्षम बनाते हैं।

विभाग शोध एवं नवाचार को निरंतर प्रोत्साहित करता है। संकाय सदस्यों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित शोध-पत्रिकाओं में नियमित रूप से शोध-पत्र प्रकाशित किए जाते हैं। साथ ही, विद्यार्थियों को नवीन प्रौद्योगिकियों से परिचित कराने के उद्देश्य से कौशल विकास कार्यक्रम, कार्यशालाएँ तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं।

डॉ. निशा बाला, शिक्षक-प्रभारी

इंस्टाग्राम: @coherence_drc

प्राणी विज्ञान विभाग

शिक्षक संकाय : डॉ. अंजू जैन, सुश्री रोहिणी आर्य, डॉ. मीनाक्षी ठाकुर, डॉ. अन्ना सेनरुंग, डॉ. ज्योति तनेजा, डॉ. मधु, डॉ. सोनिका शर्मा, डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. नेहा निहारिका, डॉ. ज्योत्स्ना सिंह, डॉ. सुनीता कुमारी यादव।

लैब स्टाफ: श्री अनिल, श्री राजीव, श्री मुकेश, श्री पुनीत, श्री अजय।

उपलब्धियाँ: डीबीटी स्टार स्टेटस, छात्र-संकाय सहयोग वाले विभिन्न नवधारा प्रोजेक्ट्स, दो प्रतिष्ठित CSIR-ASPIRE परियोजनाएँ तथा अनुसंधान गतिविधियों में उल्लेखनीय सफलता शामिल है। विभाग का वैश्विक पूर्व छात्र नेटवर्क इसकी एक विशिष्ट पहचान है। विभाग की पूर्व छात्रायें विभिन्न केंद्रीय एवं CSIR प्रयोगशालाओं, भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS), अमेरिकी संघीय सेवाओं(US Federal Services) और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में शोध टीमों में कार्यरत हैं। विभाग की छात्रायें नियमित रूप से विश्वविद्यालय में शीर्ष स्थान प्राप्त करती हैं तथा प्रतिष्ठित छात्रवृत्तियाँ अर्जित कर शैक्षणिक एवं पाठ्येतर गतिविधियों में महाविद्यालय का गौरव बढ़ाती हैं।

1968 में स्थापित, दौलत राम कॉलेज का प्राणी विज्ञान (जूलॉजी) विभाग जैविक विज्ञान के क्षेत्र का एक अग्रणी विभाग है, जिसे भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) द्वारा प्रतिष्ठित 'स्टार स्टेटस' से सम्मानित किया गया है। विभाग बी.एससी. (ऑनर्स) जूलॉजी तथा बी.एससी. लाइफ साइंस के माध्यम से उत्कृष्ट स्नातक शिक्षा प्रदान करता है। विभाग में आधुनिक एवं अत्याधुनिक बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इनमें एलसीडी प्रोजेक्टर से सुसज्जित वातानुकूलित प्रयोगशालाएँ, ड्रोसोफिला रिसोर्स सेंटर, समृद्ध जूलॉजी संग्रहालय, विभागीय पुस्तकालय, स्वतंत्र रीडिंग रूम तथा हाई-स्पीड इंटरनेट सुविधा से युक्त समर्पित कंप्यूटर लैब शामिल हैं। विभाग के विशेषज्ञ एवं अनुभवी संकाय सदस्य सार्वजनिक स्वास्थ्य, ड्रोसोफिला को मॉडल जीव के रूप में, नैनोटेक्नोलॉजी के अनुप्रयोग तथा टिशू कल्चर के माध्यम से कैंसर रोग के अध्ययन जैसे अत्याधुनिक अनुसंधान क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं।

नियमित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त विभाग विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं करियर निर्माण को विशेष महत्त्व देता है। प्रतिवर्ष ग्रीष्म एवं शीतकालीन अवकाश के दौरान कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विभाग की सक्रिय जूलॉजिकल सोसाइटी "KOSHIKA" (कोशिका) वर्षभर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार, क्विज़, कार्यशालाएँ, विशेषज्ञ व्याख्यान तथा अन्य शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का आयोजन करती है। इसके साथ ही, मेंटर-मेंटी व्यवस्था के अंतर्गत नियमित एलुमनाई टॉक सीरीज आयोजित की जाती है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, अनुसंधान, प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं एवं विविध करियर विकल्पों के संबंध में प्रभावी मार्गदर्शन एवं प्रेरणा प्रदान की जाती है।

डॉ. ज्योत्स्ना सिंह, शिक्षक प्रभारी
इन्स्टाग्राम: https://www.instagram.com/zoodrcdu/

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं स्वच्छता समिति

"सफलता का वास्तविक माप केवल हमारी उपलब्धियाँ ही नहीं बल्कि वह योगदान भी है जो हम दूसरों के जीवन में करते हैं" राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), दौलत राम कॉलेज में यह विचार केवल एक सिद्धांत नहीं, बल्कि एक जीवंत अनुभव है। अपने प्रेरणादायी आदर्श वाक्य "स्वयं से पहले आप" (Not Me, But You) के मार्गदर्शन में, एनएसएस एक ऐसी सशक्त पहल है जहाँ संवेदनशीलता सेवा में और सेवा सामाजिक परिवर्तन में परिवर्तित होती है।

शैक्षणिक सत्र २०२५–२६ के दौरान स्वयंसेवकों ने पर्यावरण संरक्षण अभियानों, स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रमों, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता अभियानों, साक्षरता गतिविधियों, आत्मरक्षा कार्यशालाओं, दान अभियानों तथा सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में सार्थक योगदान दिया। प्रत्येक पहल समाज के प्रति उत्तरदायित्व, सहयोग और निस्वार्थ सेवा की भावना का प्रतीक रही। नेतृत्व, सामाजिक चेतना और सक्रिय नागरिकता को प्रोत्साहित करते हुए, एनएसएस विद्यार्थियों को केवल परिवर्तन का साक्षी नहीं, बल्कि परिवर्तन का वाहक बनने के लिए प्रेरित करता है।

स्वच्छता समिति

"यदि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत दायित्व न होकर सामूहिक उत्तरदायित्व बन जाए, तो क्या होगा?" इसी विचार को साकार करने के उद्देश्य से दौलत राम कॉलेज की स्वच्छता समिति परिसर में स्वच्छता, सतत विकास तथा पर्यावरण संरक्षण की संस्कृति को प्रोत्साहित करती है।

समिति परिसर स्वच्छता अभियान, कचरा पृथक्करण, पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) पहल, जैविक खाद (कम्पोस्ट) निर्माण तथा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को उत्तरदायी एवं पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करती है। समिति की प्रत्येक पहल स्वच्छ, हरित एवं सतत परिसर के निर्माण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है तथा सामाजिक एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व से युक्त नागरिकों के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

कार्यक्रम अधिकारी एवं संयोजक : डॉ. शारदा गौतम
लिंक्डइन: https://www.linkedin.com/company/national-service-scheme-daulat-ram-college/
इंस्टाग्राम: https://www.instagram.com/nssdrc?igsh=Z2tncjdzdnljYmo5&utm_source=qr
ट्विटर: https://x.com/nssdrc
यूट्यूब: https://www.youtube.com/@NSSDRC

राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC)

दौलत राम कॉलेज की राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) अपने कैडेटों को अनुशासित, प्रेरणादायक एवं साहसिक अनुभव प्रदान करती है। हम अपने आदर्श वाक्य—"एकता और अनुशासन" (Unity and Discipline)—का पूर्ण निष्ठा के साथ पालन करते हैं।

एनसीसी में 160 कैडेट हैं। हमारे कैडेट कम्बाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप (CATC), एडवांस्ड लर्निंग कैंप (ALC), थल सैनिक कैंप (TSC) तथा एक भारत श्रेष्ठ भारत (EBSB) जैसे विभिन्न राष्ट्रीय शिविरों एवं प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। उन्हें कंचन सूर्य–दार्जिलिंग ट्रेक, बाघान–सिक्किम ट्रेक तथा अजमेर ट्रेक जैसे ट्रेकिंग शिविरों में भाग लेने का अवसर भी प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त, कैडेटों को एवरेस्ट एवं प्री-एवरेस्ट अभियानों जैसी जीवन में एक बार मिलने वाली विशिष्ट उपलब्धियों का भी अवसर मिलता है।

एनसीसी कैडेटों ने वृक्षारोपण, स्वच्छ भारत अभियान, सड़क सुरक्षा तथा अन्य सामाजिक विषयों पर जागरूकता अभियान, दान अभियान एवं संगोष्ठियों के माध्यम से राष्ट्रसेवा कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है। साथ ही, वे रक्षा सेवाओं एवं एसएसबी (सेवा चयन बोर्ड) की तैयारी से संबंधित ऑनलाइन एवं ऑफलाइन वेबिनार तथा सम्मेलनों में भी सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

महाविद्यालय प्रतिवर्ष "बुलंद" नामक एनसीसी सह-पाठ्यक्रमीय कार्यक्रम का आयोजन भी करता है, जिसमें अंतर-महाविद्यालयीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। यह कार्यक्रम कैडेटों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का अवसर प्रदान करता है तथा उन्हें अपनी प्रतिभा एवं कौशल का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है।

हमारे कैडेट सदैव स्वयं का श्रेष्ठतम स्वरूप विकसित करने का प्रयास करते हैं तथा अपने आसपास के लोगों को भी प्रेरित करते हैं, ताकि वे केवल अपने कार्यस्थल या परिवार ही नहीं, बल्कि राष्ट्र एवं विश्व के लिए भी एक मूल्यवान संपदा सिद्ध हों।

सहायक एनसीसी अधिकारी : लेफ्टिनेंट डॉ. सुपर्णा जैन ठाकुर

इंस्टाग्राम: https://www.instagram.com/nccdrc_?igsh=MTh4OTZ3bzkyanUzcA==

लिंकट्री: https://linktr.ee/buland25?fbclid=PAQ0xDSwLkJetleHRuA2FlbQIxMQABp47Kf1E4gkegqZ5P-mrvZXE2IRLdJqdocv1oMLMi4pkdOfRyhZGxe59nRHV1_aem_NzTJOK2cPbZgJulbEW1-IQ

राष्ट्रीय खेल संगठन (NSO)

दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय खेल संगठन (एनएसओ) ने शैक्षणिक सत्र 2025–26 के दौरान खेलों में सहभागिता, शारीरिक स्वास्थ्य एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास को निरंतर प्रोत्साहित किया। अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में लगभग 900 विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल एवं फिटनेस गतिविधियों में भाग लिया।

स्पोर्ट्स बोर्ड द्वारा १५ अक्टूबर २०२५ को फ्रेशर्स स्पोर्ट्स मीट २०२५–२६ का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग ३०० विद्यार्थियों ने एथलेटिक्स एवं इनडोर प्रतियोगिताओं, जैसे ट्रैक एवं फील्ड, टेबल टेनिस तथा शतरंज, में भाग लिया। विजेताओं को पदक एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने विश्वविद्यालय, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कीं। खुशी ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए शूटिंग बॉल विश्व कप चैंपियनशिप का खिताब जीता, जबकि मनु ने ३८वें राष्ट्रीय खेलों में दिल्ली का प्रतिनिधित्व करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कबड्डी एवं फेंसिंग प्रतियोगिताओं में भी किया तथा अंतर-महाविद्यालयीय, राज्यस्तरीय, राष्ट्रीय एवं खेलो इंडिया प्रतियोगिताओं में सराहनीय प्रदर्शन किया।

स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभाग ने १७ जनवरी २०२६ को "साइक्लोथॉन डीआरसी" का आयोजन "कम स्क्रीन समय, अधिक सक्रियता" (Less Screen Time, More Activity Time) विषय पर किया।

नियमित एनएसओ कक्षाओं एवं प्रातःकालीन प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबॉल, खो-खो, फेंसिंग तथा जिम/फिटनेस प्रशिक्षण में विद्यार्थियों की शारीरिक क्षमता, खेल-कौशल एवं प्रतिस्पर्धात्मक प्रदर्शन को सुदृढ़ बनाने पर विशेष बल दिया गया।

१४ फ़रवरी २०२६ को "खेल पोषण, चोटों की रोकथाम एवं पुनर्वास" विषय पर डॉ. सुनील गुप्ता (बीपीटी, एमपीटी (न्यूरो), एमआईएपी) द्वारा एक विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान में खेल पोषण, खेल-संबंधी चोटों की रोकथाम तथा पुनर्वास से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर उपयोगी जानकारी प्रदान की गई।

शारीरिक शिक्षा विभाग खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के साथ-साथ विद्यार्थियों में स्वास्थ्य, अनुशासन, टीम भावना एवं समग्र व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

समन्वयक : डॉ. कौशाम्बी त्यागी एवं डॉ. आज़ाद सिंह

तमसो मा ज्योतिर्गमय

दौलत राम महाविद्यालय

परंपरा • उत्कृष्टता • नेतृत्व

महाविद्यालय की सुविधाएँ

सद्भावना भवन (ऑडिटोरियम)

आधुनिक सुविधाओं से युक्त सभागार, जहाँ संगोष्ठियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

रंगशाला

खुले वातावरण में निर्मित एम्फ़ीथिएटर, जो सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, सभाओं एवं विभिन्न बाह्य आयोजनों के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराता है।

सम्मेलन कक्ष (Conference Hall)

बैठकों, प्रस्तुतियों एवं कार्यशालाओं के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित सम्मेलन कक्ष, जो सहयोगात्मक कार्य एवं विचार-विमर्श को प्रोत्साहित करता है।

कंप्यूटर प्रयोगशाला

उच्च क्षमता वाले कंप्यूटरों एवं इंटरनेट सुविधा से युक्त आधुनिक कंप्यूटर प्रयोगशाला, जो शैक्षणिक अध्ययन एवं अनुसंधान को प्रभावी सहयोग प्रदान करती है।

दौलत राम महाविद्यालय

परंपरा • उत्कृष्टता • नेतृत्व

तमसो मा ज्योतिर्गमय

महाविद्यालय की सुविधाएँ

खेल परिसर
(Sports Complex)

विशाल एवं हरित परिसर से युक्त खेल मैदान, जहाँ विभिन्न बाह्य खेलों एवं एथलेटिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

व्यायामशाला
(Gymnasium)

आधुनिक फिटनेस उपकरणों से सुसज्जित व्यायामशाला, जो विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं शारीरिक तंदुरूस्ती को प्रोत्साहित करती है।

कैंटीन एवं नेस्कैफे क्षेत्र

स्वच्छ एवं आरामदायक कैंटीन, जिसमें नेस्कैफे आउटलेट के माध्यम से विभिन्न प्रकार के अल्पाहार एवं भोजन की सुविधा उपलब्ध है।

बैंकिंग सुविधा

महाविद्यालय परिसर में इंडियन ओवरसीज बैंक की बैंकिंग सुविधा, जिससे विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को सुविधाजनक वित्तीय सेवाएँ प्राप्त होती हैं।

तमसो मा ज्योतिर्गमय

दौलत राम महाविद्यालय

परंपरा • उत्कृष्टता • नेतृत्व

महाविद्यालय की सुविधाएं

चिकित्सा कक्ष

प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं एवं प्रशिक्षित कर्मियों से युक्त चिकित्सा कक्ष, जो विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, कल्याण तथा आवश्यकता पड़ने पर त्वरित चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करता है।

परामर्श कक्ष

विद्यार्थियों को व्यक्तिगत, शैक्षणिक एवं भावनात्मक कल्याण से संबंधित मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रदान करने हेतु समर्पित कक्ष।

सक्षम इकाई कक्ष

समावेशन (Inclusion) एवं सुगम्यता (Accesibility) को बढ़ावा देने वाली इकाई, जो विशेष आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों को आवश्यक सहयोग एवं सुविधाएँ प्रदान करती है।

छात्राओं का सामान्य कक्ष

छात्राओं के लिए सुरक्षित एवं आरामदायक स्थान, जहाँ वे विश्राम कर सकती हैं, परस्पर संवाद स्थापित कर सकती हैं तथा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सहभागिता कर सकती हैं।

दौलत राम महाविद्यालय

परंपरा • उत्कृष्टता • नेतृत्व

तमसो मा ज्योतिर्गमय

महाविद्यालय की सुविधाएँ

शिक्षक अध्ययन कक्ष

शिक्षकों के लिए आरामदायक एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त अध्ययन एवं कार्यस्थल, जो सहयोगात्मक कार्य, विचार-विमर्श एवं प्रभावी कार्य निष्पादन के लिए उपयुक्त वातावरण प्रदान करता है।

पुनर्चक्रण इकाई

अपशिष्ट पृथक्करण एवं पुनर्चक्रण के लिए समर्पित इकाई, जो स्वच्छ, हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल परिसर के निर्माण में योगदान देती है।

वनस्पति उद्यान

विविध प्रकार के पौधों एवं पुष्पों से समृद्ध उद्यान, जो प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, पर्यावरणीय जागरूकता एवं वनस्पति अध्ययन को प्रोत्साहित करता है।

ग्लास हाउस

सुव्यवस्थित काच गृह, जिसमें विभिन्न प्रकार के पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन किया जाता है तथा सतत (Sustainable) अधिगम एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया जाता है।

पुस्तकालय

महाविद्यालय के पुस्तकालय में विभिन्न विषयों तथा पाठकों की विविध रुचियों से संबंधित एक लाख से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। पुस्तकालय के प्रबंधन एवं उपयोगकर्ताओं के लिए डिजिटल मंच उपलब्ध कराने हेतु उन्नत स्तर के KOHA (Library Automation and Management System) सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त, D-Space सॉफ्टवेयर भी उपलब्ध है, जिसके माध्यम से "कोष (KOSH)" नामक डिजिटल रिपॉज़िटरी का निर्माण एवं प्रबंधन किया जाता है।

पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को अनेक सुविधाएँ प्रदान करता है, जिनमें पुस्तकालय के संग्रह एवं सेवाओं तक दूरस्थ (Remote) पहुँच, ओपन-एक्सेस डेटाबेस, ब्रेल पुस्तकालय की सुविधा, ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (Web-OPAC), पुस्तकालय संबंधी आँकड़े तथा नवीन आगमन (New Arrivals) की जानकारी शामिल हैं। पुस्तकालय की अपनी वेबपेज भी है, जिसमें पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के लिए आवश्यक एवं महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ तथा उपयोगी संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं।

हाल ही में पुस्तकालय ने "KIBO" सॉफ्टवेयर की सदस्यता ली है, जो पाठ्य सामग्री को भारतीय भाषाओं सहित 100 से अधिक भाषाओं में ऑडियो स्वरूप में परिवर्तित करने की सुविधा प्रदान करता है। KIBO विशेष रूप से दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है, जिससे उन्हें अध्ययन सामग्री उनकी इच्छित भाषा में श्रव्य (ऑडियो) रूप में उपलब्ध कराई जा सके।

पुस्तकालय द्वारा "श्री रामालय" नामक एक नई पहल भी आरम्भ की गई है, जिसका उद्देश्य भगवान श्रीराम से संबंधित समस्त साहित्य को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है, ताकि इस विषय में रुचि रखने वाले शोधार्थियों एवं विद्वानों को अध्ययन एवं अनुसंधान में सुविधा प्राप्त हो सके।

पुस्तकालयाध्यक्ष: श्री पवन त्रिपाठी

दौलत राम महाविद्यालय छात्रावास

द स्कॉलर्स नेस्ट (The Scholars' Nest)

वर्ष 1974 में स्थापित, दौलत राम महाविद्यालय छात्रावास महाविद्यालय परिसर में स्थित एक उत्कृष्ट आवासीय सुविधा है। यह लगभग 200 स्नातक छात्राओं के लिए आवास उपलब्ध कराता है तथा उन्हें घर जैसा सुरक्षित, समावेशी और अध्ययन-अनुकूल वातावरण प्रदान करता है, जो उनके शैक्षणिक एवं व्यक्तित्व विकास में सहायक है।

छात्रावास में निवासरत छात्राओं की सुविधा एवं कल्याण के लिए आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इनमें सुसज्जित, विशाल एवं वातानुकूलित कक्ष, डिजिटल कनेक्टिविटी से युक्त कंप्यूटर कक्ष, परिचारिका (नर्स) सहित चिकित्सा कक्ष, आगंतुक कक्ष, व्यायामशाला, इनडोर खेल क्षेत्र तथा भोजन कक्ष शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, छात्रावास में सामुदायिक रसोईघर, आंतरिक लॉन्ड्री सेवा, महाविद्यालय के छात्र परामर्श केंद्र (Student Counselling Centre) तथा WUS Health Centre की सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं।

छात्रावास में निवासरत छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए परिसर में सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था तथा नियंत्रित प्रवेश प्रणाली की सुविधा उपलब्ध है। छात्रावास के दैनिक संचालन एवं सभी सुविधाओं के सुचारु प्रबंधन के लिए गृह-व्यवस्था (हाउसकीपिंग) कर्मियों, माली, पर्यवेक्षकों तथा सुरक्षा कर्मियों की एक समर्पित टीम कार्यरत है। छात्रावास प्रशासन स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने पर विशेष बल देता है। भोजन की तैयारी में स्वच्छता, गुणवत्ता और पोषण का विशेष ध्यान रखा जाता है, ताकि छात्राओं के स्वास्थ्य एवं समग्र कल्याण को सुनिश्चित किया जा सके।

छात्रावास छात्राओं को पाठ्येतर, सांस्कृतिक एवं मनोरंजक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। इन गतिविधियों के माध्यम से उनके समग्र व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता तथा सामुदायिक भावना का विकास होता है। ये आयोजन न केवल छात्राओं के महाविद्यालयीन जीवन को अधिक समृद्ध एवं आनंददायक बनाते हैं, बल्कि उनमें मैत्री, टीम भावना और अपनत्व की भावना को भी सुदृढ़ करते हैं।

सुव्यवस्थित एवं हरित लॉनों तथा सुंदर उद्यानों से घिरा यह छात्रावास शांत, मनोहारी और स्फूर्तिदायक वातावरण प्रदान करता है। परिसर में एक किचन गार्डन तथा एक औषधीय (हर्बल) उद्यान भी विकसित किया गया है, जो छात्रावास की सतत् विकास (सस्टेनेबिलिटी) एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वर्षों से यह छात्रावास अपने उत्कृष्ट रखरखाव, सुव्यवस्थित प्रबंधन तथा उच्च गुणवत्ता वाली आवासीय सुविधाओं के कारण University of Delhi के छात्रावासों में सर्वश्रेष्ठ सुव्यवस्थित छात्रावासों में से एक के रूप में प्रतिष्ठित रहा है।

छात्रावास को अपनी प्रतिष्ठित पूर्व छात्राओं पर गर्व है, जिन्होंने न्यायपालिका, विज्ञान, प्रशासन, शिक्षाजगत तथा अन्य अनेक व्यावसायिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है।

समग्र रूप से, दौलत राम महाविद्यालय छात्रावास छात्राओं के महाविद्यालयीन जीवन को समृद्ध बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह उन्हें एक स्नेहपूर्ण, सहयोगात्मक एवं जीवंत आवासीय वातावरण प्रदान करता है, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता, व्यक्तित्व विकास तथा आजीवन मित्रता के सुदृढ़ संबंधों को प्रोत्साहित करता है।

छात्रावास University of Delhi के शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार छात्राओं के लिए पुनः खोला जाएगा। नवीनतम अद्यतन एवं महत्त्वपूर्ण सूचनाओं के लिए छात्राओं को नियमित रूप से महाविद्यालय की वेबसाइट देखने की सलाह दी जाती है।

वार्डन: डॉ. विधि चौधरी

अनुसंधान सुविधाएँ और प्रयोगशालाएँ

ड्रोसोफिला रिसोर्स सेंटर - प्राणी विज्ञान विभाग

2013 में ड्रोसोफिला रिसोर्स सेंटर' की स्थापना के बाद से, यह केंद्र स्नातक छात्रों को इस दिलचस्प कीट—ड्रोसोफिला से परिचित कराने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यह एक पसंदीदा मॉडल जीव है और आनुवंशिकी तथा विकासात्मक जीवविज्ञान के अध्ययन के लिए इसका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। छात्र प्रयोगशाला में स्टॉक तैयार करने, उनका रखरखाव करने और भोजन बनाने की बारीकियों को भी सीखते हैं। इस केंद्र का मूल उद्देश्य उन छात्रों को प्रयोगशाला का अनुभव प्रदान करना है जो अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं।

यह केंद्र उन स्नातकोत्तर छात्रों को भी इंटर्नशिप प्रदान करता है जो प्रयोगात्मक प्रयोगशाला का अनुभव प्राप्त करने के इच्छुक हैं।

संकाय सदस्य : डॉ. अंजू जैन, डॉ. मधु और डॉ. सोनिका शर्मा

ड्रोसोफिला रिसोर्स सेंटर: भविष्य के जेनेटिसिस्ट (आनुवंशिकी विशेषज्ञों) को तैयार करना - जैव रसायन विभाग

DBT स्टार कॉलेज प्रोजेक्ट के तहत 2012 में स्थापित, दौलतराम महाविद्यालय के जैवरसायन विभाग का ड्रोसोफिला रिसोर्स सेंटर जेनेटिक्स की शिक्षा के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में काम करता है। ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर को मुख्य मॉडल जीव के रूप में इस्तेमाल करके, यह सेंटर सैद्धांतिक जेनेटिक्स और व्यावहारिक जैविक अनुसंधान के बीच की दूरी को कम करता है। अब तक, महाविद्यालय ने विभिन्न विषयों के 500 से अधिक अंडरग्रेजुएट और पोस्ट-ग्रेजुएट छात्रों को सशक्त बनाया है, जिससे शैक्षणिक उत्कृष्टता और संस्थागत सहयोग की एक परंपरा बनी है।

इस केंद्र ने दो ऐतिहासिक प्रकाशनों के माध्यम से शिक्षण पद्धति में एक अग्रणी भूमिका निभाई है:

'रीडिस्कवरिंग जेनेटिक्स' (2016): एक बुनियादी लैब मैनुअल जिसे अब दिल्ली यूनिवर्सिटी, AIIMS और GITAM के लिए सुझाए गए अध्ययन सामग्री में शामिल किया गया है।

ड्रोसोफिला एंड जेब्राफिश मॉडल ऑर्गेनिज्म्स इन बायोलॉजिकल रिसर्च' (2024):स्किल एनहांसमेंट कोर्स (SEC) के लिए बनाया गया एक विशेष मैनुअल, जिसे इस कोर्स को करने वाले छात्रों ने बड़े पैमाने पर अपनाया है।

यह केंद्र एक महत्वपूर्ण संसाधन नोड के रूप में कार्य करता है, जो डीयू (DU) के कॉलेजों, एमडीयू (MDU), मानव रचना विश्वविद्यालय और सनातन धर्म (पी.जी.) कॉलेज सहित संस्थानों के नेटवर्क को आवश्यक फ्लाई स्टॉक्स और तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करता हैI सिखाई जाने वाली मुख्य क्षमताओं में मीडिया तैयार करना और कल्चर का रखरखाव, नर-मादा में अंतर करना और म्यूटेंट की पहचान करना, वंशागति पैटर्न का विश्लेषण करने के लिए जेनेटिक क्रॉस करना और व्यवहार संबंधी अध्ययन शामिल हैं।

हालिया उपलब्धियों में रूसी प्रतिनिधिमंडल का दौरा और शहीद राजगुरु कॉलेज के चौथे वर्ष के छात्रों के लिए आयोजित ड्रोसोफिला विकासात्मक जीव विज्ञान कार्यशाला शामिल हैं। तथा सामुदायिक आउटरीच कार्य एकल फाउंडेशन के तहत अलीपुर गांव के छात्रों का दौरा और सरदार पटेल विद्यालय के छात्रों के लिए 'अनुसंधान में मॉडल जीवों की भूमिका' पर तीन दिवसीय आउटरीच कार्यक्रम शामिल है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के तहत, जैविक अध्ययनों में मॉडल जीवों के रूप में ड्रोसोफिला और जेब्राफिश पर एक नया कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (skill enhancement course) शुरू किया गया है, जिसमें विभिन्नसंकायों के छात्रों का मजबूत नामांकन देखा जा रहा है। इस पहल का समर्थन करने के लिए, दौलत राम कॉलेज में एक समर्पित कौशल विकास केंद्र स्थापित करने हेतु 2024 में ₹10 लाख का अनुदान स्वीकृत किया गया था। केंद्र की सफलता इसके पूर्व छात्रों के प्रतिष्ठित वैश्विक आनुवंशिकी कार्यक्रमों में उच्च प्लेसमेंट दर से परिलक्षित होती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) जैसे नए शैक्षिक ढांचे को अपनाकर, यह केंद्र जीवन विज्ञान (Life Sciences) में नवाचार की आधारशिला बना हुआ है। केंद्र सहयोगात्मक अनुसंधान के माध्यम से अपने पदचिह्न का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रभारी एवं समन्वयक: डॉ. नीरू धमीजा
केंद्र सह-समन्वयक: डॉ. अनीता गोयल

जेब्राफिश लैब सुविधा

जेब्राफिश लैब सुविधा अक्टूबर 2015 में बायोकैमिस्ट्री विभाग और जूलॉजी विभाग द्वारा सीएसआईआर-आईजीआईबी, मथुरा रोड, दिल्ली और संसृति फाउंडेशन दिल्ली के सहयोग से संयुक्त रूप से स्थापित की गई थी। इस सुविधा को स्टार इनोवेशन प्रोजेक्ट्स डीयू, स्टार कॉलेज प्रोजेक्ट डीबीटी, सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया है। भारत की, और इनोवेशन प्रोजेक्ट्स डीयू। इसे विज्ञान शिक्षा, शिक्षण और अनुसंधान के लिए विवो गैर-इनवेसिव मॉडल प्रणाली में एक विकल्प प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित किया गया था। अत्याधुनिक तापमान और फोटो-अवधि नियंत्रित सुविधा में एक स्वचालित री-सर्कुलेटरी मछली आवास प्रणाली, स्टीरियो-माइक्रोस्कोप, डिजिटल डिस्प्ले स्क्रीन (इवोस) और फ्लोरोसेंट माइक्रोस्कोप (निकॉन) के साथ उलटा माइक्रोस्कोप है। चल रही अनुसंधान परियोजनाओं के अलावा, यह सुविधा संकाय और छात्रों को जेब्राफिश मॉडल प्रणाली में प्रशिक्षण प्रदान करती है। अब तक दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के विभिन्न विज्ञान धाराओं के ~ 150 संकाय सदस्यों और ~ 1500 छात्रों ने जेब्राफिश प्रयोगशाला सुविधा द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है। ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप/प्रशिक्षण कार्यक्रम, कौशल विकास कार्यक्रम स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण और अनुसंधान अनुभव प्राप्त करने के लिए उपलब्ध हैं।जेब्राफिश प्रयोगशाला सुविधा शिक्षण और प्रयोगशाला व्यावहारिक कार्यों में सहायता के लिए अन्य कॉलेजों/विभागों और अनुसंधान संस्थानों को जेब्राफिश और भ्रूण प्रदान करने के लिए एक संसाधन केंद्र के रूप में भी कार्य करती है।

संकाय संबद्ध:

डॉ. पद्मश्री मुद्गल, बायोकेमिस्ट्री विभाग (प्रभारी जेब्राफिश लैब सुविधा, Padmshree.m@gmail.com, pmudgal@dr.du.ac.in)

डॉ. चित्रा भसीन, प्राणीशास्त्र विभाग (सेवानिवृत)

डॉ.राधिका गुप्ता, बायोकेमिस्ट्री विभाग

डॉ. अनिता गर्ग मंगला, बायोकेमिस्ट्री विभाग

सहयोग: 1. संस्कृति फाउंडेशन, दिल्ली 2. जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, दिल्ली 3. आईआईटी दिल्ली 4. आईआईटी रूड़क 5. हिंदू कॉलेज, डीयू.

पीएच.डी. मार्गदर्शन: 1 , एमएससी. निबंध: 10

चतुर्थ वर्ष की मरुस्थलीकरण परियोजनाएँ पूर्ण (2025-26): 6 , इंटर्न (2025-26): 10 , प्रकाशित पत्र: 10

पुरस्कार:

1. इनोवेशन प्रोजेक्ट (2015- 16) के लिए सबसे महत्वपूर्ण अनुसंधान परिणामों के लिए पुरस्कार प्रमाणपत्र डीआरसी: 301: दिल्ली एनसीटी क्षेत्र में यमुना नदी के पानी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए बायोसेंसर के रूप में जेब्राफिश।

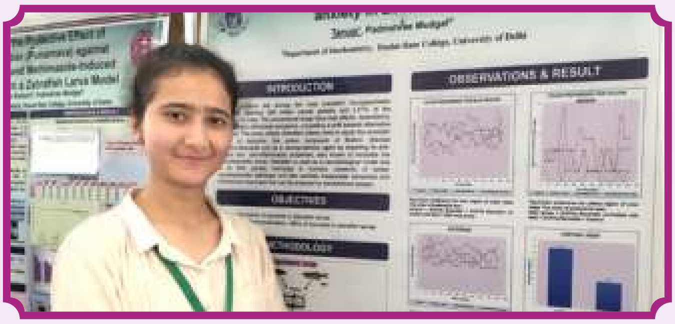

प्लांट टिश्यू कल्चर अनुसन्धान सुविधाएँ

बॉटनी विभाग में दो दशकों से ज़्यादा समय से एक अच्छी तरह से सुसज्जित टिश्यू कल्चर लैब चल रही है। टिश्यू कल्चर रिसर्च लैब का इस्तेमाल मुख्य रूप से अंतिम वर्ष की छात्राओं को बेहतरीन पेड़ों की प्रजातियों के माइक्रोप्रोपेगेशन की ट्रेनिंग देने और दुर्लभ व औषधीय रूप से महत्वपूर्ण पौधों के माइक्रोप्रोपेगेशन पर आधारित रिसर्च प्रोजेक्ट्स के लिए किया जाता है। शिक्षक और प्रशिक्षित लैब स्टाफ़ प्रयोगों को आसानी से पूरा करने में मदद करते हैं।

कल्चर रूम जिसमें हॉरिज़ॉन्टल लैमिनार-एयर-फ़्लो कैबिनेट है ताकि स्टराइल स्थितियों में इन विट्रो प्लांट टिश्यू कल्चर तैयार किए जा सकें; साथ ही रूम थर्मामीटर, हाइग्रोमीटर और कल्चर रैक ट्रॉली हैं जिनमें फ़्लोरोसेंट लाइट और ऑटोमैटिक टाइमर लगे हैं।

इंस्ट्रूमेंट कम प्रिपरेशन रूम जिसमें बेसिक इक्विपमेंट जैसे हाई प्रिसिजन डिजिटल बैलेंस, pH मीटर, ऑर्बिटल शेकर, हॉट प्लेट, BOD, अल्ट्रा सेंट्रीफ़्यूज मशीन, डबल डिस्टिलेशन यूनिट, हॉट एयर ओवन, वर्टिकल और हॉरिज़ॉन्टल ऑटोक्लेव, रेफ्रिजरेटर और डीप फ्रीज़र, माइक्रोटोम, सिंपल, कंपाउंड, डिसेक्शन और इन-बिल्ट कैमरे वाले हाई रिज़ॉल्यूशन माइक्रोस्कोप, इनवर्टेड बाइनोक्युलर मौजूद हैं। ग्लासवेयर को धोने और साफ़ करने के लिए अलग से धोने का स्थान है। ग्रीन हाउस सुविधा जिसमें मिट्टी में इन विट्रो उगाए गए पौधों को स्थापित करने के लिए रोशनी, नमी और तापमान को नियंत्रित करने की व्यवस्था है।

न्यूरोफार्माकोलॉजी, ड्रग डिलीवरी एवं कैंसर रिसर्च प्रयोगशाला (NDCRL)

न्यूरोफार्माकोलॉजी, ड्रग डिलीवरी एवं कैंसर रिसर्च प्रयोगशाला (NDCRL), दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में वर्ष 2018 में स्थापित की गई थी। यह प्रयोगशाला कैंसर जीवविज्ञान से संबंधित उन्नत तकनीकों, जैसे सेल कल्चर, C. elegans कल्चर एवं अनुरक्षण, साइटोटॉक्सिसिटी अस्सये, हिस्टोलॉजी, माइक्रोस्कोपी तथा आणविक विश्लेषण में शोध प्रशिक्षण प्रदान करती है। यहाँ स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. विद्यार्थियों को इंटर्नशिप और शोध परियोजनाओं के माध्यम से व्यावहारिक एवं अनुसंधान-आधारित प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्तमान में प्रयोगशाला में अग्न्याशय (पैंक्रियाटिक) एवं कोलोरेक्टल कैंसर पर शोध कार्य संचालित हैं। NDCRL ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर वैज्ञानिक कौशल विकास तथा जीवन विज्ञान अनुसंधान में उत्कृष्टता को बढ़ावा दिया है।

संकाय सदस्य : डॉ. नरेंद्र कुमार

इन्स्टाग्राम:https://www.instagram.com/pipette_and_chill?igsh=MTYwOTIzd3k5M3RwZA==

केंद्र

विदेशी भाषाओं का केंद्र

विश्व स्तर के समाचारों, उत्पादों, विचारों और संस्कृति के आदान-प्रदान से होने वाला अंतरराष्ट्रीय एकीकरण, आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में आपसी निर्भरता बनाने में मदद करता है। दौलतराम महाविद्यालय का यह केंद्र विदेशी भाषाओं में कोर्स कराकर युवा महिलाओं और पुरुषों को कई भाषाएं जानने में सक्षम बनाना चाहता है।

कॉलेज उन महिलाओं और पुरुषों के लिए विदेशी भाषाओं में पार्ट-टाइम सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवांस डिप्लोमा कोर्स कराता है जो अपनी पसंद की भाषा में बोलने और लिखने के अपने कौशल और प्रवाह को बेहतर बनाना चाहते हैं। कॉलेज फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश, इटैलियन, चीनी, जापानी और कोरियाई भाषाओं में ऐड-ऑन कोर्स कराता है।

एडवांस डिप्लोमा कोर्स केवल उन्हीं लोगों के लिए हैं जिन्होंने संबंधित भाषा में डिप्लोमा कोर्स पास किया है, और डिप्लोमा कोर्स उन लोगों के लिए हैं जिन्होंने संबंधित भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स पास किया है। जो छात्र जर्मन/स्पेनिश/फ्रेंच/इटैलियन भाषा में एडवांस डिप्लोमा में एडमिशन लेना चाहते हैं और जिन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के अलावा किसी अन्य संस्थान से सर्टिफिकेट/डिप्लोमा कोर्स पास किया है या जिनका गैप ईयर रहा है, उन्हें दिल्ली यूनिवर्सिटी के जर्मनिक और रोमांस स्टडीज़ विभाग द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा पास करनी होगी।

ये सभी सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और एडवांस डिप्लोमा कोर्स दिल्ली यूनिवर्सिटी के जर्मनिक और रोमांस स्टडीज़ विभाग और साउथ एशियन स्टडीज़ विभाग के सहयोग से कराए जाते हैं।

स्किल डेवलपमेंट सेंटर इन ऑर्नामेंटल फिश कल्चर

जलकृषि प्रयोगशाला (Aquaculture Laboratory) 25 सजावटी मछली की किस्मों का रख-रखाव करती है, जो प्रजाति-विशिष्ट पालन-पोषण और चयनात्मक प्रजनन कार्यक्रमों को सहायता प्रदान करती है। हम जीवनचक्र के चरणों और प्रजनन प्रदर्शन के अनुसार तैयार किए गए संतुलित आहार फॉर्मूलेशन विकसित और परीक्षित करते हैं। यहाँ की सुविधाओं में नियंत्रित एक्वेरियम, जल-गुणवत्ता की निगरानी, और आधुनिक जलकृषि तकनीकों (बायोफिल्ट्रेशन, रीसर्क्युलेशन और संवर्धन) का उपयोग करने वाली किशोर पालन प्रणालियाँ शामिल हैं। हमारा अनुसंधान मछलियों के जीवित रहने की दर, रंगत और बाजार की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रजनन जीव विज्ञान, आहार अनुकूलन और रोग रोकथाम पर केंद्रित है। यह प्रयोगशाला सतत सजावटी [मत्स्य पालन] को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण, छात्र परियोजनाएं और आउटरीच (जनसंपर्क) कार्यक्रम प्रदान करती है।

संयोजिका - डॉ. ज्योत्सना सिंह

इंस्टाग्राम - https://www.instagram.com/zoodrcdu/

कौशल विकास केंद्र- ड्रोसोफिला और जेब्राफिश मॉडल जीव

दिल्ली विश्वविद्यालय की कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम समिति(SEC) की ओर से ₹10 लाख की शुरुआती ग्रांट के साथ, 2023 में दौलत राम कॉलेज में ड्रोसोफिला और ज़ेब्राफिश मॉडल ऑर्गेनिज़्म पर आधारित कौशल विकास केंद्र की स्थापना की गई।

केंद्र का दृष्टिकोण एवं उद्देश्य

- ऐसे कुशल छात्रों का समूह तैयार करना जो बायोमेडिकल रिसर्च लैब, फार्मा और बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए भविष्य में तैयार हों।
- रिसर्च मॉडल के तौर पर ड्रोसोफिला (Drosophila) और ज़ेब्राफिश (zebrafish) जैसे जीवों के पालन-पोषण, ब्रीडिंग, हैंडलिंग और इस्तेमाल में स्किल्ड ट्रेनिंग देना।
- छात्रों को रिसर्च इंटर्नशिप के अवसर देना जिससे कि वे अनुसंधान का अनुभव प्राप्त कर सकें और अनुसंधान पद्धतियों, डेटा विश्लेषण और प्रस्तुति में अपने कौशल को बेहतर बना सकें।
- जैव-सामग्री और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य टूल किट विकसित करना।
- पशु मॉडल प्रणालियों के स्टॉक और उत्परिवर्ती उपभेदों को विकसित करना और बनाए रखना।
- केंद्र एक केंद्रीय संसाधन केंद्र के रूप में काम करेगा जो अन्य कॉलेजों और संस्थानों को सेल बायोलॉजी, डेवलपमेंटल बायोलॉजी, न्यूरोबायोलॉजी, जेनेटिक्स, टॉक्सिकोलॉजी, आणविक जीवविज्ञान, दवा खोज आदि में उन्नत प्रयोग करने के लिए तकनीकी सहायता, जैव-सामग्री और टूल किट प्रदान करेगा।

उपलब्धियाँ

- 2023 से प्रत्येक सेमेस्टर में यूजीसीएफ 2020 के तहत कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक चलाना।
- दौलत राम कॉलेज और MH, SVC, DBC, SRCASW, NIET (फार्मेसी कॉलेज), नोएडा, और मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज सहित कई संस्थानों के 1,000 से अधिक छात्रों को ड्रोसोफिला और जेब्राफिश मॉडल सिस्टम में प्रशिक्षित किया गया।
- कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम कोर्स के लिए प्रैक्टिकल लैब मैनुअल प्रकाशित: जैविक अध्ययन में ड्रोसोफिला और जेब्राफिश मॉडल जीव (2024), प्रो. पद्मश्री मुद्गल, डॉ. नीरू धमीजा और डॉ. अनीता गोयल द्वारा लिखित, एक मूल्यवान शिक्षण और सीखने का संसाधन प्रदान करता है।
- कौशल विकास केंद्र से जुड़े छात्रों और शिक्षकों ने 4-6 अक्टूबर 2024 को डीयू में कौशल, स्टार्टअप और उद्यमिता एक्सपो में भाग लिया। केंद्र को पोटेंशियल फॉर एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

कौशल विकास केंद्र से जुड़े संकाय और कर्मचारी: प्रो. पद्मश्री मुद्गल, डॉ. नीरू धमीजा, डॉ.राधिका गुप्ता, डॉ.अनीता गोयल, डॉ. अनिता गर्ग मंगला, श्रीमान विकास, श्रीमान ललित, चमन जी, आशीष जी

कौशल विकास केंद्र-
हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स

वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा स्थापित हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स पर कौशल विकास केंद्र, छात्रों को आधुनिक मिट्टी रहित खेती प्रौद्योगिकियों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करता है, जो टिकाऊ कृषि, नवाचार और अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देता है। पोषक तत्व फिल्म तकनीक (एनएफटी) सिस्टम, वर्टिकल ग्रो टावर और ग्रो बैग से सुसज्जित, केंद्र फसल उत्पादन, पोषक तत्व प्रबंधन, बढ़ते मीडिया और विशेष उपकरणों के लिए व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है।

केंद्र हाइड्रोपोनिक और एरोपोनिक खेती पर कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC) का समर्थन करता है, अंतःविषय शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देता है। छात्र उन्नत हाइड्रोपोनिक प्रणालियों का उपयोग करके लेट्यूस, टमाटर, तुलसी, चुकंदर, तोरी, रॉकेट (अरुगुला), धनिया और अजमोद जैसी फसलें उगाते हैं। स्थिरता, प्रौद्योगिकी और कौशल-आधारित शिक्षा पर अपने ध्यान देकर यह केंद्र छात्रों को आधुनिक कृषि पद्धतियों के लिए भविष्य के हिसाब से ज़रूरी कौशल से तैयार करता है।

संकाय समन्वयक: डॉ. विधि चौधरी

कौशल विकास केंद्र
मेडिकल डायग्नोस्टिक्स

चिकित्सीय नैदानिकी कौशल विकास केंद्र की स्थापना वर्ष 2025 में दिल्ली विश्वविद्यालय की कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम समिति से प्राप्त सीड अनुदान के माध्यम से की गई। इस केंद्र का उद्देश्य चिकित्सीय एवं नैदानिक निदान प्रयोगशालाओं, जैव-चिकित्सीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं तथा औषधि एवं जैव-प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में रोजगार हेतु उद्योग-सक्षम कार्यबल तैयार करना है।

यह केंद्र प्रयोगशाला सुरक्षा, जैव-सुरक्षा, नमूना संग्रह, नमूनों का प्रसंस्करण, संरक्षण, अभिलेख संधारण तथा जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित कौशल-आधारित प्रशिक्षण प्रदान करता है। विद्यार्थियों को रक्त-विज्ञान संबंधी जाँचों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें लाल रक्त कणिका गणना, एरिथ्रोसाइट अवसादन दर, सघन रक्त कोशिका आयतन, कुल एवं विभेदक श्वेत रक्त कणिका गणना, पूर्ण इयोसिनोफिल गणना, रक्त का थक्का बनने का समय तथा रक्त समूह निर्धारण सम्मिलित हैं। इस कार्यक्रम में रक्त सीरम, कफ तथा मूत्र के नमूनों में रोग-सूचकों की जैव-रासायनिक जाँचों के साथ-साथ त्वरित प्रतिजन परीक्षण तथा रिवर्स ट्रांसक्रिप्शन–पॉलीमरेज़ श्रृंखला अभिक्रिया जैसी आधुनिक प्रतिरक्षा-नैदानिक तकनीकों का प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है।

स्थापना के समय से ही यह केंद्र यूजीसीएफ–2020 के अंतर्गत चिकित्सीय एवं नैदानिक निदान विषय में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता, व्यावहारिक प्रयोगशाला कौशल तथा उद्योग-अनुभव से सुसज्जित करता है, जिससे वे स्वास्थ्य सेवाओं, अनुसंधान तथा जैव-प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सफल करियर बनाने के लिए सक्षम बनते हैं।

संकाय सदस्य: प्रोफेसर पद्मश्री मुद्गल, डॉ.नीरज दोहरे

तकनीकी कर्मचारी: आशीष, चमन, ललित, रवि, विकास,

दार्शनिक परामर्श, मूल्य एवं कल्याण केन्द्र

दार्शनिक परामर्श, मूल्य एवं कल्याण केन्द्र (CPCVW) का उद्घाटन दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा 27 फरवरी 2023 को किया गया। यह दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत किसी महाविद्यालय में अपनी तरह का पहला तथा भारत में दूसरा केन्द्र है। दार्शनिक परामर्श को एक अनुप्रयुक्त एवं व्यावहारिक अनुशासन के रूप में बढ़ावा देने की दृष्टि से स्थापित यह केन्द्र मूल्यों, आत्मचिंतन, मानसिक एवं भावनात्मक कल्याण तथा समग्र व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करने हेतु कार्यरत है।

दार्शनिक परामर्श, जिसे चिकित्सीय परामर्श के व्यवहारिक स्वरूप के रूप में भी समझा जाता है, एक उभरता हुआ क्षेत्र है जो समकालीन मानवीय चुनौतियों के समाधान तथा जीवन की गुणवत्ता में सुधार हेतु चिंतनशील एवं मूल्य-आधारित दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।

स्थापना के पश्चात् केन्द्र द्वारा विभिन्न शैक्षणिक एवं कल्याणोन्मुख गतिविधियों का आयोजन किया गया है, जिनमें दार्शनिक परामर्श पर परिचयात्मक कार्यशाला (2024), कोलोकीयम श्रृंखला के अंतर्गत दार्शनिक एवं नैतिक विषयों पर सत्र (2024), शोध पद्धति कार्यशाला (2025) तथा "ध्यान की शक्ति द्वारा दिव्य उपचार" विषयक एक दिवसीय कार्यशाला (2025) शामिल हैं। इन कार्यक्रमों ने चिंतनशील दृष्टिकोण, मूल्य-आधारित अधिगम तथा समग्र कल्याण को बढ़ावा दिया।

नए शैक्षणिक सत्र में केन्द्र द्वारा छात्र संघ हेतु सदस्य भर्ती अभियान आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है, जो संभावित रूप से अगस्त 2026 में आयोजित किया जाएगा।

अधिक जानकारी हेतु:

ईमेल: philocentre@dr.du.ac.in

इंस्टाग्राम: cpcvw_drc

केन्द्र समन्वयक:

प्रो. सोनिया मेहता

दर्शनशास्त्र विभाग

विधिक साक्षरता, जागरूकता एवं सहायता केन्द्र

एक सुदृढ़ न्यायिक व्यवस्था तथा जागरूक नागरिक किसी भी लोकतांत्रिक समाज की आधारशिला होते हैं। इसी बिन्दु को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय ने विधिक साक्षरता, जागरूकता एवं सहायता केन्द्र (LLAA) की स्थापना की, जो दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत अपनी तरह का प्रथम केन्द्र है। यह केन्द्र महाविद्यालय परिसर स्थित सद्भावना भवन की प्रथम मंजिल पर अवस्थित है तथा विधिक साक्षरता को बढ़ावा देने, संवैधानिक चेतना विकसित करने तथा विधिक ढाँचे से संबंधित मूलभूत जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कार्यरत है।

केन्द्र का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं व्यापक समुदाय को समकालीन सामाजिक एवं विधिक मुद्दों के प्रति जागरूक बनाना है। विभिन्न जागरूकता अभियानों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों एवं संवादात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से केन्द्र विधिक चेतना को सुदृढ़ करने तथा उत्तरदायी नागरिकता को प्रोत्साहित करने का प्रयास करता है।

समावेशी विधिक व्यवस्था के माध्यम से सभी के लिए न्याय सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता के अंतर्गत 20 फरवरी 2024 को केन्द्र कार्यालय में विधिक सेवा क्लिनिक (Legal Services Clinic) का उद्घाटन किया गया तथा महाविद्यालय परिसर में दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (DSLSA) का सूचना बोर्ड स्थापित किया गया, जिससे उसके आदर्श वाक्य “सेवा, समाधान, समर्पण” को आगे बढ़ाया जा सके। यह क्लिनिक विधिक सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के साथ-साथ विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने का मंच भी है। प्रत्येक बुधवार को दोपहर 2:00 बजे से 4:00 बजे तक विद्यार्थियों, शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों तथा उनके परिवारजनों के लिए निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

केन्द्र की शैक्षणिक एवं जन-जागरूकता गतिविधियों के अंतर्गत 12 नवम्बर 2025 को इसके प्रमुख कार्यक्रम “वॉइसेज़ इन लॉ: ए कॉम्प्रिहेन्सिव लीगल सेशन सीरीज़” के प्रथम सत्र का आयोजन किया गया। यह सत्र संवादात्मक पॉडकास्ट शैली में आयोजित किया गया, जिसमें माननीय डॉ. न्यायमूर्ति स्वराणा कांता शर्मा, न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय एवं महाविद्यालय की विशिष्ट पूर्व छात्रा ने अपने प्रेरणादायी जीवन-यात्रा के अनुभव साझा किए तथा संवैधानिक मूल्यों, विधिक जागरूकता और समावेशी न्याय व्यवस्था पर विचार व्यक्त किए। इसी अवसर पर केन्द्र के आधिकारिक प्रतीक-चिह्न (लोगो) का भी अनावरण किया गया, जो केन्द्र के ध्येय वाक्य “समावेशिता की ओर प्रयास: पट्टी से परे न्याय” का प्रतीक है।

नए शैक्षणिक सत्र में केन्द्र द्वारा छात्र संघ हेतु सदस्य भर्ती अभियान आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है, जो संभावित रूप से अगस्त 2026 में आयोजित किया जाएगा।

अधिक जानकारी हेतु:

महाविद्यालय की वेबसाइट के Facilities अनुभाग पर जाएँ
ईमेल: llaa@dr.du.ac.in
इंस्टाग्राम: legalliteracycourse_drc
केन्द्र समन्वयक: प्रो. सोनिया मेहता, सह-समन्वयक: डॉ. दीपिका जिंदल

मनोविज्ञान संसाधन केंद्र

मनोविज्ञान संसाधन केंद्र (Psychology Resource Centre - PRC) विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा गैर-शिक्षण कर्मचारियों की मनो-सामाजिक (Psycho-social) आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए समर्पित है। यह केंद्र उन्हें दैनिक जीवन की चुनौतियों एवं तनावों के प्रति सजग बनाते हुए उनके प्रभावी प्रबंधन में सहायता प्रदान करता है। इनमें आत्म-विकास एवं व्यक्तित्व संवर्धन, तनाव एवं संवेगों (Emotions) का प्रबंधन, पारस्परिक संबंधों से जुड़ी समस्याएँ, शैक्षणिक दबाव, निरंतर चिंता (Worry) तथा व्यग्रता (Anxiety) जैसी मनोवैज्ञानिक चुनौतियाँ सम्मिलित हैं।

वर्तमान परिवर्तित सामाजिक एवं वैश्विक परिदृश्य में मानव जीवन निरंतर अधिक तनावपूर्ण होता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में व्यक्ति के लिए अपने व्यक्तित्व, व्यवहार तथा परिवेश के प्रति मनोवैज्ञानिक जागरूकता (Psychological Awareness) एवं मनोवैज्ञानिक समझ (Psychological Understanding) विकसित करना अत्यंत आवश्यक हो गया है। मनोविज्ञान संसाधन केंद्र परामर्श सेवाओं (Counseling Services), संकाय विकास कार्यक्रमों (Faculty Development Programs), विभिन्न शैक्षणिक एवं जागरूकता कार्यक्रमों तथा मानसिक स्वास्थ्य एवं समग्र कल्याण (Mental Health and Well-being) पर केंद्रित आयोजनों के माध्यम से इस उद्देश्य की पूर्ति करता है।

मनोविज्ञान संसाधन केंद्र के अंतर्गत निम्नलिखित इकाइयाँ कार्यरत हैं—मानसिक स्वास्थ्य केंद्र (Mental Health Centre), मूल्य सहभागिता केंद्र (Value Engagement Centre), कल्याण एवं उत्कर्ष केंद्र (Centre for Well-being and Flourishing), क्षमता निर्माण केंद्र (Capacity Building Centre) यह केंद्र विद्यार्थियों को मनोवैज्ञानिक अनुसंधान की संपूर्ण प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता के पर्याप्त अवसर प्रदान करता है। इसके अंतर्गत वे अनुसंधान परियोजनाओं का अभिकल्पन (Research Design), आँकड़ों का संग्रह (Data Collection), आँकड़ों के विश्लेषण (Data Analysis) की तकनीकों का अधिगम, निष्कर्षों की व्याख्या (Interpretation of Findings) तथा उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, सम्मेलनों एवं शोध प्रकाशनों में प्रस्तुत करने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं।

इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, संगोष्ठियाँ (Seminars), कार्यशालाएँ (Workshops), सामुदायिक सहभागिता (Community Engagement) से संबंधित गतिविधियाँ तथा व्यक्तित्व विकास (Personality Development) एवं मूल्य-आधारित सहभागिता (Value Engagement) पर आधारित पाठ्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं, जिनका उद्देश्य उनके व्यक्तिगत विकास, मनोवैज्ञानिक सुदृढ़ता तथा समग्र व्यक्तित्व के संवर्धन को प्रोत्साहित करना है।

संयोजक: प्रोफेसर मीतू खोसला

सेंटर फॉर हैप्पीनेस

दौलत राम कॉलेज का 'सेंटर फॉर हैप्पीनेस', जिसकी स्थापना 2024 में हुई थी, छात्रों के भावनात्मक विकास, समस्याओं से उबरने की क्षमता (resilience), मानसिक स्वास्थ्य और सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी लक्ष्य के तहत, 2025-26 अकादमिक वर्ष में सेंटर ने व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए डांस मूवमेंट थेरेपी, न्यूरोसाइंस ऑफ़ हैप्पीनेस, सेल्फ-कम्पैशन और EEG का परिचय जैसी कई कार्यशालाएँ आयोजित कीं । सेंटर ने 'माइंड लैब' की भी शुरुआत की, जो आनंद के विज्ञान और सकारात्मक मनोविज्ञान के क्षेत्र पर रिसर्च करने के लिए एक खास इंटरडिसिप्लिनरी (कई विषयों को जोड़ने वाली) लैब है; साथ ही, यहाँ शोध एवं जनसम्पर्क कार्यों में सहयोग के लिए छात्र प्रशिक्षुओं को भी सम्मिलित किया जाता है।

संयोजिका - डॉ. संध्यारानी हौबाम

भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) केंद्र

दौलत राम कॉलेज में स्थित भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) केंद्र, शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत स्थापित, भारत की कला, वास्तुकला, ग्रंथ, मूर्तिकला, विज्ञान और प्रौद्योगिकी की गौरवशाली विरासत में रुचि जगाने के लिए समर्पित है। विभिन्न आयोजनों का आयोजन करके, यह केंद्र छात्रों को भारतीय परंपरा की समृद्धि को खोजने और सराहने के लिए प्रेरित करने का प्रयास करता है।

2025-2026 से कुछ प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

1. 07 अगस्त 2025 को "भारत के निर्माण में महिला, युवा और वनवासी समाज की भूमिका" पर एक संगोष्ठी
2. 18 अगस्त 2025 को "अखंड भारत" पर व्याख्यान और पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, जिसमें विभाजन की भयावहता की चेतावनी और अखंड भारत की दिशा में हिन्दू समाज की ऐतिहासिक जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला गया

3. 31.01.2026 को BoudhIKS के तहत स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों में IKS को लोकप्रिय बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षा

इन पहलों में छात्रों की उत्साही भागीदारी देखी गई, जिसने भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक धरोहर के साथ गहरे संबंध को बढ़ावा देने में केंद्र की भूमिका को दर्शाया। आगे बढ़ते हुए, IKS केंद्र और अधिक सहभागिता और जागरूकता के अवसर बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

संयोजक- डॉ. नरेंद्र कुमार

मुक्त शिक्षा विद्यालय, दूरस्थ एवं सतत शिक्षा विभाग

मुख्य पता: स्कूल ऑफ़ ओपन लर्निंग, 5 कैवेलरी लाइन्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने 2022 में दिल्ली विश्वविद्यालय के ओपन लर्निंग परिसर/स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग के तत्वावधान में दूरस्थ एवं सतत शिक्षा विभाग (डीडीसीई), ओपन लर्निंग संकाय और ओपन लर्निंग विकास केंद्र (ओएलडीसी) की स्थापना की। डीडीसीई विभागों/अध्ययन के क्षेत्रों का एक संघ है, जैसे वाणिज्य विभाग, अर्थशास्त्र विभाग, शिक्षा विभाग, अंग्रेजी विभाग, पर्यावरण विज्ञान विभाग, इतिहास विभाग, हिंदी विभाग, राजनीति विज्ञान विभाग, पंजाबी विभाग, संस्कृत विभाग और उर्दू विभाग, व्यवसाय और वित्तीय अध्ययन विभाग, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, कंप्यूटर विज्ञान विभाग और मनोविज्ञान विभाग। दौलत राम कॉलेज एक क्षेत्रीय केंद्र के रूप में काम करता है और उन छात्रों के लिए B.A. प्रोग्राम और B.Com (ऑनर्स) कोर्स ऑफ़र करता है जो ओपन लर्निंग के माध्यम से पढ़ाई करना चाहते हैं। कॉलेज हर साल 800 से ज़्यादा छात्रों और 40 से ज़्यादा संकाय सदस्यों के साथ काम करता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि 'शिक्षा के अधिकार' के तहत शिक्षा सभी के लिए सुलभ और समावेशी हो।

स्कूल ऑफ़ ओपन लर्निंग वेबसाइट https://sol.du.ac.in

एड-ऑन पाठ्यक्रम
विदेशी भाषाओं में अतिरिक्त (ऐड-ऑन) कोर्स

दौलत राम कॉलेज का विदेशी भाषा केंद्र उन लोगों के लिए निम्नलिखित विदेशी भाषाओं में अंशकालिक सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करता है जो इन भाषाओं को बोलने और लिखने दोनों में अपने कौशल और प्रवाह को विकसित करना चाहते हैं।

1. फ़्रेंच
2. जर्मन
3. स्पैनिश
4. इतालवी
5. चीनी
6. जापानी
7. कोरियाई

एडवांस्ड डिप्लोमा कोर्स केवल उन लोगों के लिए हैं जिन्होंने संबंधित भाषा में डिप्लोमा कोर्स उत्तीर्ण किया है और डिप्लोमा कोर्स उन लोगों के लिए खुले हैं जिन्होंने संबंधित भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स उत्तीर्ण किया है। जो छात्र जर्मन/स्पेनिश/फ्रेंच/इतालवी भाषा में एडवांस डिप्लोमा में प्रवेश चाहते हैं और जिन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय/गैप ईयर मामलों के अलावा अन्य संस्थानों से सर्टिफिकेट/डिप्लोमा कोर्स पास किया है, उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा को पास करना आवश्यक है।

ये सभी सर्टिफ़िकेट, डिप्लोमा और एडवांस्ड डिप्लोमा कोर्स दिल्ली यूनिवर्सिटी के जर्मैनिक और रोमांस स्टडीज़ विभाग तथा दक्षिण एशियाई अध्ययन विभाग के सहयोग से चलाए जाते हैं।

कॉलेज अध्ययन से जुड़े सभी मामलों में विश्वविद्यालय के कैलेंडर का पालन करेगा। वार्षिक परीक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा घोषित शेड्यूल के अनुसार आयोजित की जाती है और छात्रों को संबंधित विभाग द्वारा तय सभी शर्तों को पूरा करना होता है।

कॉलेज में 50 सीटें हैं। किसी कोर्स को शुरू करने के लिए कम से कम 20 छात्रों का एक सेक्शन माना जाएगा। अगर किसी कोर्स के लिए पर्याप्त संख्या में छात्रों ने आवेदन नहीं किया है, तो कॉलेज के पास उस कोर्स को वापस लेने का अधिकार है।

आंतरिक(In-House) कौशल विकास कार्यक्रम 2026-2027

दौलत राम कॉलेज लगभग एक दशक से कौशल विकास कार्यक्रमों (SDP) की शुरुआत करने में एक अग्रणी संस्थान रहा है, जिसका उद्देश्य छात्रों को कक्षा से परे व्यावहारिक, व्यावसायिक और तकनीकी क्षमताओं से लैस करना है। इस कार्यक्रम को बहुविषयक (मल्टीडिसिप्लिनरी) शिक्षा के माध्यम से नवीन सोच को बढ़ावा देने, व्यावहारिक जुड़ाव को प्रोत्साहित करने और कौशल उन्नयन (अपग्रेडेशन) के अवसर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो छात्रों के व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास को बढ़ाते हैं।

कौशल विकास कार्यक्रम 2025-26 "सतत सामुदायिक विकास के लिए कौशल निर्माण और रोजगार क्षमता बढ़ाना" विषय (थीम) पर केंद्रित था। यह विषय सामाजिक रूप से जिम्मेदार और पेशेवर रूप से सक्षम स्नातकों को तैयार करने के प्रति कॉलेज की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो विविध करियर अवसरों के लिए खुद को तैयार करने के साथ-साथ सामुदायिक कल्याण और सतत विकास में सार्थक योगदान दे सकें।

संयोजक: डॉ. ज्योति तनेजा

समिति और प्रकोष्ठ

डिबेटिंग सोसाइटी-डेबसॉक

दौलत राम कॉलेज की डिबेटिंग सोसाइटी हमेशा से ही बौद्धिक विकास, आलोचनात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने का एक मंच रही है। साल भर, इस सोसाइटी ने छात्रों के बीच स्वस्थ चर्चा, तार्किक सोच और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से काम किया है। इस सोसाइटी की मुख्य विशेषता 'दौलत राम मेमोरियल डिबेट' है, जो छात्रों को अपनी भाषण कला, विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक सोच कौशल दिखाने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करती है।

संयोजक: डॉ. नेहा निहारिका

Instagram:https://www.instagram.com/debsoc.drc?igsh=MXVwd2o4Zmw3azI4aw==

नाट्य समिति- मेमेसिस

दौलत राम कॉलेज की नाट्य समिति-मेमेसिस महाविद्यालय की समृद्ध नाट्य परंपरा को सहेजने एवं आगे बढ़ाने के लिए निरंतर सक्रिय है। समिति नुक्कड़ नाटक और रंगमंचीय प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक सरोकारों को प्रभावी रूप से अभिव्यक्त करते हुए रंगकला को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का कार्य करती है। नीला कुर्ता समिति की विशिष्ट पहचान है, जिसने दिल्ली-एनसीआर के अनेक मंचों एवं सार्वजनिक स्थलों पर अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से विशेष प्रतिष्ठा अर्जित की है। समिति प्रतिवर्ष अपने वार्षिक नाट्य महोत्सव 'अदाकारी' का आयोजन करती है, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के चयनित नाट्य दल अपनी प्रस्तुतियाँ देते हैं। यह महोत्सव नुक्कड़ नाटक एवं रंगमंच की सशक्त परंपरा को जीवंत बनाए रखते हुए कला के माध्यम से समाज में जागरूकता, संवाद और सकारात्मक परिवर्तन का संदेश प्रसारित करने का प्रभावी मंच है।

संयोजक: डॉ. शिवाली अग्रवाल

इंस्टाग्राम: https://instagram.com/memesisdrc?igshid=YmMyMTA2M2Y

फेसबुक: https://www.facebook.com/memesis.drc/

फाइन आर्ट्स सोसायटी - स्पेक्ट्रा

दौलत राम कॉलेज की फाइन आर्ट्स सोसायटी 'स्पेक्ट्रा' रचनात्मकता, कलात्मक अभिव्यक्ति और सहयोग को बढ़ावा देने वाला एक मंच है। यह सोसायटी आर्ट वॉक, कला प्रदर्शनी, प्रतियोगिताएँ, कार्यशालाएँ, रचनात्मक स्टॉल, भित्ति चित्र परियोजनाएँ और जागरूकता गतिविधियों का आयोजन करती है। स्पेक्ट्रा ने दिल्ली विश्वविद्यालय, एनएसयूटी 'कैनवास', आईजीडीटीयूडब्ल्यू, एमसीडी, दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच (एंटी-नार्कोटिक्स टास्क ब्रांच), उड़ान तथा विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों के साथ सहयोग किया है, जिससे विद्यार्थियों को रचनात्मकता, टीमवर्क और सांस्कृतिक सहभागिता के अवसर मिलते हैं।

संयोजक: डॉ. वायोलिना बोरा

फिल्म एवं फोटोग्राफी सोसाइटी- मैजिक लटैंर्न एवं सेपिया

मैजिक लटैंर्न एवं सेपिया, दौलतराम महाविद्यालय की फिल्म एवं फोटोग्राफी सोसाइटी, दृश्य कथावाचन, सिनेमाई अभिव्यक्ति तथा देखने की कला को समर्पित है। रचनात्मकता और सहयोग की भावना में निहित यह सोसाइटी उभरते फिल्मकारों और फोटोग्राफरों को एक ऐसा मंच प्रदान करती है, जहाँ वे कथाओं की खोज कर सकें, विभिन्न दृष्टिकोणों के साथ प्रयोग कर सकें तथा तकनीकी एवं कलात्मक कौशल को निखार सकें। पिछलेवर्ष के दौरान अनेक कार्यकर्मों का आयोजन किया गया, जिनमें रचनात्मक क्षमताओं को परिष्कृत करने, समान रुचि रखने वाले व्यक्तियों के साथ सहयोग करने तथा दिल्ली विश्वविद्यालय परिपथ और उससे आगे पहचान अर्जित करने के अवसर प्राप्त हुए। यह वर्ष विकास, सीख और कलात्मक अन्वेषण से परिपूर्ण रहा।

संयोजक: निवेदिता शर्मा

इंडियन डांस सोसाइटी - अनहद

दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलतराम महाविद्यालय की इंडियन डांस सोसाइटी 'अनहद' की स्थापना 2014 में हुई थी। यह न सिर्फ दिल्ली यूनिवर्सिटी बल्कि दूसरे विश्वविद्यालयों में भी जानी-मानी सोसाइटी है। 'अनहद' ने हमेशा नृत्य के ज़रिए भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने की कोशिश की है। सोसाइटी परफॉर्मेंस की गुणवत्ता से कभी समझौता नहीं करती और छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए सभी ज़रूरी सुविधाएँ देती है।

छात्राओं को अलग-अलग तरह के नृत्य सिखाने के लिए हर साल एक कोरियोग्राफर नियुक्त किया जाता है। सोसाइटी छात्राओं को काफी समय और मौके देती है। 'अनहद' की छात्राएं कई मंचों पर कॉलेज का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और कॉलेज का नाम रोशन किया है।

संयोजक: डॉ. मीनम भाटिया

इंस्टाग्राम: https://www.instagram.com/annhad_drc/

भारतीय संगीत सोसाइटी- अल्हैया

अल्हैया दौलतराम महाविद्यालय की प्रतिष्ठित भारतीय संगीत सोसाइटी है, जो भारतीय शास्त्रीय और समकालीन संगीत को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इसके सदस्यों ने आईआईटी दिल्ली और आईआईटी कानपुर जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में जीत हासिल कर कॉलेज का गौरव बढ़ाया है। 'आरोह' अल्हैया का वार्षिक उत्सव है, जो दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने और प्रतिस्पर्धा करने का मंच प्रदान करता है। अगर आप संगीत की इस जीवंत यात्रा का हिस्सा बनना चाहते हैं तो अल्हैया से जुड़ें!

संयोजक: सीमा रानी

द वेस्टर्न म्यूज़िक सोसाइटी-एनकोर

एनकोर, दौलतराम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय की वेस्टर्न म्यूजिक सोसाइटी है, जो संगीत प्रतिभा को प्रोत्साहित करने, विद्यार्थियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को विकसित करने तथा अंतर-महाविद्यालयीय मंचों पर महाविद्यालय का प्रभावी प्रतिनिधित्व करने के लिए समर्पित है। पश्चिमी गायन एवं वाद्य संगीत पर विशेष ध्यान देते हुए, एनकोर विद्यार्थियों को वर्षभर प्रस्तुति, प्रतियोगिताओं, सहयोगात्मक गतिविधियों तथा कौशल विकास के विविध अवसर प्रदान करती है।

समिति वर्षभर अपनी गतिविधियों का सुव्यवस्थित आयोजन करती है। इनमें प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन, अंतर-महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं में सहभागिता, ओरिएंटेशन, ऑडिशन, प्रेरणात्मक सत्र, नियमित प्रस्तुतियाँ तथा अभ्यास सत्र शामिल हैं। समय-समय पर आयोजित समन्वय बैठकों और प्रशिक्षण कार्यशालाओं के माध्यम से विद्यार्थियों की संगीत प्रतिभा को निरंतर विकसित किया जाता है तथा समिति की गतिविधियों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाता है।

संयोजक: डॉ.नेहा निहारिका

Instagram:https://www.instagram.com/encoredrc?igsh=bjBtMDR5bGRsZDhz&utm_source=qr

द वेस्टर्न डांस सोसाइटी- जेनिथ

जेनिथ, वेस्टर्न डांस सोसाइटी, दौलतराम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय की स्थापना 2016 में पश्चिमी नृत्य रूपों के प्रति उत्साही छात्रों के लिए एक मंच बनाने की दृष्टि से की गई थी। अपनी स्थापना के बाद से, सोसायटी ने तेजी से विकास किया है और दौलत राम कॉलेज के प्रतिस्पर्धी नृत्य सर्किट में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। हिप-हॉप और स्ट्रीट डांस शैलियों से प्रेरणा लेते हुए, जेनिथ अपने गतिशील, उच्च-ऊर्जा प्रदर्शन के लिए जाना जाता है जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। सोसायटी ने एक अच्छा वातावरण प्रदान किया जहां उभरते नर्तक अपनी क्षमता का पता लगा सकते हैं, अपने कौशल को निखार सकते हैं और विभिन्न प्लेटफार्मों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं।

संयोजक: डॉ.नेहा निहारिका

Instagram https://www.instagram.com/zenith__drc?igsh=enVpODgzOHF1ajJ3

क्विज़ सोसाइटी- तजग्ना

तजग्ना, दौलतराम महाविद्यालय की क्विज़ सोसाइटी है, जो बौद्धिक जिज्ञासा, आलोचनात्मक सोच और प्रश्नोत्तरी की जीवंत संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। यह सोसाइटी नियमित रूप से अंतर-महाविद्यालय और अंतर-विश्वविद्यालय क्विज़ प्रतियोगिताओं का आयोजन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों में करती है, जिससे छात्रों को अपने ज्ञान और विश्लेषणात्मक कौशल को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है।

इसका प्रमुख वार्षिक आयोजन HELM (इतिहास, मनोरंजन, साहित्य और पौराणिक कथाएँ) देशभर के विभिन्न संस्थानों से उत्साही प्रतिभागियों को आकर्षित करता है। तजग्ना द्वारा यूपीएससी मार्गदर्शन सेमिनारों का भी आयोजन किया जाता है, जिनमें विशेषज्ञ और सिविल सेवक अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन करते हैं।

तजग्ना केवल एक क्विज़ सोसाइटी नहीं है, बल्कि जिज्ञासु मस्तिष्कों का एक समुदाय है, जो जिज्ञासा, उत्कृष्टता और सीखने के प्रति आजीवन प्रेम को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संयोजक: डॉ. बसंता कुमार दास

काव्य समिति-इमेजिज्म

कविता मनुष्य की भावनाओं को व्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम है। दौलत राम महाविद्यालय की सक्रिय और बहुभाषी काव्य समिति 'इमेजिज्म' का उद्देश्य नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना है। इस समिति की प्रमुख विशेषता यह है कि प्रतिभागी किसी भी भाषा में अपनी आंतरिक अनुभूति को कविता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रत्येक वर्ष यह समिति विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है, जिसके माध्यम से नई प्रतिभाओं को मंच मिलता है।

संयोजक : अनीता मिंज

इंस्टाग्राम: https://www.instagram.com/imagism_drc?igsh_MXNxdXJSYV1NHMzHA

फैशन सोसायटी – डेबोनेयर

फैशन सोसायटी – डेबोनेयर दौलत राम महाविद्यालय के रचनात्मक, नवोन्मेषी एवं फैशन के प्रति उत्साही विद्यार्थियों का एक सक्रिय मंच है। सोसायटी का उद्देश्य फैशन को सृजनात्मक अभिव्यक्ति, सौंदर्यबोध एवं आत्मविश्वास के प्रभावी माध्यम के रूप में स्थापित करना है। कार्यशालाओं, फैशन शो, प्रशिक्षण सत्रों तथा विविध रचनात्मक आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा विकसित करने, नवीन विचारों को अभिव्यक्त करने तथा फैशन जगत की व्यावहारिक समझ प्राप्त करने के अवसर प्रदान किए जाते हैं।

'ए टेल ऑफ स्ट्रेंथ एंड सर्वाइवल' विषय पर आधारित अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से सोसायटी ने साहस, आत्मविश्वास और सशक्तिकरण का सशक्त संदेश प्रस्तुत करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित कीं। इस मंच ने अनेक प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है ।

संयोजिका: डॉ. आराधना यादव

इको क्लब- धरा

धरा, दौलत राम महाविद्यालय का इको क्लब, पर्यावरण के प्रति जागरूक एवं समर्पित विद्यार्थियों का एक समूह है, जो प्रकृति-अनुकूल गतिविधियों को शैक्षणिक जीवन का हिस्सा बनाकर परिसर को एक सतत एवं हरित वातावरण में विकसित करने के लिए कार्यरत है। इस वर्ष धारा ने ई-वेस्ट संग्रह अभियान, युवा-नेतृत्व जलवायु कार्रवाई पर संवाद, कागज़ पुनर्चक्रण एवं संसाधन संरक्षण कार्यशालाएँ, अर्थ आवर (Earth Hour) का आयोजन तथा सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ा। वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों में मिशन लाइफ (LiFE) कार्यशाला श्रृंखला रही, जो पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) की उत्तरदायी एवं सतत जीवनशैली की परिकल्पना के अनुरूप आयोजित की गई। धारा ने भारत सस्टेनेबल कैंपस मिशन 2026 में भी सक्रिय भागीदारी निभाई, जिसके परिणामस्वरूप दौलत राम महाविद्यालय को अपनी पर्यावरणीय पहलों एवं सतत परिसर प्रथाओं के लिए प्लैटिनम स्टेटस प्राप्त हुआ। साझा उद्देश्य और प्रतिबद्धता से प्रेरित धारा के सदस्य निरंतर ऐसे प्रयास करते रहते हैं, जिनसे छोटे-छोटे जागरूक कदम एक अधिक हरित और टिकाऊ परिसर जीवन का निर्माण कर सकें।

हरित सोच, सतत जीवन!

संयोजिका: डॉ. अंजू जैन

इंस्टाग्राम: @DharaEcoClub

गांधी अध्ययन मंडल

दौलत राम महाविद्यालय का गांधी स्टडी सर्कल गांधी जी के जीवन, विचारों, दर्शन एवं मूल्यों से संबंधित है।यह गांधीजी के दर्शन, विचारों एवं मूल्यों को छात्राओं में पल्लवित , पोषित, संवर्धित करने का कार्य करता है, इसके साथ यह गांधी जी की शिक्षाओं, विचारों एवं दर्शन के सैद्धांतिक पक्ष, व्यावहारिक पक्ष, गांधी जी के दर्शन के महत्व एवं वर्तमान समय में गांधी जी की शिक्षाएं प्रंसागिक हैं या नहीं इसके अन्वेषण हेतु गांधी जी के दर्शन पर आधारित परिचर्चा, व्याख्यान, संगोष्ठी, कार्यशालाओं का आयोजन एवं गांधीवादी मूल्यों पर केन्द्रित फिल्मों का प्रदर्शन कर छात्राओं को गांधीवादी मूल्यों के आलोक में अपना व्यक्तित्व समाज हितार्थ एवं कल्याण हेतु गढ़ने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करता है। दौलत राम महाविद्यालय के गांधी स्टडी सर्कल का उद्देश्य गांधीवादी मूल्यों के प्रकाश से सम्पूर्ण वसुंधरा को आच्छादित कर मानव से मानवीयता की ओर अग्रसर करना है।

संयोजक: डॉ. ज्योति शर्मा

जेंडर चैंपियन प्रकोष्ठ-पहल

समाज में व्यक्तियों एवं समूहों की पहचान, स्वीकार्यता तथा उनके प्रति दृष्टिकोण के निर्माण में जेंडर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। दौलत राम महाविद्यालय का 'पहल: जेंडर चैंपियन प्रकोष्ठ' लैंगिक रूढ़ियों एवं पूर्वाग्रहों को चुनौती देते हुए जेंडर समानता, अधिकारों और संवेदनशीलता पर सार्थक संवाद को प्रोत्साहित करता है। छात्राओं एवं शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता से आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों, कार्यशालाओं एवं जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से यह प्रकोष्ठ समावेशी, संवेदनशील तथा समानतामूलक दृष्टिकोण के विकास के लिए निरंतर कार्यरत है।

संयोजक: - प्रो. सुरंजिता राय

साइबर प्रकोष्ठ

दौलत राम महाविद्यालय का साइबर प्रकोष्ठ डिजिटल सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु समर्पित एक महत्वपूर्ण मंच है। छात्र विशेषज्ञों की समर्पित टीम महाविद्यालय समुदाय को सुरक्षित एवं जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल तथा सर्वोत्तम साइबर सुरक्षा उपायों से परिचित कराती है। कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं जन-जागरूकता अभियानों के माध्यम से यह प्रकोष्ठ साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करने तथा विद्यार्थियों को साइबर खतरों से स्वयं एवं महाविद्यालय समुदाय की सुरक्षा के लिए सक्षम बनाने का कार्य करता है।

प्रकोष्ठ द्वारा समय-समय पर व्यवसाय, वित्त, साइबर सुरक्षा एवं प्रौद्योगिकी जैसे समकालीन विषयों पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनसे विद्यार्थियों को नवीनतम जानकारी, व्यावहारिक अनुभव तथा करियर संबंधी मार्गदर्शन प्राप्त होता है।

संयोजक: डॉ. रीमा दहल

उद्यमिता और नवरचना: स्टार्ट-अप प्रकोष्ठ- उद्यम

उद्यम, उद्यमिता और नवरचना: स्टार्ट-अप प्रकोष्ठ (EISC) विद्यार्थियों में उद्यमशील सोच, नवाचार और नेतृत्व क्षमता को विकसित करता है। शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन काउंसिल के अंतर्गत यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर संगोष्ठियों, विशेषज्ञ व्याख्यानों, छात्र उद्यमियों के सत्रों तथा इनक्यूबेशन केंद्रों के भ्रमण का आयोजन करता है। यह सेल लाइव प्रोजेक्ट्स, स्टार्ट-अप मेलों और व्यावहारिक उद्यमशील गतिविधियों के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षण को भी बढ़ावा देता है, जिससे विद्यार्थियों को बाजार के अवसरों, उत्पाद विकास, व्यवसाय योजना और स्टार्ट-अप के विकास की समझ प्राप्त होती है। दौलतनामा के माध्यम से विद्यार्थियों ने साबुन, पेंटिंग, टोट बैग और फोटो फ्रेम जैसे उत्पादों का सफलतापूर्वक डिज़ाइन, विपणन और विक्रय किया है, वह भी बिना किसी आर्थिक हानि के। EISC विद्यार्थियों में नए विचारों के सृजन, समस्या-समाधान और व्यवसाय मॉडलिंग को प्रोत्साहित करता है।

संयोजक: डॉ. शिखा सिंह

सक्षम इकाई

दौलत राम कॉलेज की सक्षम इकाई, समान अवसर प्रकोष्ठ (Equal Opportunities Cell) के तत्वावधान में, दिव्यांग छात्राओं के लिए एक समावेशी, सुलभ और सहयोगात्मक शिक्षण वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह इकाई सुनिश्चित करने के लिए कार्य करती है कि प्रत्येक छात्र को बिना किसी बाधा के शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भाग लेने के समान अवसर प्राप्त हों। यह कौशल विकास कार्यक्रमों, करियर मार्गदर्शन सत्रों तथा सुगम्यता संबंधी पहलों के आयोजन हेतु काम करती है। यह इकाई कार्यशालाओं, व्याख्यानों, सम्मेलनों और भ्रमणों का आयोजन करके पीडब्ल्यूबीडी (PWBD) छात्राओं को भावनात्मक और व्यावसायिक—दोनों स्तरों पर सशक्त बनाने का प्रयास करती है। उन्हें विभिन्न डिजिटल उपकरणों तथा भविष्य में उनके लिए उपलब्ध विविध व्यावसायिक क्षेत्रों से परिचित कराते हैं। छात्रों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक किया जाता है। महाविद्यालय ब्रेल तथा सॉफ्ट कॉपी के रूप में सुलभ पुस्तकों का एक विशाल संग्रह भी उपलब्ध कराता है, जिन्हें KIBO डिवाइस के उपयोग से विशेष रूप से तैयार किया जाता है। अपने समर्पित प्रयासों के माध्यम से सक्षम इकाई महाविद्यालय को सभी दिव्यांग (PWD) छात्राओं के लिए अधिक सुलभ, समानतापूर्ण और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

संयोजक: डॉ. प्रगति बर्मन

महिला विकास प्रकोष्ठ- प्रगति

महिला विकास प्रकोष्ठ दौलत राम कॉलेज की एक सक्रिय तथा यूजीसी (UGC) द्वारा अनिवार्य इकाई है, जो लैंगिक समानता, महिला अधिकारों तथा छात्राओं के समग्र सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

प्रगति विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से छात्राओं को शिक्षित एवं सशक्त बनाती है। इनमें कार्यशालाएँ, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी संगोष्ठियाँ, जागरूकता अभियान, आत्मरक्षा शिविर, प्रतियोगिताएँ तथा एहसास जैसी रचनात्मक परियोजनाएँ शामिल हैं। इन पहलों के माध्यम से प्रगति छात्राओं को आवश्यक ज्ञान, कौशल एवं आत्मविश्वास प्रदान करती है।

संवाद एवं सीखने के लिए सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण का निर्माण करके यह प्रकोष्ठ छात्राओं में आलोचनात्मक चिंतन, आत्म-अभिव्यक्ति तथा नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करता है। इस प्रकार यह भविष्य की जागरूक, संवेदनशील एवं सामाजिक रूप से उत्तरदायी महिला नेताओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संयोजिका : डॉ. मालविका सिंह

इंस्टाग्राम: https://www.instagram.com/wdc_drc?igsh=MXU4djI1d2l2OTd4bw==

उत्तर-पूर्व प्रकोष्ठ - पूर्वाशा

पूर्वाशा (PURVASHA) : उत्तर-पूर्व प्रकोष्ठ (North-East Cell) महाविद्यालय परिवार का एक सशक्त एवं जीवंत मंच है, जो केवल एक प्रकोष्ठ नहीं, बल्कि विविधता, समावेशिता और सांस्कृतिक सौहार्द का प्रतीक है। वर्ष 2014 में भारत सरकार के तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार स्थापित यह प्रकोष्ठ उत्तर-पूर्वी राज्यों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए सहयोगात्मक, सुरक्षित एवं सांस्कृतिक रूप से समृद्ध वातावरण उपलब्ध कराने हेतु निरंतर कार्यरत है।

यह प्रकोष्ठ विद्यार्थियों के लिए 'घर से दूर एक घर' का अनुभव प्रदान करते हुए उत्तर-पूर्व भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं एवं विविधताओं को महाविद्यालय समुदाय के समक्ष प्रस्तुत करने के उद्देश्य से वर्षभर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेल प्रतियोगिताओं तथा उत्सवों का आयोजन करता है। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के मध्य पारस्परिक संवाद, सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं सौहार्द को प्रोत्साहन मिलता है तथा महाविद्यालय की बहुसांस्कृतिक पहचान को और अधिक सुदृढ़ किया जाता है। प्रकोष्ठ प्रत्येक विद्यार्थी को सम्मानपूर्ण, आत्मीय एवं समावेशी वातावरण प्रदान करने तथा उन्हें महाविद्यालयीन जीवन से पूर्णतः जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

संयोजक: डॉ. श्यामलिमा बोर्गोहेन

इंस्टाग्राम: https://www.instagram.com/necelldrc.purvasha

स्पिक मैके

'द सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ़ इंडियन क्लासिकल म्यूज़िक एंड कल्चर अमंगस्ट यूथ' (SPIC MACAY) युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत, नृत्य, कला और संस्कृति को बढ़ावा देने और उन्हें संरक्षित करने वाला एक स्वैच्छिक युवा आंदोलन है। महाविद्यालय की यह सोसाइटी विभिन्न क्षेत्रों के मशहूर कलाकारों के साथ लाइव परफॉर्मेंस और इंटरैक्टिव सेशन आयोजित करती है। इन क्षेत्रों में हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत, भरतनाट्यम, कथक, ओडिसी, कथकली और कई अन्य शामिल हैं। SPIC MACAY सोसाइटी - दौलत राम कॉलेज चैप्टर इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए लगातार काम कर रहा है।

संयोजक: डॉ. मीनम भाटिया

इंस्टाग्राम: https://www.instagram.com/spicmacay_drc?igsh=MWpzODN2dHN0eGk4ZA==

यंग साइंटिस्ट्स सोसायटी (वाईएसएस)

यंग साइंटिस्ट्स सोसायटी (वाईएसएस), दौलत राम कॉलेज की एक छात्र-नेतृत्व वाली संस्था है, जो विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जिज्ञासा, नवाचार और अनुसंधान के प्रति रुचि विकसित करने के लिए कार्य करती है। सोसायटी कार्यशालाओं, सेमिनारों, प्रतियोगिताओं और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नवीनतम विकासों से परिचित कराती है। मार्च 2026 में, वाईएसएस ने एम्स, नई दिल्ली के चिकित्सा ऑन्कोलॉजी विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. मयंक सिंह के एक वैज्ञानिक व्याख्यान का आयोजन किया, जिसमें उन्होंने कैंसर अनुसंधान और चिकित्सा विज्ञान में हो रहे नवीनतम विकासों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, शोध क्षमता और नवाचार की भावना को बढ़ावा देती हैं।

संयोजक: डॉ. नरेन्द्र कुमार

इंस्टाग्राम: https://www.instagram.com/yss_drc?igsh=MTdyZzY3aTA5ZGw0cg==

दौलत राम महाविद्यालय छात्रसंघ एवं छात्र परामर्श बोर्ड

महाविद्यालय का छात्रसंघ विद्यार्थी जीवन का एक अभिन्न अंग है, जो विद्यार्थी समुदाय और महाविद्यालय प्रशासन के मध्य प्रभावी सेतु का कार्य करता है। यह विद्यार्थियों द्वारा, विद्यार्थियों के लिए चुनी गई एक लोकतांत्रिक संस्था है, जो उनके हितों, आवश्यकताओं और समस्याओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए काम करती है।

छात्रसंघ का गठन प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले चुनावों के माध्यम से किया जाता है, जिनमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सांस्कृतिक सचिव, महासचिव, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष तथा प्रॉक्टर जैसे विभिन्न पदों का निर्वाचन होता है। छात्र परामर्श बोर्ड के मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में छात्रसंघ वर्षभर विविध शैक्षणिक, सामाजिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का आयोजन करता है। इनमें रक्तदान शिविर, आत्मरक्षा कार्यशालाएँ, करियर मार्गदर्शन सत्र, जन-जागरूकता अभियान तथा सामाजिक सेवा संबंधी कार्यक्रम प्रमुख हैं। छात्रसंघ के तीन सर्वाधिक लोकप्रिय कार्यक्रम हैं— 'फ्रेशर्स' 'मिस डीआरसी', 'ग्रेजुएशन डिनर' तथा 'मंजरी'-, महाविद्यालय का अंतर-महाविद्यालयीय वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रहती है।

छात्र संघ छात्रों की शिकायतों का निवारण करने और व्यावहारिक समाधान खोजने के लिए संकाय (faculty) व प्रशासन के साथ मिलकर काम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह युवा सशक्तिकरण के प्रतीक के रूप में खड़ा है और महाविद्यालय परिसर के जीवन को अधिक जीवंत, सार्थक और यादगार बनाने में अत्यधिक योगदान देता है।

छात्र परामर्श बोर्ड

संयोजक: डॉ. ओमवती राणा

सह-संयोजक: डॉ. निशा बाला, डॉ. आज़ाद सिंह

सदस्य: डॉ. ओंकार मंगला, डॉ. रेनू, डॉ. मनोज गिरी, डॉ. शिवानी अग्रवाल, डॉ. मनीषा मीणा, डॉ. नीरू सहदेव, डॉ. कौशाम्बी त्यागी

DAULAT RAM COLLEGE
MISS DRC
We
Welcome of
You all To
the
FAREWELL
&
GRAD DINNER
2023-26

महाविद्यालय पत्रिकाएँ एवं समाचार पत्रिकाएँ

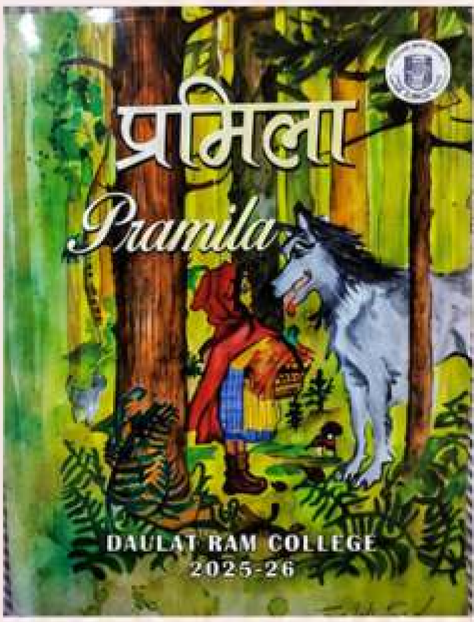

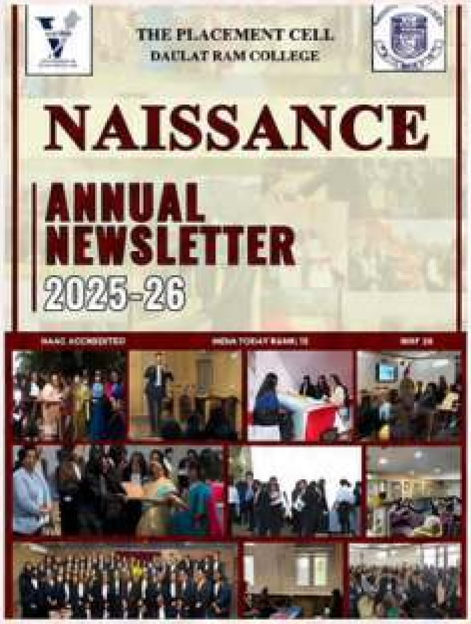

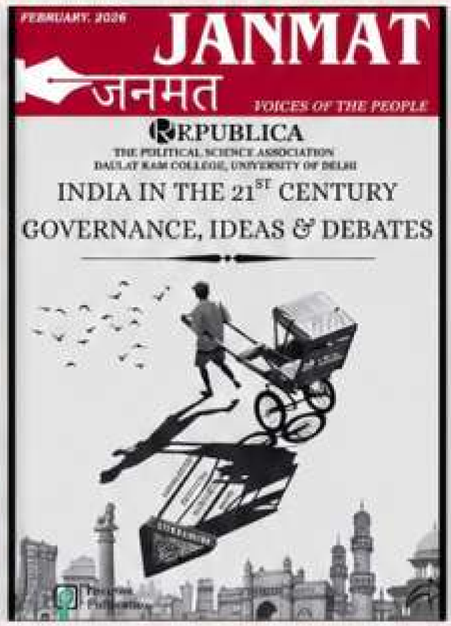

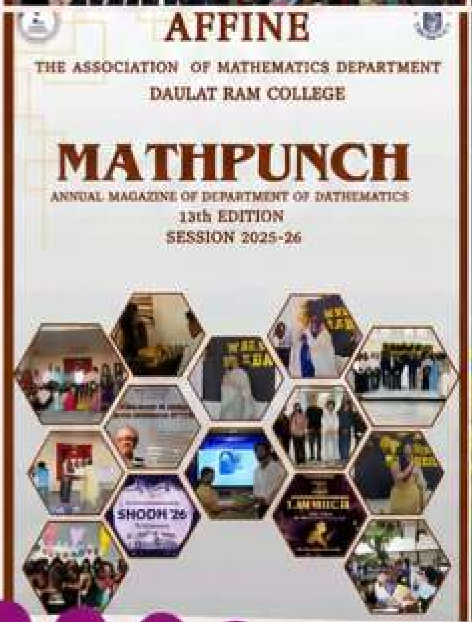

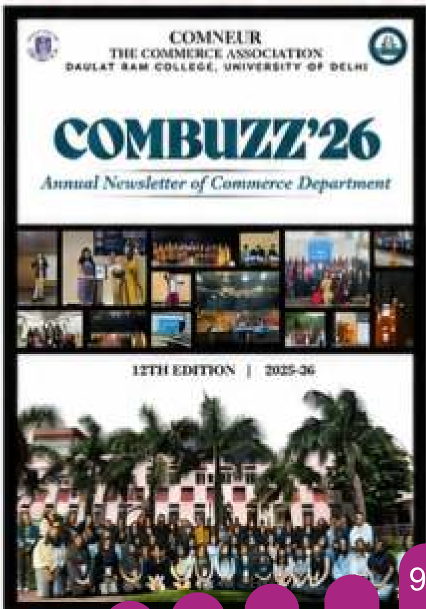

डीआरसीयन्स पूर्व छात्रा संघ

"किसी भी संस्थान की सफलता का मापन उसकी पूर्व छात्राओं के योगदान से किया जा सकता है।"

डीआरसीयन्स पूर्व छात्रा संघ, दौलत राम महाविद्यालय और उसकी पूर्व छात्राओं के मध्य आजीवन सहभागिता को सुदृढ़ करने हेतु एक सक्रिय मंच के रूप में कार्य करता है। सतत संवाद, व्यावसायिक नेटवर्किंग तथा संस्थागत सहयोग के माध्यम से यह संघ साझा पहचान को विकसित करने तथा पूर्व छात्राओं एवं मातृ संस्थान की उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

डीआरसीयन्स पूर्व छात्रा संघ की वेबसाइट विभिन्न पीढ़ियों की पूर्व छात्राओं के मध्य सार्थक संवाद एवं निरंतर जुड़ाव का एक प्रमुख माध्यम है। यह मंच मार्गदर्शन, नेटवर्किंग, व्यावसायिक अवसरों तथा संस्थान के विकास में योगदान को प्रोत्साहित करता है। पोर्टल की एक विशेष सुविधा इसका 'जॉब्स सेक्शन' है, जिसके माध्यम से पूर्व छात्राएँ रोजगार संबंधी अवसर साझा कर सकती हैं तथा सामुदायिक स्तर पर व्यावसायिक उन्नति को बढ़ावा दे सकती हैं।

वर्तमान में इस संघ से 12,236 पूर्व छात्राएँ पंजीकृत हैं, जो इसकी व्यापक पहुँच तथा संस्थान के साथ उनके सुदृढ़ एवं स्थायी संबंध को दर्शाता है। यह मंच सहपाठियों, कनिष्ठ एवं वरिष्ठ पूर्व छात्राओं के मध्य संवाद स्थापित करते हुए दौलत राम कॉलेज की संस्कृति, मूल्यों एवं परंपराओं को आगे बढ़ाने का कार्य करता है।

हाल की पहलों के अंतर्गत संघ ने अपनी विशिष्ट पूर्व छात्रा माननीय मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार, सुश्री रेखा गुप्ता का स्वागत किया, जिनकी यात्रा ने संस्थान एवं उसकी पूर्व छात्राओं के बीच स्थायी संबंध को पुनः सुदृढ़ किया। साथ ही, वैश्विक पूर्व छात्रा व्याख्यान श्रृंखला "रूट्स टू विंग्स" का शुभारंभ किया गया, जिसने बौद्धिक संवाद, वैश्विक सहभागिता, नेतृत्व तथा समकालीन विमर्श हेतु एक सार्थक मंच प्रदान किया।

आइए, हम सब मिलकर दौलत राम कॉलेज की संस्कृति, मूल्यों एवं गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाएँ।

वेबसाइट: drcaa.org (महाविद्यालय की वेबसाइट पर "Association" अनुभाग के अंतर्गत भी उपलब्ध)

ईमेल: drcalumnae@dr.du.ac.in

इंस्टाग्राम: drcalumni

संयोजक एवं सचिव:

प्रो. (डॉ.) सोनिया मेहता

विशिष्ट पूर्व छात्राएँ

श्रीमती रेखा गुप्ता
मुख्यमंत्री, दिल्ली

माननीय एस. फांगोन कोन्याक
सांसद, राज्य सभा

प्रो. सुषमा यादव
प्रो-वीसी, सीयू एच
केंद्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा

श्रीमती विनीता ठाकुर
भारतीय पुलिस सेवा
(आई.पी.एस.)

सुश्री अनु मल्होत्रा
माननीय न्यायाधीश

सुश्री स्वर्ना कांता शर्मा
माननीय न्यायाधीश

सुश्री कामिनी लौ
माननीय न्यायाधीश

सुश्री शैल जैन
माननीय न्यायाधीश

सुश्री सरिता बिरबल
माननीय न्यायाधीश

सुश्री राधा चौहान
भारतीय प्रशासनिक सेवा
(आई.ए.एस.)

सुश्री अनीता भटनागर
भारतीय प्रशासनिक सेवा
(आई.ए.एस.)

सुश्री राधा सिंह
भारतीय प्रशासनिक सेवा
(आई.ए.एस.)

सुश्री छाया शर्मा
भारतीय पुलिस सेवा
(आई.पी.एस.)

सुश्री मन्ना बहादुर
पूर्व दूरदर्शन एंकर

प्रो. सलोनी गुप्ता
प्राचार्य, भारतीय कॉलेज,
दिल्ली विश्वविद्यालय

श्रीमती मीनाक्षी अरोड़ा
वरिष्ठ अधिवक्ता,
सर्वोच्च न्यायालय

डॉ. सुनीता सिंह
भारतीय विदेश सेवा
(आई.एफ.एस.)

डॉ. नीना मल्होत्रा
भारतीय विदेश सेवा
(आई.एफ.एस.)

श्रीमती मलिका सुधीर
भारतीय विदेश सेवा
(आई.एफ.एस.)

प्रो. विभा धवन
एडजंक्ट प्रोफेसर

श्रीमती अनीता करवाल
भारतीय प्रशासनिक सेवा
(आई.ए.एस.)

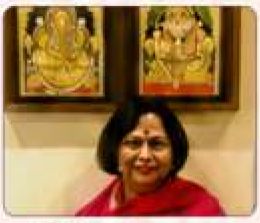

डॉ. रमा पटनायक
पूर्व प्राचार्य,
शिवाजी कॉलेज,
दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. कांता भाटिया
पूर्व प्राचार्य,
भारती कॉलेज,
दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रो. अमिता गुप्ता
रसायन विज्ञान विभाग,
यूडीएससी

प्रो. राधिका बकशी
निदेशक, उच्चतर शिक्षा संस्थान
(आई.एच.ई.),
दिल्ली विश्वविद्यालय

दौलत राम कॉलेज

परंपरा • उत्कृष्टता • नेतृत्व

उपलब्धि प्राप्तकर्ता समूह

नंदिनी
बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी
बैच 2018
दौलत राम कॉलेज
यूपीएससी भूवैज्ञानिक परीक्षा 2025 में
अखिल भारतीय रैंक 1 प्राप्त।

सुश्री नहल अंजुम
बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी
ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन में
वर्ष 2026 में प्रवेश प्राप्त।

ज्योति देवी
एनसीसी कैडेट
वर्ष 2024 में उत्तीर्ण।
केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF)
में चयनित तथा अखिल भारतीय रैंक 48 प्राप्त।

सीयूईटी पीजी एलएल.बी. 2026
टॉपर
अर्चिता ग्रोवर
एआईआर-1
300/300
अंक

अंकिता वर्मा
यूपीएससी परीक्षा ,
अखिल भारतीय रैंक 30

सीयूईटी पीजी जैवरसायन 2026
टॉपर (एआईआर-1)

संचिता शर्मा
दौलत राम कॉलेज को
आपकी इस उपलब्धि पर गर्व है।

हार्दिक बधाई!!

यूपीएससी
2024
अखिल भारतीय
रैंक 66

सिमरन
बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास
दौलत राम कॉलेज
2017–2020

अंजलि चौधरी
बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान
बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC)
परीक्षा, 2026 में सफल

हार्दिक बधाई!!

यूपीएससी
2024
अखिल भारतीय
रैंक 76

कल्पना
बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान
दौलत राम कॉलेज
2016–2019

सुश्री नव्या रायजादा
बी.कॉम. (ऑनर्स)
आईआईएम इंदौर में
एमबीए हेतु प्रवेश प्राप्त, 2026

हार्दिक बधाई!!

यूपीएससी
2024
अखिल भारतीय
रैंक 682

सुमिति
बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास
दौलत राम कॉलेज
2017–2020

आसन्या चौधरी
बी.एससी. (ऑनर्स) जैवरसायन
तृतीय वर्ष (सेमेस्टर 6)
आईआईटी जैम में अखिल भारतीय रैंक 49 तथा
गेट एक्सइल में अखिल भारतीय रैंक 287

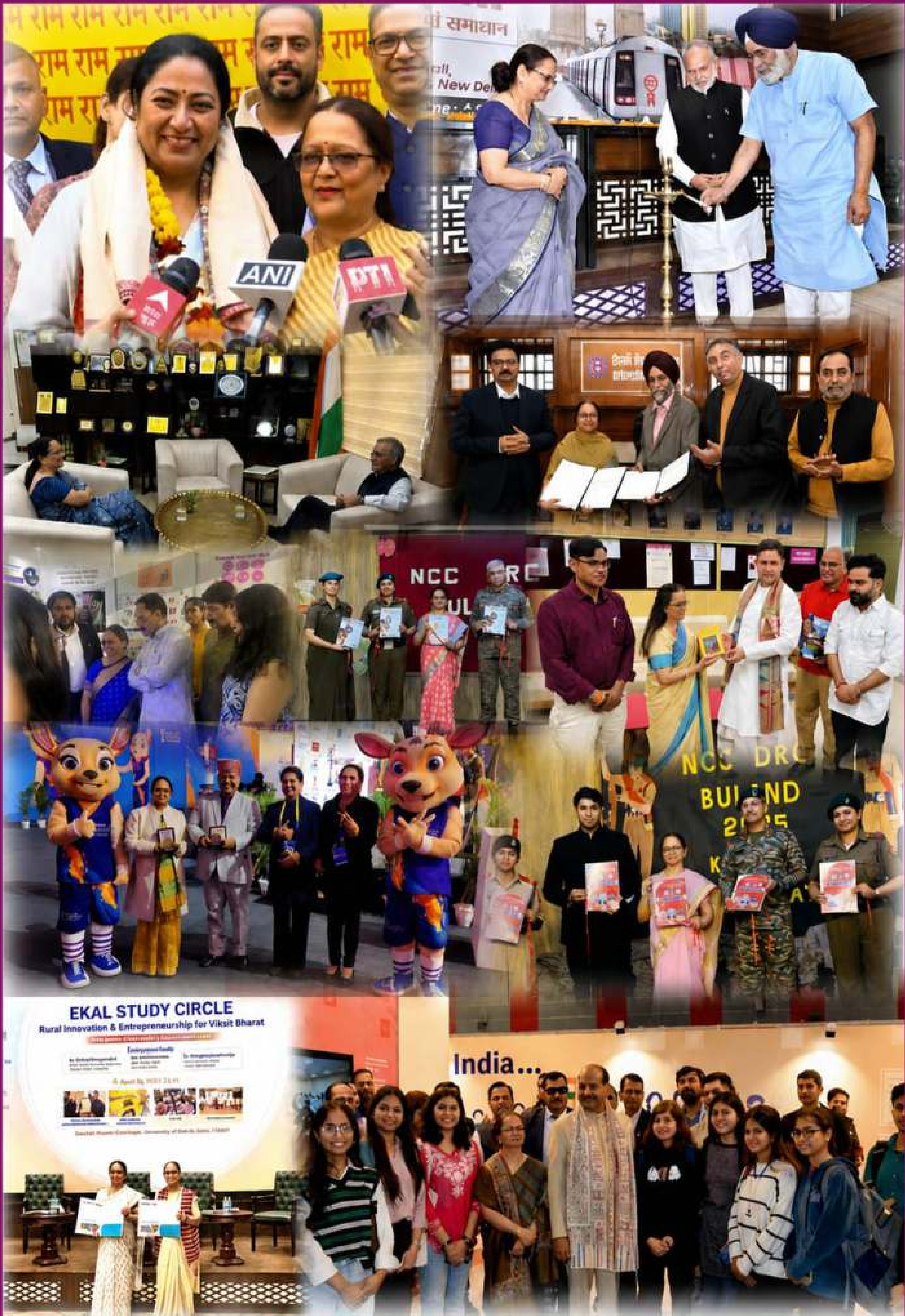

दौलत राम कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय
4 पटेल मार्ग, मॉरिस नगर, दिल्ली - 110007

गगल लिंक: https://www.dr.du.ac.in/
ईमेल: daulatramcollege@dr.du.ac.in
हमें फॉलो करें: Facebook, Twitter: @duDaul